हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, रविवार 6 जुलाई 2025

2019 से पहले के दोपहिया और चारपहिया वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर जारी होने हैं। इसके लिए पिछले करीब एक महीने से कवायद की जा रही है। नंबर बदलने को लेकर लोगों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसे लेकर हरिभूमि ने पड़ताल की, तो खुलासा हुआ है कि लोगों से हाई सिक्योरिटी नंबर के एवज में अवैध वसूली हो रही है। आरटीओ दलाल, च्वाइस सेंटरों के माध्यम से यह वसूली हो रही है, जबकि शासन स्तर पर ऑनलाइन आवेदन के साथ पहले से शुल्क निर्धारित किया गया है।

हाई सिक्योरिटी नंबर लगाने पर खेल, दोपहिया से 483 की जगह 700 और चारपहिया से 774 की जगह 1 हजार की वसूली

जिले में ऑनलाइन आवेदन के 60 सेंटर लेकिन लोगों को ही पता नहीं

राहुल शर्मा ▶▶| दुर्ग

खास खबर

दोपहिया वाहन के लिए 483 के जगह 700 और चार पहिया वाहन में 774 की जगह आरटीओ एजेंट 1000 रुपए तक वसूल रहे हैं। यही नहीं, नंबर प्लेट लगाने डीलर प्रति वाहन चालक से 50 रुपए अलग से ले रहे हैं। जबकि शासन द्वारा निर्धारित निर्धारिक शुल्क में 100 रुपए इसके लिए पहले से जोड़कर लिया जा रहा है। जिलेभर में लोगों को आवेदन के लिए 60 सेंटर अधिकृत किए गए हैं, लेकिन इसके बारे में जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। इस वजह से वाहन चालक आरटीओ दफ्तर और दलालों के चक्कर काट रहे हैं। आरटीओ अधिकारी तक को यह जानकारी नहीं है कि ये अधिकृत 60 सेंटर कौन से हैं। हाई सिक्योरिटी नंबर लगाने का कार्य जिले में रोसमार्टा सेफ्टी सिस्टम लिमिटेड को दिया गया है। वाहन चालकों को आवेदन करने निशुल्क सुविधा के लिए जिले में साठ केन्द्र अधिकृत किए गए हैं। लेकिन आरटीओ ने अब तक सेंटरों के नाम जारी नहीं किए हैं।

ऐसे ठगे जा रहे वाहन चालक

केस वन : वेंकटेस मोटर्स में नंबर प्लेट लेने आए निजेन्द्र बारले ने बताया कि, उन्होंने फोर व्हीलर में नंबर लगाने दुर्ग स्थित गुरूद्वारा के पास आरटीओ एजेंट के जरिए आवेदन किया था। उनसे बारह सौ रुपए लिए गए। वहीं नंबर लगाने बटालियन स्थित न्यू छग मोटर्स सेंटर में पचास रुपए फिटिंग चार्ज अलग से देने पड़े।

केस टू : दुर्ग पालिटेक्निक कालेज के सामने स्थित वेंकटेस मोटर्स में टू व्हीलर सीजी 07 एलजेड7141 का नंबर लेने आए गंगा प्रसाद साहू ने बताया कि, मैंने एजेंट के जरिए आवेदन किया था। उनसे भी 483 की जगह एजेंट में छः सौ रुपए की राशि वसूल कर ली। इसी तरह हुकुचंद जैन फोर व्हीलर सीजी 07 बीए 9315 ने बताया कि, उन्होंने ने भी आठ सौ रुपए का भुगतान किया।

क्या कहते हैं आरटीओ एजेंट

हरिभूमि ने आरटीओ कार्यालय के सामने पड़ताल की। इस दौरान सूरज मंडावी आरटीओ एजेंट का कहना था कि टू व्हीलर के सात सौ और फोर व्हीलर में एक हजार रुपए लगेंगे। उनका कहना है कि इसमें आवेदन की प्रोसेसिंग चार्ज और आरसीटी में मोबाइल नंबर लिंक भी करेंगे। आरटीओ कार्यालय के सामने श्रीचंद आरटीओ एजेंट का कहना है कि आवेदन के लिए प्रोसिसिंग शुल्क तो लगेंगे। उन्होंने कहा टू व्हीलर सात सौ और फोर व्हीलर एक हजार रुपए लगेंगे। उनका कहना है कि यह प्रोसेसिंग शुल्क है। निर्धारित से दो सौ तक अधिक राशि वसूली करने के सवाल पर उनका कहना था कि, आनलाइन में शुल्क कम है, वहां से आवेदन कर सकते हैं।

झांसे से बचने इस तरह बरते सतर्कता

आरटीओ अधिकारी एसएल लकडा ने बताया कि, हाई सिक्योरिटी नंबर लगाने के लिए आनलाइन प्रक्रिया निर्धारित है, इसके लिए आम लोग भी **www.hsrpcg.com** में जाकर खुद भी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के बाद इसे डाउनलोड कर सकेंगे। इस पर्ची में जिस तारीख को अप्वाइंटमेंट तिथि रहेगी, उस दिन दिए गए शोरूम में नंबर लगाई जाएगी। उन्होने कहा आवेदन के लिए एजेंट व च्वाइस सेंटर का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा।

पर्ची में कह रहे कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं

ऑनलाइन हाई सिक्योरिटी नंबर आवेदन के बाद आनलाइन पर्ची प्रिंट मिलता है। इसमें ठेका कंपनी ने टिप्पणी में लिखा है कि, अधिकृत केन्द्र पर एचएसआरपी लगाने के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना पड़ेगा। ऐसे में सवाल उठता है कि, जिले में कहां-कहां पर आवेदन करने के लिए सेंटर अधिकृत किए गए है। इसकी जानकारी किसी को नहीं है।

शिकायत मिलने पर करेंगे कार्रवाई

आरटीओ कार्यालय में भी सेंटर बनाए गए है। यहां कोई अतिरिक्त राशि नहीं लगती है। अधिकृत सेंटर की सूची कंपनी से मंगाई जाएगी। जिसे सार्वजनिक भी किया जाएगा। वसूली की शिकायत पर कार्यवाही होगी।

एसएल लकडा, आरटीओ अधिकारी दुर्ग

जिले में ऑनलाइन आवेदन के लिए 60 सेंटर अधिकृत

जिले में निशुल्क आवेदन के लिए साठ सेंटर अधिकृत किए गए हैं। इसके लिए सिर्फ आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया है। जिसे आवेदन मोबाइल से खुद भी कर सकते है। इसके लिए एजेंट और च्वाइस सेंटर जाने का सवाल ही नहीं उठता है।

शमशूल उत्सव, रोसमेर्टा कंपनी

खबर संक्षेप

जेल में वसूली के आरोप, हाईकोर्ट ने डीजी से मांगा जवाब

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने जेल बंदियों के परिजनों से जबरन वसूली के गंभीर आरोपों पर सख्त रुख अपनाया है। एक जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान यह मामला सामने आने पर कोर्ट ने प्रदेश के जेल महानिदेशक (डीजी) को व्यक्तिगत हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है। लुकेश्वरी जोश अब्राहम द्वारा दाखिल इस याचिका पर मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा की एकलपीठ में सुनवाई हुई। राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि याचिकाकर्ता पर हत्या के मामले में जेल में बंद अपने पति और अन्य कैदियों के परिजनों से रकम वसूलने का आरोप है। बताया गया कि यह राशि अलग-अलग खातों में जमा कराई गई, जिनमें याचिकाकर्ता का खाता भी शामिल है। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए डीजी जेल को जवाब देने को कहा है।

मामूली विवाद पर रास्ता रोककर चाकू से किया वार, 6 पकड़ाए

राजनांदगांव। शहर के प्यारेलाल चौक में शुक्रवार की शाम हुई चाकूबाजी की घटना में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इन छह आरोपियों ने ही चाकू और हाथ-पैर से प्रार्थी पर वार किया था। बताया गया कि फोन पर हुए वाद-विवाद को लेकर चाकूबाजी की घटना की गई थी। प्रार्थी के पिता भी पुलिस महकमे में एएसआई है। कोतवाली थाना में दर्ज एफआईआर के अनुसार पीड़ित महफूज शेख शुक्रवार की दोपहर अपने दोस्त शैलेन्द्र से मिलने त्रिवेणी परिसर पहुंचा था, जहां उसने अपने फोन से शैलेन्द्र की बात निखिल रामटेके से कराई। फोन पर शैलेन्द्र और निखिल का कुछ विवाद हुआ। जिसके बाद महफूज अपने काम से न्यायलय पहुंचा था। न्यायलय से जब वह अपने घर शांतिनगर के लिए निकला तो रास्ते में शाम साढ़े चार बजे प्यारेलाल चौक ओव्हर ब्रिज के नीचे दो मोटर सायकल पर सवार सोहेल मियां, कस्तू साहू, भास्कार खान, तक्ष पीटर, मारूफ खान एवं निखिल रामटेके सहित छह लोगों ने उसे रोका।

उपेक्षा : ऊपर तोनका, नीचे तोनका और चलाचूर बारिश में बन जाते हैं टापू

पुल न बनना नक्सलियों के लिए सेफजोन सरकार के पास अभी है बनाने का मौका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जिले के अंदरूनी ईलाके जहाँ पर माओवादी दिन व रात में बैठक उसी ईलाके में लेते थे, जहाँ पुलिस और आमाजन की पहुंच नहीं हो पाती थी। नदी का दूसरा छोर उनके लिए सेफ जोन रहता है। पुल न बनना नक्सलियों के लिए सदैव सेफ जोन ही रहा है। सरकार के पास अभी मौका है कि अंदरूनी ईलाको पर पुल व पुलिया बनवा ले, क्योंकि अभी नक्सली पूरी तरह से बैकफुट में है। जिले में आज भी तीन दर्जन से ज्यादा ऐसे गांव है, जो बारिश में टापू में तब्दील हो जाते है।

कांकेर जिला मुख्यालय से 45 किमी दूर अतिसंवेदनशील गाँव बांसकुंड में बहने वाली चिनार नदी में आजादी के 76 साल बाद भी गांव वालों को पुल नसीब नही हो पाया है। बांसकुंड गांव के तीन आश्रित गांव ऊपर तोनका, नीचे तोनका और चलाचूर के 500 ग्रामीण बरसात के 3 महीने जिला मुख्यालय, ब्लाक मुख्यालय, और ग्राम पंचायत से कट जाते है। चिनार नदी में बना एक स्टॉप डेम से ग्रामीण आवागमन करते है। कई ग्रामीणों का खेती नदी के इस पार-उस पार है। मजबूरन ग्रामीणों को स्टॉप डेम के पिलरो को कूद कर रोजना आना-जाना पड़ता है। तीनों गाँव के ग्रामीण आजादी के बाद से लगातार चिनार नदी पर पुल बनाने की मांग कर रहे हैं।

खास बातें

- आजादी के बाद आज तक नहीं बन पाया पुल, तीन माह तीन गांव बन जाते है टापू
- माओवादी इन गांव के जंगलो में कई बार बैठक करके कर चुके है वारदात

पार करना पड़ता है स्टांप डेम

ग्रामीणों ने बताया कि नदी उफान पर होने से स्कूल में पढ़ाने बारिश में शिक्षक नहीं आ पाते है। ऊपरतोनका और नीचेतोनका गांव में प्राथमिक पाठ शाला है, लेकिन हाईस्कूल व हायर सेकेंडरी पढ़ने छात्रों को नदी पार कर बांसकुंड जाना पड़ता है। बच्चे भी पानी कम रहने पर इसी तरह रोज स्टॉप डेम के पिलरो को लांघ कर स्कूल आते है। खाद हो बीज हो या दैनिक उपयोग के राशन के समान ग्रामीण कांधे पर लादकर रोजना इसी तरह 16 पिलरो को लांघ कर पार करते है।

पुल बनने से नेस्तनाबूद होंगे नक्सली ठिकाने

आजादी के 70 दशक बाद भी पुल नहीं बन पाया है। चिनार नदी पर बना एक स्टॉप डेम ग्रामीणों के आवागमन का माध्यम है, इसे पार करना भी जान जोखिम में डालने से कम नहीं है। इन गाँवो को जोड़ने वाला पुल आज की स्थिति में बहुत ही सरलता से बन सकता है, क्योकि माओवादियों की अभी इस ईलाके में आना जाना न के बराबर हो गया है। सरकार को समय का फायदा उठाते हुए चिनार नदी पर पुल बनाकर लोगों को राहत दे सकते है, साथ ही नक्सलियों के ठिकानों को भी स्थायी रूप से नेस्तनाबूद करने में कामयाबी मिल सकेगी।

ग्रामीणों ने की पुल बनाने की मांग

पुल पार करने वाले ग्रामीणों से बात करने पर बताया कि पुल बनाने के लिए जब से होश संभाला, तब से ग्राम से लेकर सांसद तक गुहार लगा चुके है, परंतु किसी ने आज तक सुध नहीं लिया। मीडिया में आने के बाद जनप्रतिनिधि और सरकार मामले की गंभीरता को ले लेत है, तो हम और हमारे बच्चों के लिए राहत मिल जाएगी। मीडिया के माध्यम से जिला एवं प्रदेश के सभी जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन से हमारी माँग यही है कि हमारे लिए पुल बना दें, जिससे हमें भी एहसास हो कि हम भी सभी विकास में शामिल हो सके।

हाईकोर्ट ने पूरी प्रक्रिया को निरस्त किया

एनआरडीए की भू-अधिग्रहण कार्रवाई शून्य और अमान्य

बिलासपुर। नया रायपुर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) द्वारा की गई भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई को हाईकोर्ट ने अवैध करार देते हुए निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि नए भू-अर्जन कानून के तहत तय समय सीमा में अवार्ड पारित नहीं करने पर पूरी प्रक्रिया अमान्य हो जाती है।

ग्राम निमोरा और नवागांव के निवासियों ने इस मामले में याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया कि जमीन का अधिग्रहण पुराने भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 के तहत हुआ था। धारा 6 के तहत अधिसूचना जारी हुई, लेकिन 1 जनवरी 2014 से नया कानून यानी 'भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापना में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिनियम, 2013' लागू हो गया। नए कानून की धारा 25 के मुताबिक, धारा 19 (जो कि पुराने कानून की धारा 6 के समकक्ष है) के तहत अधिसूचना जारी होने के एक साल के भीतर अवार्ड पारित करना अनिवार्य है लेकिन एनआरडीए ने तय समय सीमा के बाद अवार्ड पारित किया। इसे चुनौती दी गई।

- तय समय सीमा में अवार्ड पारित नहीं करने पर दायर हुई थी याचिका

लौटानी होगी मुआवजा राशि

कोर्ट ने सुनवाई करते हुए राज्य शासन और एनआरडीए को नोटिस जारी किया। जवाब मिलने के बाद अंतिम सुनवाई में हाईकोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि अवार्ड पारित करने की एक वर्ष की वैधानिक सीमा का पालन नहीं हुआ है। इससे पूरी अधिग्रहण कार्यवाही शून्य मानी जाएगी। फैसले में कोर्ट ने न केवल अवार्ड को निरस्त किया, बल्कि पूरी अर्जन प्रक्रिया को भी अमान्य करार दिया। याचिकाकर्ता को पूर्व में दिए गए मुआवजे की राशि शासन को लौटाने का आदेश भी दिया गया है।

फ्लाई ऐश की मिलावट कर बेच रहा था ब्रांडेड सीमेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद/अर्जुन्दा

अल्ट्राटेक कंपनी के सीमेंट मे फ्लाई एस मिलावट कर बेचने वाले के विरूद्ध अर्जुन्दा पुलिस कार्यवाही की। आरोपी के कब्जे से बड़ी मात्र मे अल्ट्राटेक कंपनी का मार्का इस्तेमाल कर पैकिंग किया हुआ 584 बैग मिलावटी सीमेंट और सीमेंट मिलावट करने का प्लास्टिक टब, पाइप, लोहे का एंगल जब्त किया गया। अरोपी विजय चंद्र थाक, कंपनी मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिड्ड कंपनी के नाम का मार्का लगाकर बेचता था मिलावटी सीमेंट आरोपी को गिरफ्तार कर ज्युडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया।

- मोहदीपाट के वैभव ट्रेडर्स में रेड, मिलावटी अल्ट्राटेक मार्का 584 बैग सीमेंट जब्त

प्रार्थी बजार लेन, कलकत्ता, थाना बुरतोल्ला जिला उत्तर कलकत्ता पश्चिम बंगाल निवासी विशाल मंडल पिता सत्यनारायण मंडल 01 अनाद बाबू जो मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड कंपनी के सामनों की देख रेख करना व जांच पड़ताल करने फिल्ड ऑफिसर के पद पर कार्यरत है, ने 04 जुलाई को थाना अर्जुन्दा मे सूचना दिया की ग्राम मोहदीपाट थाना अर्जुन्दा में स्थित वैभव ट्रेडर्स के संचालक विजय चन्द्र धाक के द्वारा अपनी फ्लाई एस ब्रिक्स कंपनी गब्दी मे अल्ट्राटेक कंपनी का मार्का लगाकर मिलावटी सीमेंट बनाता तथा बेचता है। गठित टीम के द्वारा गवाहों एवं प्रार्थी को साथ लेकर ग्राम मोहदीपाट स्थित वैभव ट्रेडर्स में रेड कार्यवाही किया गया, दुकान में 25 बैग अल्ट्राटेक कंपनी का सीमेंट मिला, जिसे कंपनी के फिल्ड ऑफिसर विशाल मंडल के द्वारा मिलावटी होना पुष्टि किया गया, जिस संबंध मे ट्रेडर्स के संचालक विजय चन्द्र धाक से पुछताछ किया गया जो संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाया।

अल्ट्राटेक कंपनी लिखा हुआ खाली बैग बरामद

टीम के द्वारा गवाहों एवं प्रार्थी को साथ लेकर ग्राम मोहदीपाट स्थित वैभव ट्रेडर्स में रेड कार्यवाही किया गया, दुकान में 25 बैग अल्ट्राटेक कंपनी का सीमेंट मिला, जिसे कंपनी के फिल्ड ऑफिसर विशाल मंडल के द्वारा मिलावटी होना पुष्टि किया गया, जिस संबंध मे ट्रेडर्स के संचालक विजय चन्द्र धाक से पुछताछ किया गया जो संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाया। विजय चन्द्र धाक को साथ लेकर ग्राम गब्दी स्थित उनके फ्लाई एस ईंट बनाने की धाक नामक कंपनी मे रेड कार्यवाही किया गया, जहां पर बड़ी मात्र में फ्लाई एश, अल्ट्राटेक कंपनी का मार्का इस्तेमाल कर पैकिंग किया गया, सीमेंट बैग, सीमेंट में फ्लाई एश मिलाने का मशीन तथा अल्ट्राटेक कंपनी लिखा हुआ खाली बैग बरामद किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में लिया गया बड़ा निर्णय

उद्योग विभाग को सौंपा जाएगा जशप्योर का ट्रेडमार्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचल जशपुर की आदिवासी महिलाओं के समूह द्वारा प्राकृतिक वनोपज का प्रसंस्करण कर तैयार की गई विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्रियों का ब्रांड जशप्योर अब जशपुर और छत्तीसगढ़ की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कदमताल करने को तैयार है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल अभियान को आत्मसात करते हुए एक अहम निर्णय लिया गया है। जिसके तहत जशपुर जिले की महत्वाकांक्षी महिला केंद्रित ब्रांड जशप्योर का ट्रेडमार्क अब उद्योग विभाग को हस्तांतरित किया जाएगा। यह ऐतिहासिक निर्णय जशप्योर को व्यापक उत्पादन, संस्थागत ब्रांडिंग और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच दिलाने की दिशा में एक बड़ा और निर्णायक कदम है।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 में मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया

20 सितंबर 2024 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 में जशप्योर का स्टॉल सभी के आकर्षण का केंद्र बना रहा। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने वाले उपभोक्ताओं, पोषण विशेषज्ञों और उद्यमियों ने विशेष रुचि के साथ महुआ और मिलेट से बने उत्पादों की सराहना की। इन उत्पादों में कोई एडिटिव, प्रिज़र्वेटिव या स्टेबलाइजर नहीं है, जिससे ये पूरी तरह से प्राकृतिक, सुरक्षित और पोषणयुक्त हैं।

रेयर प्लेनेट के साथ ऐतिहासिक समझौता

जशप्योर की पहुंच अब देशभर के प्रमुख एयरपोर्ट स्टोर्स तक होगी। रेयर प्लेनेट के साथ हुए समझौते के तहत पहले चरण में पांच एयरपोर्ट्स पर महुआ और अन्य उत्पादों की बिक्री शुरू की जा रही है। यह पहल जशप्योर को राष्ट्रीय उपभोक्ताओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस एमओयू पर हस्ताक्षर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किए गए, जो राज्य के स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

महिला उद्यमिता को मिल रहा बढ़ावा

जशप्योर ब्रांड का उद्देश्य केवल व्यापार नहीं है, बल्कि यह आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने का एक सशक्त प्रयास भी है। इस ब्रांड के माध्यम से महिलाओं को रोजगार का अवसर मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है और वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर हुई हैं। जशप्योर द्वारा निर्मित हर उत्पाद आदिवासी महिलाओं की मेहनत और समर्पण का प्रतीक है। ये उत्पाद देशभर के विभिन्न स्टोर्स पर उपलब्ध हैं, जो ब्रांड की व्यापक पहुँच का प्रमाण हैं। जशप्योर के सभी उत्पाद पूर्णतः प्राकृतिक हैं। इनमें किसी भी प्रकार के प्रिज़र्वेटिव, कृत्रिम रंग या स्वाद का उपयोग नहीं किया जाता है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार, 6 जुलाई 2025

खबर संक्षेप

जम्मू आधार शिविर से 6900 श्रद्धालु रवाना

जम्मू। अमरनाथ गुफा मंदिर के दर्शन के लिए शनिवार तड़के 6,900 से अधिक श्रद्धालुओं का नया जत्था जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ।

दो जुलाई को 38 दिवसीय वार्षिक यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक करीब 30,000 श्रद्धालु 3,880 मीटर ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। चौथे जत्थे में कुल 6,979 श्रद्धालु शामिल हैं जिनमें 5,196 पुरुष, 1,427 महिलाएं, 24 बच्चे, 331 साधु-साध्वियां और एक ट्रांसजेंडर शामिल हैं।

कोयला खदान का एक हिस्सा ढहा, चार की मौत

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले में अवैध खनन के दौरान बंद पड़ी कोयला खदान का एक हिस्सा ढह जाने से चार लोगों की मौत हो गई।

कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। यह घटना जिले के कुजू चौकी के कर्मा इलाके में तड़के घटी। दुर्घटना स्थल से चार शव बरामद कर लिये गए हैं। हालांकि, पुलिस टीम के मौके पर पहुंचने से पहले ही ग्रामीण तीन शव वहां से ले गये।

बगैर बिल के हर माह दो सौ ट्रक शराब की हो रही थी बिक्री, 2000 करोड़ का घोटाला

28 आबकारी अफसरों के खिलाफ 2100 पन्नों का चालान, जज छुट्टी पर, अब सोमवार को होगा पेश

विधि विभाग से अभियोजन स्वीकृति मिलने के बाद ईओडब्लू तथा एसीबी के अफसर शनिवार को ईओडब्लू, एसीबी के विशेष कोर्ट में 21 सौ पन्नों का चालान पेश करने पहुंचे। न्यायाधीश के अवकाश में होने की वजह से आबकारी अफसरों के खिलाफ अब सोमवार को कोर्ट में चालान पेश किया जाएगा। आबकारी घोटाले में ईओडब्लू कोर्ट में यह पांचवां चालान पेश होगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

उल्लेखनीय है कि जिन 28 आबकारी अधिकारियों के खिलाफ विधि विभाग ने अभियोजन स्वीकृति की अनुमति दी है उन पर डुप्लीकेट या बगैर बिल के शराब को खपाने का आरोप है। शराब घोटाला दो पार्ट में किया जाता था। पार्ट ए में जहां प्रति पेटी सौ रुपए कमीशन मिलता था, वहीं पार्ट बी में कमीशन की राशि 560 से 600 रुपए तक थी। सिंडिकेट पार्ट बी में बगैर बिल के शराब खपाने का काम किया जाता था। इस सिंडीकेट में आबकारी अफसरों की संलिप्तता पाई गई।

अनवर ढेबर और अरुणपति अफसरों पर बनाता था दबाव

ईओडब्लू के चालान में उल्लेख किया गया है कि शराब घोटाले का किंग पिन अनवर ढेबर हर माह शराब बिक्री का टार्गेट तय करता था। अरुण पति त्रिपाठी को अनवर ढेबर हर माह शराब बिक्री करने का लक्ष्य देता था। उसी लक्ष्य को पूरा करने अरुण पति आबकारी अफसरों पर दबाव बनाता था। ▶▶| शेष पेज 5 पर

इन अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति

गरीबपाल दर्द, नोहर सिंह ठाकुर, सोनल नेताम, अलेख राम सिदार, प्रकाश पाल, एके सिंग, आशीष कोसम, जेआर मंडावी, राजेश जयसवाल, जीएस नुखटी, जेआर पैकरा, देवलाल वैद्य, एके अनंत, वेदराम लहरे, एलएल ध्रुव, जनार्दन कोरव, अनिमेष नेताम, विजय सेन, अरविंद कुमार पाटले, प्रमोद कुमार नेताम, राम कृष्णा मिश्रा, विकास कुमार गोस्वामी, इकबाल खान, नितिन खंडुजा, नवीन प्रताप भिंग, सौरभ बख्शी, दिनकर वासनीक, मोहित कुमार जयसवाल, नीलू नोतानी, मंजू कसेर के नाम शामिल है।

शराब की काली कमाई कलेक्शन करने अलग एजेंसी

शराब की काली कमाई कलेक्शन करने अलग से एजेंसी बनाई गई थी। पार्ट ए की कमाई कलेक्शन करने का काम सुमित कंसलटंसी करती थी। पार्ट बी की कमाई कलेक्शन करने अलर्ट कमांडो प्राइवेट लिमिटेड के नाम से अलग कंपनी बनाई गई थी। उक्त कंपनी ईगल हंटर साल्यूशन की सहयोगी कंपनी थी।

लालच बढ़ता गया

वर्ष 2019 से 2022 के बीच पार्ट बी की शराब आपूर्ति करने का टारगेट दौ सौ पेटी तय की गई थी, वर्ष 2023 में टारगेट दो गुना कर चार सौ ट्रक तय की गई। इस तरह से वर्ष 2023 में संबंधित शराब दुकानों में सर्वाधिक मात्रा में देशी शराब की अवैध खेप पहुंचाने का काम किया गया।

तीन साल में 60 लाख 50 हजार पेटी शराब खपाई

कोर्ट में पेश किए गए चालान के अनुसार शराब सिंडिकेट से जुड़े लोगों ने घोटाला करने वर्ष 2019 से 2023 के बीच रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, बिलासपुर, कबीरधाम बालोद, महासमुंद, धमतरी, बलौदाबाजार, गरियाबंद, ▶▶| शेष पेज 5 पर

मिले कई सबूत

गिरपुंजे की शहादत हिरासत में 7 संदिग्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोंटा

पिछले माह 9 जून को हुए बम ब्लॉस्ट में एसआईए की टीम जांच कर रही हैं। इस घटना में एएसपी आकाश राव गिरपुंजे शहीद हुए थे। पुलिस के 2 अधिकारी एसडीओपी और टीआई गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिनका इलाज चल रहा है। पूछताछ और जांच में 7 संदिग्ध को हिरासत में लेने की जानकारी मिली है। सभी के मोबाइल फोन को जब्त किए गए हैं। सूत्रो के अनुसार ये लोग हर मुवमेंट की जानकारी नक्सलियों को दे रहे थे। बताया गया है कि संदिग्धों के पास से कई सबूत मिले हैं, उनसे गहन पूछताछ की ▶▶| शेष पेज 5 पर

- 9 जून को हुआ था बम ब्लॉस्ट, एएसपी आकाश हुए थे शहीद

घने जंगल के बीच पिल्लुर के करीब मुठभेड़

सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन इलाके में लगातार जारी है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर रात से नक्सलियों के साथ कई बार मुठभेड़ हुई। यह मुठभेड़ घने जंगल के बीच ग्राम पिल्लूर केकरीब होने की बात कही जा रही है। जवानों को सतर्कता बरतने और इलाके की पूरी तरह से तलाशी लेने के निर्देश दिए गए हैं। मुठभेड़ में मारे गए नक्सली की शिनाख्त अभी नहीं हो सकी है। फोर्स के वापस लौटने पर बरामद हथियार व मारे गए नक्सली के शव की जानकारी मिल सकेगी।

मुठभेड़ में मारा गया नक्सली

जगदलपुर। बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में माओवादियों के बड़े कैडर की मौजूदगी की सूचना पर शुक्रवार से जारी ऑपरेशन शनिवार शाम तक जारी रहा। दोनों ओर से जारी गोलीबारी के बीच सुरक्षाबलों ने एक वर्दीधारी नक्सली को मार गिराया है। वहीं कई अन्य नक्सलियों के मारे जाने व घायल होने की संभावना है। इसकी पुष्टि करते हुए बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि नक्सलियों के बड़े कैडर के नेशनल पार्क इलाके में मौजूद होने की सूचना पर शुक्रवार को डीआरजी एसटीएफ व सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया था। यह मुठभेड़ शनिवार शाम तक जारी रहा और नक्सलियों व सुरक्षाबलों के बीच रुक रुककर गोलीबारी होती रही। मुठभेड़ ▶▶| शेष पेज 5 पर

हरिभूमि और आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने खास मुलाकात

कार्यकाल की चिंता मुझे नहीं, मैं पार्टी और प्रदेश के लिए लड़ रहा हूं, लड़ता रहूंगा: बैज

छत्तीसगढ़ की कांग्रेसी सियासत में उठापटक के बीच 7 जुलाई को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे प्रदेश के एक दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे के दौरे के पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के साथ हरिभूमि और आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने खास मुलाकात कार्यक्रम के तहत चर्चा की। प्रस्तुत हैं चर्चा के प्रमुख अंश:-

खास खबर

- ***खड़गे जी छत्तीसगढ़ आ रहे हैं, किसलिए? साय सरकार को हिलाने के लिए आ रहे हैं या दीपक बैज को बनाए रखने के लिए आ रहे हैं***
- खड़गे जी और केसी वेणुगोपाल 7 जुलाई को छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। खड़गे जी लगातार सभी प्रदेशों का दौरा कर रहे हैं। बारिश और खेती किसानी के बीच बड़ी सभा हमारे लिए चुनौती भी है, लेकिन पार्टी व्यापक रूप से तैयारी कर रही है। हमें विश्वास है, कार्यक्रम बहुत शानदार होगा। छत्तीसगढ़ में सरकार तो पहले ही हिली हुई है। मुद्दों की कमी नहीं है। इस बहाने कार्यकर्ता भी रिचार्ज होंगे।
- ***सरकार हिलेगी, एनर्जी भी आएगी पर दीपक बैज का क्या होगा? जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी, तब आपने संगठन की कमान संभाली थी। डेढ़ साल से आप पसीना बहा रहे हैं। आखिर किस बात की जल्दी है दीपक बैज को?***
- छत्तीसगढ़ में विपक्ष मजबूत है, हमारे 15 विधायक तो हैं नहीं। 35 विधायकों के साथ हम सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ रहे हैं। इस सरकार में लॉ एंड ऑर्डर खत्म हो चुका है। 10 हजार 400 स्कूलों को बंद कर दिया गया। किसानों को खाद नहीं मिल रहा है। अवैध रेत खदान चल रहे हैं। गोलियां चल रही हैं, चाकू मारा जा रहा है। ऐसे में दीपक बैज कैसे चुप रह सकता है।
- ***दीपक बैज को चुप कराने के लिए पार्टी के स्तर पर भी बड़ी आवाजें उठ रही हैं। सचिन पायलट की मौजूदगी में पूर्व मुख्यमंत्री नाराज हुए। ये खबरें तो दीपक बैज की निगाहों से भी गुजरी होंगी।***
- अंदर अगर हम कुछ बात करें तो बाहर बड़ा न्यूज बन जाता है। हम लोग घर के भीतर बैठे थे। अगर काम करते हुए कोई चूक हो गई, कोई बात आ गई तो उसे सुधारा जा सकता है। ठीक है उसे प्रस्तुत करने का तरीका अलग हो सकता है। ये सच्चाई है कि सरकार के खिलाफ छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी मजबूती से लड़ाई लड़ रही है। विपक्ष के रूप में आम जनता की आवाज उठनी चाहिए, वह कांग्रेस मजबूती से उठा रही है।
- **भाजपा के भीतर से आपको चुनौती ज्यादा मिलती है या कांग्रेस के भीतर ही चुनौती मिलती है। जितनी चर्चा साय सरकार के हिलने की नहीं होती, उससे ज्यादा चर्चा तो दीपक बैज के हिलने की हो जाती है।**
- देखिए राजनीति में यह चलता रहता है। भारतीय जनता पार्टी तो दो मंत्री भी अभी तक नहीं बना पाई। कौन कौन हटने वाले हैं, इसे लेकर भी चर्चा होती रहती है। ये राजनीति में बड़ी सामान्य सी बात है। अगर मुझे जिम्मेदारी मिली है, तो मैंने ईमानदारी से उसे निभाने का प्रयास किया है। सफलता, असफलता, ▶▶| शेष पेज 5 पर

यूपी में बड़ा हादसा

दीवार से टकराई एसयूवी दूल्हे समेत आठ की मौत

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में एक 'एसयूवी' कार के एक स्कूल की दीवार से टकरने की दुर्घटना में दूल्हे समेत आठ लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये और उनका उपचार अलीगढ़ के एक अस्पताल में जारी है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि मृतकों की पहचान दूल्हे सूरज (24), उसकी भाभी आशा (26), आशा की ▶▶| शेष पेज 5 पर

सीएम ने लिया संज्ञान दिए निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल जिले में सड़क दुर्घटना पर संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने जिला अधिकारियों को घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने और उनका उचित इलाज कराने के निर्देश दिए हैं। योगी ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

20 साल बाद एक मंच पर ठाकरे ब्रदर्स भरी हुंकार, कहा- हां हम गुंडे हैं...

एजेंसी ▶▶| मुंबई

महाराष्ट्र की सियासत में शनिवार का दिन बेहद खास रहा। लंबे समय से जिस तस्वीर को लेकर कयासबाजी चल रही थी वो आज देखने को मिली जब उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एकसाथ एक मंच पर दिखे, वो भी परिवार के साथ। दोनों नेताओं की ओर से संयुक्त रूप से मराठी विजय रैली आयोजित की गई। इस दौरान राज ठाकरे ने सबसे पहले संबोधित किया और कहा कि जो बाला साहेब ठाकरे या कोई और नहीं कर पाया, उसे देवेंद्र फडणवीस ने कर दिखाया और हमें एक कर दिया। ▶▶| शेष पेज 5 पर

- भरी हुंकार, कहा-सबको उखाड़ फेंकने के लिए हम साथ आए

तीन भाषा का फॉर्मूला केंद्र से आया

राज ठाकरे ने कहा कि ये तीन भाषा का फॉर्मूला कहां से आया, ये सिर्फ केंद्र सरकार से आया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में आज सब कुछ अंग्रेजी में है। किसी और राज्य में ऐसा नहीं है। सिर्फ महाराष्ट्र में ही ऐसा क्यों? जब महाराष्ट्र जागता है, तो दुनिया देखती है। अगर आप किसी को पीटते हैं, तो वीडियो न बनाएं। चाहे गुजराती हो या कोई और, उसे मराठी आनी चाहिए, लेकिन अगर कोई मराठी नहीं बोलता तो उसे पीटने की जरूरत नहीं है। कोई बेकार का ड्रामा करता है तो आपको उसके कान के नीचे मारना चाहिए। अगर आप किसी को पीटते हैं, तो घटना का वीडियो न बनाएं।

मराठी आदमी न्याय मांग रहा

उद्धव ठाकरे ने कहा कि अगर महाराष्ट्र में मराठी आदमी न्याय मांग रहा है और आप उसे गुंडा कह रहे हैं, तो हां, हम गुंडे हैं। देवेंद्र फडणवीस का यह बयान मुझे सखा पाटिल की याद दिलाता है, जब कांग्रेस सत्ता में थी। ठाकरे ने कहा कि अब वे पूछ रहे हैं कि क्या हम मराठी नहीं हैं? अब हमें यह साबित करने के लिए रक्त परीक्षण करवाना होगा कि हम मराठी हैं?

व्यवसायी गोपाल खेमका को बाइक सवार हमलावर ने मारी गोली

सात साल पहले बेटे, अब कारोबारी की हत्या

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार के जाने-माने व्यवसायी गोपाल खेमका की पटना में उनके आवास के निकट मोटरसाइकिल सवार हमलावर ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार रात करीब 11 बजकर 40 मिनट पर गांधी मैदान इलाके में हुई।

पुलिस अधीक्षक (पटना सेंट्रल) दीक्षा ने संवाददाताओं से कहा, स्थानीय थाने के अधिकारी व गश्ती वाहनों में सवार पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक विशेषज्ञ साक्ष्य एकत्र कर रहे हैं। जांच जारी है। उन्होंने कहा, सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि खेमका को मोटरसाइकिल सवार एक अज्ञात हमलावर ने गोली ▶▶| शेष पेज 5 पर

मां का गुस्सा फूट पड़ा

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा भी परिवार से मिलने पहुंचे। इस दौरान उन पर खेमका की मां का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने कहा, 'मेरा बेटा भी बीजेपी में था। मुझे इंसाफ चाहिए। वहीं, तेजस्वी यादव भी परिवार से मिलने पहुंचे।

2018 में की गई थी खेमका के बेटे की हत्या

साल 2018 में गोपाल खेमका के बेटे गुंजन खेमका की हाजीपुर इंडस्ट्रियल एरिया में हत्या कर दी गई थी। गुंजन के ऊपर बाइक सवार अपराधी ने ही गोली चलाई थी। बताया गया था कि गुंजन अपनी कार से पटना से हाजीपुर इंडस्ट्रियल एरिया में अपनी फैक्ट्री पहुंचे थे। अपराधियों ने इस दौरान गोलियों की बौछार कर दी थी। इस वारदात में एक गोली ▶▶| शेष पेज 5 पर

अमेरिका में मचा हाहाकार

बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है रेस्क्यू अभियान

टेक्सास में भारी बारिश से बाढ़, 24 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका के दक्षिण मध्य क्षेत्र में स्थित टेक्सास राज्य में भारी बारिश की वजह से आई बाढ़ ने हाहाकार मचा दिया है। अब तक इस प्राकृतिक आपदा से 24 लोगों की मौत हो गई और कई अब भी लापता हैं। इनमें से 20 से ज्यादा लड़कियां हैं, जो उस क्षेत्र में एक समर कैंप में भाग लेने गई थीं।

बड़े स्तर पर लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें नाव से लेकर हेलिकॉप्टर तक की मदद ली जा रही है।

कहां आई बाढ़?

गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक केर काउंटी में क़रीब 10 इंच बारिश दर्ज की गई। जिसकी वजह से ग्वाडालूप नदी में तेज़ बहाव आ गया और आस-पास के इलाकों में पानी भर गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान देर शाम शुक्रवार को केर काउंटी के शेरिफ लैरी लीथा ने बताया कि रेस्क्यू अभियान के दौरान 237 लोगों को अब तक बचाया जा सका है। इनमें से 167 को हेलिकॉप्टर के ज़रिए बचाया गया। वहीं 24 लोगों की मौत हो गई है। राहत कार्य तेजी से जारी है। हालांकि, मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

परिवार सोशल मीडिया पर कर रहे अपील

बाढ़ में फंसे लोगों के परिवार सोशल मीडिया पर प्रशासन से राहत कार्य में तेजी लाने का अपील कर रहे हैं। साथ ही जानकारी साझा करने की गुहार लगा रहे हैं।

अमरनाथ यात्रियों से भरी बसों की टक्कर, 36 घायल

ब्रेक फेल होने से रामबन में हादसा

पहलगाम बेस कैंप की ओर जा रही थीं, गाड़ियां

एजेंसी ▶▶| रामबन

जम्मू-कश्मीर के रामबन में अमरनाथ यात्रा के दौरान बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यात्रा में शामिल पांच बसें आपस में टकरा गईं। इस दुर्घटना में क़रीब 36 यात्री घायल हुए हैं, जिन्हें हल्की चोटें आईं। कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ है। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार सुबह 8 बजे के क़रीब चंदरकोट इलाके में दुर्घटना हुई। सभी बसें जम्मू के भगवती नगर से पहलगाम बेस कैंप की ओर जा रही थीं। इस दौरान दुर्घटना हुई। अधिकारियों के अनुसार, एक बस का ब्रेक फेल हो गया था जिसके बाद वह अनियंत्रित होकर आगे खड़ी अन्य बसों से जाकर ठकरा गई। ग़नीमत रही कि ज्यादा बड़ा हादसा नहीं हुआ। रामबन के उपायुक्त मोहम्मद इलियास खान ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि अमरनाथ यात्रा में जा रहे काफिले में शामिल अंतिम वाहन ने अपना नियंत्रण खो दिया और चंदरकोट लंगर साइट पर खड़े चार अन्य वाहनों से टकरा गई। इस टक्कर में 36 यात्री घायल हो गए।

यात्रा फिर से शुरू

उपायुक्त मोहम्मद इलियास खान ने बताया कि घायल यात्रियों को दूसरे बसों में शिफ्ट करके यात्रा को दोबारा शुरू कर दिया गया। साथ ही दुर्घटना की वजह से जिन बसों को नुकसान पहुंचा था, उन्हें बदल दिया गया। शनिवार को छठा जत्था अमरनाथ के लिए रवाना हुए थे। भगवती नगर से कुल 6,979 श्रद्धालु रवाना हुए थे। जिनमें 5196 पुरुष, 1427 महिला, 24 बच्चें, 331 साधु-साध्वी और एक ट्रांसजेंडर शामिल थे।

तत्काल राहत और उपचार

घटना की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर प्रशासनिक और मेडिकल टीमें पहुंच गईं, जिसके बाद घायलों को निकटतम रामबन जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहां घायलों को प्राथमिक उपचार देकर छुट्टी कर दी गई। रामबन मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. सुधर्शन सिंह कटोच ने बताया कि जो भी घायल लोग अस्पताल में आए थे, उन्हें मामूली चोट आईं थी। कोई भी गंभीर रूप से घायल शख्स नहीं था। इसलिए इलाज के बाद तुरंत ही सभी को घर जाने की अनुमति दे दी गई।

खबर संक्षेप

कन्नड़ विवाद : कमल हासन के बोलने पर रोक

बेंगलुरू। बेंगलुरु की एक सिविल कोर्ट ने एक्टर कमल हासन को कन्नड़ भाषा और संस्कृति के खिलाफ कोई भी टिप्पणी करने से रोक दिया है। कन्नड़ साहित्य परिषद ने कोर्ट में एक्टर के खिलाफ याचिका दायर की थी। शुक्रवार को दिए गए आदेश में अदालत ने कहा कि अगली सुनवाई तक कमल हासन कोई भी ऐसा बयान न दें जो कन्नड़ भाषा, साहित्य, संस्कृति या भूमि को आहत करे या बदनाम करे। मामले की अगली सुनवाई 30 अगस्त को होगी।

पश्चिमी सिंहभूम के जंगलों में मिले 30 आईईडी

रांची। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में सुरक्षा बलों ने एक बार फिर नक्सलियों की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। शुक्रवार को टोकलो थाना क्षेत्र के जंगलों में चलाए गए संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान 30 आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइसेज) बरामद किए गए हैं। ये सभी विस्फोटक दो-दो किलोग्राम वजनी थे और इन्हें मौके पर ही बम निरोधक दस्ते ने सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया।

राजस्थान में फिर मॉब लिंचिंग, युवक को मारा

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा में एक मामूली विवाद ने शुक्रवार शाम हिंसा का रूप ले लिया। इसकी चपेट में आकर एक युवक की जान चली गई। जहाजपुर कस्बे के मुख्य बाजार में हुई इस घटना ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल, टोंक जिले का रहने वाला सीताराम अपने तीन दोस्तों सिकंदर, दिलखुश और दीपक के साथ एक पारिवारिक समारोह में हिस्सा लेने के लिए जहाजपुर आया था। शुक्रवार की शाम चारों दोस्त जब मुख्य बाजार से गुजर रहे थे, तभी उनकी कार गलती से एक ठेले से टकरा गई।

किस देश पर कितना टैरिफ? कल खुलेगा यह राज... ट्रंप ने 12 देशों को लिखा लेटर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 12 देशों को पत्र लिख दिया है, जिसमें ऐसा जिक्र है कि उनपर कितना टैरिफ लग रहा है। चाहे किसी देश को स्वीकार हो या अस्वीकार हो... अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि टैरिफ को लेकर यह लेटर सोमवार को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि ये प्रस्ताव नॉन नेगोशिएबल होंगे, इस स्वीकार भी कर सकते हैं और अस्वीकार भी।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ये प्रस्ताव नॉन नेगोशिएबल होंगे

अप्रैल में 200 से ज्यादा देशों पर टैरिफ का ऐलान किया था ट्रंप ने

न्यूजर्सी के रास्ते में एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रंप ने पत्र प्राप्त करने वाले देशों की पहचान करने से इनकार कर दिया, उन्होंने कहा कि उनके नाम सोमवार को बताए जाएंगे। उन्होंने कहा, 'मैंने कुछ पत्रों पर हस्ताक्षर किए हैं और वे सोमवार को जारी किए जाएंगे, संभवतः बारह बजे। इनपर अलग-अलग अमाउंट, अलग-अलग टैरिफ लगाए गए हैं।

अमेरिका में छुट्टी के कारण टली ट्रंप की योजना

रॉयटर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि जब ट्रंप ने संकेत दिया था कि पत्रों का पहला बैच शुक्रवार को भेजा जाएगा, लेकिन अमेरिका में राष्ट्रीय अवकाश के कारण इसे टाल दिया गया और अब इसे सोमवार को भेजा जाएगा।

अप्रैल में किया था टैरिफ का ऐलान

गौरतलब है कि अप्रैल की शुरुआत में ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 200 से ज्यादा देशों पर टैरिफ का ऐलान किया था। लेकिन बाद में इसे 90 दिनों के लिए रोक दिया और 10 फीसदी बेस टैरिफ लागू कर दिया। अब इसकी डेडलाइन 9 जुलाई को समाप्त हो रही है। इस डेडलाइन से पहले बहुत से देशों के साथ अमेरिका ट्रेड डील करने जा रहा है, जबकि अभी भी बहुत से देशों के साथ डील पूरी नहीं हो पाई है।

और अधिक हो सकता है टैरिफ

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने शुक्रवार को सुझाव दिया कि टैरिफ और भी ज्यादा हो सकते हैं। यह टैरिफ संभवतः कुछ देशों के लिए 70% तक पहुंच सकते हैं और अधिकांश नई दरें 1 अगस्त से लागू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अभी पत्र भेजना बेहतर और आसान है। इसके बाद कुछ देशों के साथ रुकी हुई व्यापार वार्ता भी शुरू हो सकती है।

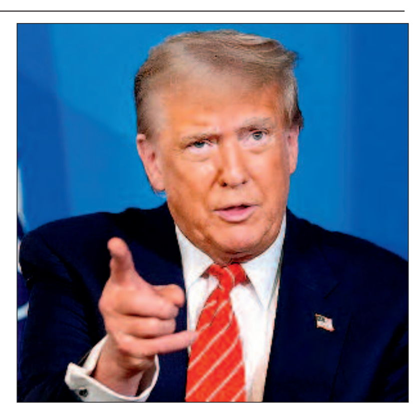

भारत अमेरिका के बीच वार्ता रुकी!

दूसरी ओर, अमेरिका गई भारतीय टीम वापस आ गई है। अधिकारी ने बताया कि ऑटो और एग्रीकल्चर को लेकर अभी मामला फंसा हुआ है। हालांकि ऐसा कहा जा रहा है कि दोनों देश एक मिनी डील पर पहुंच सकते हैं। कुछ सेक्टर्स को छोड़कर बाकी सेक्टर्स पर टैरिफ को लेकर डील पूरी हो सकती है।

ट्रंप के सामने 'नतमस्तक हो जाएंगे पीएम मोदी : राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने 'नतमस्तक हो जाएंगे'। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल जितनी छाती पीट लें, मोदी ट्रंप के टैरिफ के आगे झुक जाएंगे। यह बात उन्होंने भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता को लेकर कही है। राहुल का यह बयान गोयल के उस बयान पर आया है, जिसमें उन्होंने कहा था, 'हम किसी तय समय सीमा पर काम नहीं कर रहे हैं। हम राष्ट्रीय हित में काम कर रहे हैं। डेडलाइन से ऊपर राष्ट्रहित है।' ट्रंप ने व्यापार समझौतों के लिए 9 जुलाई की समय सीमा तय की है।

गोयल का पलटवार : भारत अब भीख नहीं मांगता

इधर, पीयूष गोयल ने राहुल के बयान पर फिर पलटवार किया। गोयल ने कहा कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है। यूपीए सरकार की तरह बिना राष्ट्रीय हित के भीख नहीं मांगता था। ये नया भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ है।

श्रीलंका ने कहा- यह विवाद भारतीय राजनीतिक पार्टियों का

'अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत, कच्चातीवू हमारा है और हमारा ही रहेगा'

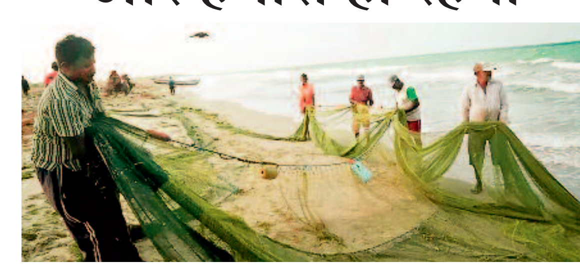

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

श्रीलंका ने कच्चातीवू द्वीप पर हक छोड़ने से इंकार करते हुए पूरे विवाद को भारत की सत्ताधारी बीजेपी और विपक्षी कांग्रेस के बीच की राजनीतिक खींचतान बताया।

श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने साफ कहा है कि उनका देश कच्चातीवू द्वीप को छोड़ने वाला नहीं है। उन्होंने भारत में इस मुद्दे को लेकर चल रही बहस को 'राजनीतिक अफवाह' बताते हुए कहा कि यह भारत के अंदर राजनीतिक दलों का आपसी मामला है। श्रीलंका इस पर कोई फैसला नहीं बदलेगा। हेराथ ने यह बात एक टीवी चैनल से बातचीत में कही। उन्होंने कहा, 'भारत के साथ हमारे राजनयिक रास्ते खुले हैं और बातचीत हो सकती है, लेकिन कच्चातीवू पर हमारा रुख साफ है – श्रीलंका इसे नहीं छोड़ेगा। ये द्वीप अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत श्रीलंका का है।'

भारत के मछुआरों पर अतिक्रमण का आरोप

यह बयान ऐसे वक्त आया है जब भारतीय मछुआरों की श्रीलंकाई जल क्षेत्र में गिरफ्तारी को लेकर लगातार विवाद हो रहा है। हेराथ ने कहा कि भारतीय मछुआरे अकसर श्रीलंका की समुद्री सीमा में घुसकर वहां के समुद्री संसाधनों को नुकसान पहुंचाते हैं, जिसमें मछलियों के साथ-साथ समुद्री पौधे भी शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत सरकार भी लगातार इस तरह की घुसपैठ का समर्थन नहीं करती। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में कहा था कि यह विवाद 1975 में आपातकाल के दौरान हुए उस समझौते से शुरू हुआ था, जब भारत ने अपने मछुआरों के कुछ समुद्री अधिकार श्रीलंका को सौंप दिए थे। 1974 और 1976 के बीच हुए दो समझौतों के तहत भारत ने कच्चातीवू द्वीप को श्रीलंका को सौंपा था और दोनों देशों के मछुआरों के लिए एक-दूसरे के विशेष समुद्री इलाकों में मछली पकड़ना प्रतिबंधित कर दिया गया था।

भाजपा संग गठबंधन में एआईडीएमके ही बड़ा भाई

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

■ पलानी स्वामी ने दो टूक कहा

एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी (ईपीएस) ने शनिवार को स्पष्ट किया कि द्रविड़ पार्टी भाजपा के साथ अपने गठबंधन में बड़ा भाई है, जबकि विजय की तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के साथ हाथ मिलाने के लिए दरवाजा खुला रखा है। पलानीस्वामी ने कहा कि एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन बन गया है। इस गठबंधन का नेतृत्व एआईएडीएमके करेगी और सरकार एआईएडीएमके बनाएगी। अन्नाद्रमुक सुप्रीमो का यह बयान पार्टी के भीतर इस भावना के बीच आया है कि भाजपा, जो तमिलनाडु में पैर जमाने का लक्ष्य बना रही है।

इससे पहले भी पलानीस्वामी ने इन आरोपों को खारिज किया था कि भाजपा गठबंधन में एआईएडीएमके पर हावी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि कोई भी पार्टी, चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, इस पर हावी नहीं हो सकती। एआईएडीएमके ने तमिलनाडु पर 30 साल से अधिक समय तक शासन किया है।

भारत-अर्जेंटीना खनिज व्यापार में सहयोग बढ़ाएंगे

एजेंसी ▶▶| ब्यूनस आयर्स

■ पीएम मोदी और राष्ट्रपति माइली में चर्चा

भारत और अर्जेंटीना खनिज, व्यापार एवं निवेश और उर्जा समेत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान इन क्षेत्रों के साथ अन्य कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर व्यापक चर्चा हुई। पीएम मोदी पांच देशों की अपनी यात्रा के तीसरे चरण में दो दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार की रात ब्यूनस आयर्स पहुंचे थे। शनिवार को उनकी राष्ट्रपति माइली के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय वार्ता हुई। माना जा रहा है कि यह बातचीत मुख्य रूप से व्यापार, निवेश, ऊर्जा, कृषि और महत्वपूर्ण खनिजों सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अर्जेंटीना संबंधों को विस्तारित करने पर केंद्रित रही। फरवरी, 2019 में अर्जेंटीना के तत्कालीन राष्ट्रपति मौरिसियो मैक्री की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच संबंध रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ गए थे।

'उम्मीद है कि मैं अभी 30-40 साल और जिंदा रहूंगा'

एजेंसी ▶▶| मैक्लोडगंज (धर्मशाला)

तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने कहा है कि बहुत सारी भविष्यवाणियों को देखते हुए मुझे लगता है कि मुझ पर अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद है। मैंने अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। मुझे उम्मीद है कि मैं अभी 30-40 साल और जीवित रहूंगा। आपकी प्रार्थनाएं अब तक फलदायी रही हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि हमने अपना देश खो दिया है और हम भारत में निर्वासन में रह रहे हैं, लेकिन यहीं मैं लोगों को काफी लाभ पहुंचाने में सक्षम रहा हूं। जो यहां धर्मशाला में रह रहे हैं।

फेसबुक ने हटाई थी नसीर की दोसांझ वाली पोस्ट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

एक्टर का दावा- मैंने नहीं किया था डिलीट

एक्टर नसीरुद्दीन शाह ने हाल ही में 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमीर की कास्टिंग को लेकर दिलजीत दोसांझ का सपोर्ट किया था, क्योंकि हर कोई उनकी आलोचना कर रहा था। और बाद में उस फेसुबक पोस्ट को गायब देखा गया। तब तक वो वायरल हो गया था और अशोक पंडित ने काफी कुछ कहा कहा था और अब नसीरुद्दीन शाह ने उस पर रिएक्ट किया है। और बताया कि वह अभी भी दिलजीत के साथ खड़े हैं, जो बात कही थी उस पर कायम हैं। शाह ने अब इस पर कहा कि उन्होंने उस पोस्ट को डिलीट नहीं किया था, फेसबुक ने हटा दिया था। वह आज भी दिलजीत दोसांझ के सपोर्ट में खड़े हैं। बता दें कि नसीरुद्दीन शाह ने 30 जून को फेसबुक पर पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने दिलजीत दोसांझ के प्रति अपना समर्थन जाहिर किया था। उन्होंने रूलिंग पार्टी पर भी कटाक्ष किया था। साथ ही हानिया आमिर की कास्टिंग पर कहा था कि दिलजीत फिल्म की कास्टिंग के लिए जिम्मेदार नहीं थे। डायरेक्टर ने उन्हें मूवी में लिया था, जिनके बारे में कोई जानता ही नहीं कि वह कौन हैं। अब एक्टर को सब जानते हैं तो हरकोई उन पर चढ़ रहा है।

बढ़ते टूरिज्म से भड़के लोग, देशभर में प्रदर्शन

'टूरिस्ट मेक्सिको से बाहर जाओ' 'हमारे घर-शांति चुराना बंद करो'

एजेंसी ▶▶| मेक्सिको

मेक्सिको सिटी एक रंगीन और ऐतिहासिक शहर के रूप में जाना जाता है। यह शहर जो कि अपनी संस्कृति, खान-पान और मेहमाननवाजी के लिए मशहूर है, आजकल एक अलग ही वजह से सुर्खियों में है।

मेक्सिको की राजधानी मेक्सिको सिटी में तो अत्यधिक पर्यटन के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन हिंसक हो गए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने दुकानों में तोड़फोड़ की और कई विदेशी पर्यटकों को भी प्रताड़ित किया। मेक्सिको सिटी में शुक्रवार को अत्यधिक पर्यटन के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे, जो देर शाम तक हिंसक हो गए।

स्थानीय लोगों की बढ़ रही परेशानी

दरअसल कोरोना महामारी के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने घरों से ही ऑफिस का काम किया और इस दौरान अमेरिकी लोग मेक्सिकी सिटी या यूरोप के शहरों में रहकर ऑफिस का काम करते रहे। बड़ी संख्या में लोग अभी भी मेक्सिकी सिटी में रहकर काम कर रहे हैं। इससे शहर में घरों की कीमत कई गुना बढ़ गई है और महंगाई भी बढ़ी है। शहर के होटल-रेस्तरां में भी अक्सर भीड़ दिखती है। इससे स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है। यही वजह है कि अब मेक्सिको सिटी के लोग अत्यधिक पर्यटन का विरोध कर रहे हैं।

Government of Jharkhand

Urban Development And Housing Department

Dhanbad Municipal Corporation, Dhanbad

e-Procurement Short Tender Notice No. DMC/16/2025-26

Reference No. : DMC/16/2025-26 Date : 05.07.2025

क्रम सं0	Group No.	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति का अवधि
1	DMC/16/2025-26/01	Supply, Installation, Testing and Commissioning of LED Street Lights (Atal chowk to DAV Public School and Sindri circle office area : 7400 meter aapx.) under DMC, Dhanbad.	2,27,02,885.00	2 % of BOQ	10000.00	120 दिन
2	DMC/16/2025-26/02	Supply, Installation, Testing and Commissioning of LED Street Lights (Ambedkar chowk - Pakodi more - Hurl Gust -7 lack talab-sindri station-checkpost and F type & D Type Quater colony, Ambedekar chowk to SBI ATM via HURL gate: 7300 meter appx.) under DMC, Dhanbad.	2,23,97,623.00	2 % of BOQ	10000.00	120 दिन
3	DMC/16/2025-26/03	Supply, Installation, Testing and Commissioning of LED Street Lights (Check post to main road, domgarh, domgarh to sindri samsan ghat, sindri basti : 5000 meter appx.) under DMC, Dhanbad.	1,53,38,764.00	2 % of BOQ	10000.00	105 दिन
4	DMC/16/2025-26/04	Supply, Installation, Testing and Commissioning of LED Street Lights (DAV School to JIO Petrol Pump, Main Road, Veer kuwar singh chowk to Jai mata di mandir via saharpura market Gurudwara Area: 7500 meter appx.) under DMC, Dhanbad.	2,30,08,146.00	2 % of BOQ	10000.00	120 दिन
5	DMC/16/2025-26/05	Supply, Installation, Testing and Commissioning of LED Street Lights (Gurudwara to K129 and nearest colony , SL2 water Tower : 2800 meter appx.) under DMC, Dhanbad.	86,27,230.00	2 % of BOQ	10000.00	90 दिन
6	DMC/16/2025-26/06	Supply, Installation, Testing and Commissioning of High Mast Light : 15 nos. under DMC, Dhanbad	93,11,361.00	2 % of BOQ	10000.00	90 दिन
7	DMC/16/2025-26/07	Supply, Installation, Testing and Commissioning of additional 4 x 63 KVA Dist. Transformer with extension of HT line for electric Connection for Street Light and High Mast Light 4 nos. under DMC, Dhanbad	14,93,476.00	2 % of BOQ	5000.00	90 दिन

Date of Publication of Tender on website :- From 09.07.2025 At 03.00 PM
Date of Pre-Bid meeting time and Place :- 15.07.2025 at 03:00 PM Dhanbad Municipal Corporation, Dhanbad
Online Last Date / Time for receiving of bids :- 24.07.2025 (Online) till 03:00 PM
Date of Bid Opening :- From 25.07.2025 at 03:00 PM (Online)
NOTE:- (i) Only e-Tenders will be accepted. Further details can be seen on website http://www.jharkhandtenders.gov.in.
(ii) Contractor should be registered in appropriate class as per NIT
(iii) Estimated Cost / Quantity May Vary
(iv) Municipal Commissioner, Dhanbad reserves the right to reject any or all the tender(s) received without assigning any reasons thereof.

S/d-
Executive Engineer,
Dhanbad Municipal Corporation, Dhanbad

PR 356621 Urban Development and Housing (25-26)_D

रायपुर, रविवार, 6 जुलाई 2025 | आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी | वर्ष: 23, अंक: 349 | पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य: 5.00 | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

मैनपाट में रविवार से प्रदेश की पूरी सरकार का आना शुरू हो जाएगा। इसके लिए सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई है। थोड़े बहुत काम शेष हैं जो अपने अंतिम चरण में हैं। ऐसे में सुरक्षा को लेकर एक गंभीर समस्या सामने आ रही है और वह है मैनपाट में जंगली हाथियों की मौजूदगी। हालांकि वन विभाग इस मामले में पूरी तरह से आश्वस्त है कि जंगल में मौजूद इन जंगली हाथियों से व्हीआईपी लोगों की सुरक्षा में कोई खतरा नहीं है।

दल से बिछड़ कर अकेला घूम रहा आक्रामक दंतैल

14 हाथियों के दल का मैनपाट में डेरा माननीयों की सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

अलग खबर

6 से 10 जुलाई तक मैनपाट में प्रदेश की पूरी सरकार मौजूद रहेगी। साथ ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर केंद्रीय गृह मंत्री सहित भाजपा संगठन का राष्ट्रीय नेतृत्व मौजूद रहेगा। मैनपाट आने वाले इन तीन चार दिनों के लिए सुरक्षा घेरे में कैद रहने वाला है किन्तु एक असंभावित खतरा ▶▶|शेष पेज 5 पर

लगातार कर रहे मॉनिटरिंग

मैनपाट के रेंज आफिसर फेंकू चौबे ने बताया कि हम लोग हाथियों के दल पर पूरी नजर बनाए बैठे हैं। वन प्रबंधन समिति, मित्र दल, उड़नदस्ता एवं सभी हाथी प्रबंधन दलों को लगा दिया गया गया है। 3-4 गाड़ियों में हूटर एवं सर्च लाईट के माध्यम से हाथियों के दल को नियंत्रण में रखा जा रहा है। हर संभव कोशिश है कि हाथियों का दल शिविर स्थल की ओर ना बढ़े।

लगातार मूवमेंट कर रहा हाथियों का दल

मैनपाट में रहने वाले जानकार बताते हैं कि चौदह हाथियों का दल अलग अलग विचरण कर रहा है। इसके साथ दो हाथियों का दल अलग घूम रहा है। बड़ा खतरा सिंगल हाथी से है जो मौजूदा समय में मस्ती में है और अग्रेसिव होकर इधर उधर कहीं भी घूम रहा है।

नड्डा विशेष विमान से अंबिकापुर पहुंचेंगे

कल करेंगे मैनपाट में सांसद, विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मैनपाट में 7 से 9 जुलाई को होने वाले प्रदेश के भाजपा विधायक और सांसदों के प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन करने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा विशेष विमान से सात जुलाई को अंबिकापुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे।

यहां से वे हेलीकॉप्टर द्वारा मैनपाट जाएंगे। प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने वाले प्रदेश से ज्यादातर मंत्री, विधायक और सांसद रविवार की रात तक पहुंच जाएंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 7 जुलाई को मैनपाट पहुंचेंगे। समापन में ▶▶|शेष पेज 5 पर

इन नेताओं के होंगे सत्र

तीन दिनों के प्रशिक्षण वर्ग के लिए एक दर्जन यानी 12 सत्र तय किए गए हैं। हर सत्र के लिए अलग-अलग वक्ता होंगे। पहले दिन उद्घाटन सत्र में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा रहेंगे। इसके बाद के सत्रों के लिए वक्ता एक दिन पहले तय होंगे। दूसरे दिन के सत्र में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष रहेंगे। अन्य सत्रों के लिए भी वक्ता अब तक तय है। रविवार तक सभी सत्रों के वक्ता तय हो जाएंगे। लेकिन यह तय है कि वक्ता के रूप में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े, बी. सतीश, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश आएंगे। इसी के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह का भी एक-एक सत्र होगा। भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन का भी एख सत्र संभव है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पांच बाघों की मौत दो अफसर सस्पेंड

बेंगलुरु। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांडरे ने माले महादेश्वर पहाड़ियों में पांच बाघों की 'अप्राकृतिक मौत' के संबंध में

लापरवाही और कर्तव्य निर्वहन में चूक के लिए दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। मंत्री ने उप वन संरक्षक वाई चक्रपाणि को निलंबित करने की भी सिफारिश की है।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, पिता-पुत्र की मौत

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में मेरठ-करनाल राजमार्ग पर तेज रफ्तार एक ट्रक ने

बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में 40 वर्षीय एक व्यक्ति और उसके बेटे की मौत हो गई। वेदखेड़ी मोड़ के निकट यह दुर्घटना हुई और मृतकों की पहचान कौसर (40) व फरमान (छह) के रूप में हुई है।

43 किलोग्राम अफ़ीम जब्त, तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के कार्बी आंगलोंग जिले से तीन संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार

किया गया। उनके पास से 2.5 करोड़ रुपये मूल्य की अफ़ीम जब्त की गई है। यह गिरफ्तारी एक वाहन को रोक कर तलाशी लिए जाने के बाद की गई। नियमित जांच के दौरान वाहन से 2.5 करोड़ की 43.5 किलो अफ़ीम बरामद की गई।

दवा संयंत्र विस्फोट, अब तक 40 की मौत

हैदराबाद। तेलंगना के संगारेड्डी जिले में अस्पताल में उपचाराधीन एक घायल की मौत हो गई।

'सिगाची इंडस्ट्रीज' के दवा विनिर्माण संयंत्र में विस्फोट की घटना में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 40 हो गई। उत्तर प्रदेश निवासी व्यक्ति 30 जून को हुए विस्फोट में झुलस गया था।

अभिनेता जूलियन मैकमोहन का निधन

लॉस एंजिलिस। 'फैंटास्टिक फोर' फिल्म में प्रसिद्ध मार्वल

सुपरविलेन डॉ. डूम का किरदार निभाने वाले ऑस्ट्रेलियाई अभिनेता जूलियन मैकमोहन का कैंसर के कारण निधन हो गया। वह 56 वर्ष के थे। उनकी पत्नी केली मैकमोहन ने बताया कि उनका निधन क्लियरवॉटर में हुआ।

आंबेडकर अस्पताल में डॉग बाइट का शिकार होकर पहुंचे 337 लोग

सांप से भी खतरनाक कुत्ते...महीनेभर में 558 से ज्यादा लोगों को काटा, शहरों में बड़ी समस्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर, बिलासपुर

बारिश के मौसम में इस बार सर्पदंश से ज्यादा डॉग बाइट की घटनाएं हो रही है। राजधानी रायपुर और बिलासपुर में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ गया है और जून के महीने उनके हमले का शिकार होकर एंटी रैबीज वैक्सीन लगवाने 558 से ज्यादा लोग अस्पतालों तक पहुंचे हैं। आंकड़े चौंकाने वाले हो सकते है कि जून के महीने में केवल आंबेडकर अस्पताल में कुत्ता काटने की वजह से इलाज के लिए 337 लोग पहुंचे हैं और सर्पदंश के शिकार होने वालों की संख्या महज 41 है। बिलासपुर सिम्स में डॉग बाइट के शिकार होकर वैक्सीन लगाने आने वालों की संख्या 221 है। इसके अलावा जिला अस्पताल और अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी डॉग बाइट का शिकार होने वाले इलाज के लिए आ रहे हैं।

खास खबर

आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा नगर-निगम स्तर पर एनिमल बर्थ कंट्रोल अभियान चला रहा है जो केवल औपचारिकता साबित हुआ है। इससे ना तो कुत्तों की संख्या में कमी होती नजर आ रही है और ना डॉग बाइट का शिकार होने वालों की संख्या कम हो रही है। रायपुर नगर-निगम के अमले द्वारा शिकायतों के आधार पर प्रतिदिन औसतन दस कुत्तों का रेस्क्यू कर उनकी नसबंदी कर उन्हें वापस लाकर उन्ही इलाकों में छोड़ा जाता है। यह अभियान भी महज औपचारिक हो जाता है क्योंकि नसबंदी से कुत्तों की संख्या कम होने की संभावना बनती है मगर क्षेत्र में उनके हमले का डर हमेशा बना रहता है। बारिश का मौसम आते ही एक बार फिर राजधानी रायपुर समेत बिलासपुर में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ गया है। ▶▶|शेष पेज 5 पर

ब्रीडिंग के मौसम में एग्रेसिव

पशु चिकित्सक डॉ. एसके दीवान ने बताया कि बारिश के प्रारंभ में ब्रीडिंग सीजन होने की वजह से कुत्ता काटने की घटनाएं अधिक होने का खतरा बना रहता है। बारिश के प्रारंभ होने के शुरुआती समय में कुत्ते अधिक आक्रमक होते हैं, जिसकी वजह से थोड़ा सा भी खतरे का आभास को देखते हुए हमला कर देते हैं।

गंभीरता से लेने की आवश्यकता

आंबेडकर अस्पताल के सीएमओ डॉ. विनय वर्मा के मुताबिक रैबीज से होने वाले दुष्प्रभाव को सही समय पर इलाज से रोका जा सकता है। लोग डॉगबाइट की घटनाओं पर गंभीरता नहीं दिखाते जो जानलेवा साबित होता है। किसी भी जानवर के काटने पर डब्लूएचओ द्वारा खरोंच अथवा काटने की वजह से निकले खून या होने वाले घाव पर रैबीज वैक्सीन का पूरी डोज लगवाना चाहिए।

बिलासपुर के सिम्स में 221 लोगों ने लगवाया एंटी रैबीज वैक्सीन

एंटी रैबीज का स्टॉक, हेल्थ सेंटरों में सप्लाई भी

सीजीएमएससी द्वारा बारिश के महीने में होने वाली डॉग और स्नैक बाइट की घटनाओं को देखते हुए एंटी रैबीज और एंटी वैनम वैक्सीन की पर्याप्त संख्या में व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने बताया कि वेयर हाउस में करीब 66 हजार एंटी रैबीज का स्टॉक है और 58 हजार से ज्यादा वैक्सीन विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में भेजा गया है। इसी तरह एंटी वैनम का एक लाख के करीब वैक्सीन और दवाओं का स्टॉक रखा गया है साथ करीब 60 हजार वैक्सीन की सप्लाई की जा चुकी है।

युवा खिलाड़ी की हो चुकी है मौत

पिछले दिनों यूपी के बुलंद शहर में कबड्डी के युवा खिलाड़ी ब्रजेश सोलंकी की कुत्ता काटने की वजह से मौत हो गई थी। मौत का एक वीडियो सोशल मीडिया में भी वायरल हुआ था जिसमें युवा खिलाड़ी तड़प रहा है। ब्रजेश ने कुछ माह पहले नाली में गिरे कुत्ते के छोटे बच्चे को निकाल रहा था इसी दौरान उसने काट लिया था। घटना को कबड्डी खिलाड़ी ने नजर अंदाज कर दिया था जिससे उसे रैबीज हो गया और कुछ महीनों बाद उसके तड़प-तड़पकर जान चली गई। चिकित्सकों का कहना है कि इस तरह की घटना होने पर वैक्सीन जरूर लगवा लेना चाहिए।

कार की बोनट पर मनाया था जन्मदिन

डीएसपी की नीली बत्ती गाड़ी पर स्टंट, हाईकोर्ट ने सीएस से मांगा जवाब

नीली बत्ती वाले वाहन के बोनट पर बैठकर डीएसपी की पत्नी ने मनाया जन्मदिन

विभाग की ओर से होगी जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

बलरामपुर जिले में डीएसपी पति की नीली बत्ती वाली कार पर पत्नी के स्टंट को लेकर हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। जनहित याचिका मानकर हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने मामले में चीफ सेक्रेटरी से पूछा है कि आपने क्या कार्रवाई की, शपथपत्र के साथ जवाब दें। मामले की अगली सुनवाई एक हफ्ते बाद होगी। ज्ञात हो कि डीएसपी तस्लीम आरिफ की पत्नी और कुछ महिलाएं नीली बत्ती लगी कार की बोनट पर बैठकर जन्मदिन मनाते नजर आईं थीं और उसमें स्टंट करते भी दिखीं थी, ▶▶|शेष पेज 5 पर

ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज

वीडियो वायरल होने के बाद गांधीनगर पुलिस ने जांच की। जिसमें बताया गया कि, (एक्सयूव्ही 700 क्रमांक CG 15 ईएफ 3978), जिसमें नीली बत्ती लगी थी। उसके ड्राइवर ने कार के दरवाजे, सन-रूफ और डिक्की को खोलकर लोगों को बाहर निकालकर लापरवाह तरीके से गाड़ी चलाई। यह यातायात के नियमों के खिलाफ है। पुलिस ने मामले में कार ड्राइवर के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 177, 184, 281 के तहत केस दर्ज किया है। हालांकि, मामले में किसे आरोपी बनाया गया, यह स्पष्ट नहीं है।

लखनऊ कंट्रोल रूम को मिली थी सूचना

संपर्क क्रांति में बम की अफवाह, 40 मिनट तक खंगाले 20 कोच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हजरत निजामुद्दीन से दुर्ग जाने वाली छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस 12824 में शुक्रवार रात बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया। रात में किसी ने रेलवे कंट्रोल रूम नंबर 139 पर कॉल कर लखनऊ में सूचना दी कि ट्रेन में बम रखा गया है। सूचना मिलते ही लखनऊ कंट्रोल रूम ने झांसी रेलवे स्टेशन को सतर्क किया। झांसी में आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय पुलिस टीम ने तत्काल स्टेशन पर पहुंचकर मोर्चा संभाल लिया। रात 11:32 बजे जैसे ही ट्रेन झांसी स्टेशन पर पहुंची, यात्रियों को सुरक्षित उतारकर सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। इंजन से लगे डिब्बों से तलाशी की शुरुआत हुई और सभी कोचों में गहन जांच की गई। करीब 40 मिनट तक चले तलाशी अभियान में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद रात 12:24 बजे ट्रेन को दुर्ग के लिए रवाना कर दिया गया। इस झूठी सूचना से यात्रियों में दहशत जरूर फैली, लेकिन सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से स्थिति पर जल्द ही नियंत्रण पा लिया गया।

संदिग्ध वस्तु निकली खिलौना

ट्रेन में बम की सूचना मिलने पर रेलवे का डॉग स्क्वॉड भी पूरी तरह सतर्क रहा। झांसी स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचते ही डॉग स्क्वॉड ने सुरक्षा दलों के साथ मिलकर हर संदिग्ध यात्री और सामान की गहन जांच शुरू की। सभी कोच की तलाशी के बाद जहां कुछ नहीं मिला, वहां यात्रियों को दोबारा उनके स्थान पर बैठा दिया गया। तलाशी के दौरान एक कोच की सीट के नीचे एक संदिग्ध वस्तु नजर आई, जिसे सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत सुरक्षित रूप से कब्जे में लिया। जांच करने पर वह वस्तु एक खिलौने का टुकड़ा निकली, जिससे राहत की सांस ली गई। छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस कुल 20 कोच की ट्रेन है, जिसमें 9 एसी, 6 स्लीपर, 4 जनरल कोच और एक पैंट्रीकार शामिल है। यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन से चलकर पहला ठहराव झांसी में लेती है।

यात्रियों ने सुनाई आपबीती, बोले-कुछ समझ नहीं आया

दुर्ग जा रहे हितेश कुमार और संजय सिंह तथा रायपुर आ रहीं भुवनेश्वरी और निधि रजक ने बताया कि उन्हें पहले कुछ समझ नहीं आया। झांसी स्टेशन पर अचानक पुलिस बल आ गया और सभी को सामान लेकर उतरने को कहा गया। कोई भी स्पष्ट जानकारी नहीं दे रहा था। प्लेटफॉर्म पर उतरते ही उनका सामान चेक किया गया। पूरे कोच की जांच के बाद उन्हें फिर से सीटों पर बैठा दिया गया। प्लेटफॉर्म को पहले ही खाली करा लिया गया था। ट्रेन के रुकते ही एसी और स्लीपर कोच एक-एक कर खाली कराए गए। यात्रियों का सामान नीचे उतारकर उसकी भी जांच की गई। डॉग स्क्वॉड ने हर कोच की बारीकी से तलाशी ली। जांच पूरी होने के बाद ही यात्रियों को वापस बैठाया गया। कोच में अचानक पुलिस फोर्स को देख यात्री सहम गए थे। लोग जैसे सो रहे थे, उसी स्थिति में उन्हें कोच से बाहर जाने के लिए कहा गया।

सैफ और उनके परिवार को कोर्ट से बड़ा झटका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जबलपुर

अभिनेता सैफ अली खान और उनके परिवार को झटका देते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने संपत्ति मामले में दो दशक पहले दिए गए अधीनस्थ अदालत के फैसले को खारिज कर दिया और मामले में फिर से सुनवाई का आदेश दिया है। सैफ अली और उनके परिवार को भोपाल के पूर्व शासकों की 15,000 करोड़ रुपए की संपत्ति विरासत में मिली थी। तीस जून को दिए अपने आदेश में, न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की एकल पीठ ने अधीनस्थ अदालत के फैसले और डिक्री को खारिज कर दिया, जिसमें पटौदी (सैफ अली खान, उनकी मां शर्मिला टैगोर और उनकी दो बहनों सोहा और सबा) को संपत्तियों का मालिक माना गया था।

15,000 करोड़ की पैतृक संपत्ति का मामला

शुभमन ने तोड़ा गावस्कर का रिकॉर्ड

दोनों पारियों की उपलब्धि
430 रन
43 चौके
11 छक्के

ऐसा रिकॉर्ड

- टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय क्रिकेटर
- टेस्ट में शतक और दोहरा शतक बनाने वाले भारत के दूसरे बल्लेबाज

बर्मिंघम। भारत की टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने एजबेस्टन टेस्ट की दूसरी पारी में भी शतक जड़ दिया। गिल ने इस शतक के साथ ही भारत के दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। शुभमन गिल ने दोनों पारियां मिलाकर सर्वाधिक रन बनाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में ब्रायन लारा, कुमार संगकारा और मार्क टेलर को पीछे छोड़ दिया है।

सीबीआई, ईडी का शिकंजा, भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध पर एक्शन

भगोड़े नीरव का भाई निहाल अमेरिका में गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी अधिकारियों ने प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के प्रत्यर्पण अनुरोधों के आधार पर भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के छोटे भाई निहाल मोदी को गिरफ्तार कर लिया। अमेरिकी अधिकारियों ने भारत को सूचित किया कि निहाल मोदी को शुक्रवार को हिरासत में ले लिया गया। मामले की सुनवाई की अगली तारीख 17 जुलाई है और उस सुनवाई में निहाल जमानत का अनुरोध कर सकता है। प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई द्वारा संयुक्त रूप से किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध पर यह कदम उठाया गया। अमेरिकी अभियोजकों द्वारा प्रत्यर्पण की कार्यवाही दो आरोपों पर की गई, जिसमें धन शोधन का एक मामला और दूसरा भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी व 201 (फरार होने) के तहत आपराधिक साजिश का मामला शामिल है।

क्या है आरोप

- घोटाला सामने आने के बाद दुबई में मोबाइल फोन और सर्वर जैसे डिजिटल सबूत नष्ट किए
- 6 मिलियन डॉलर की हीरे, 3.5 मिलियन यूएई दिरहम और 50 किलो सोना गायब किया
- कर्मचारियों और डमी डायरेक्टर्स को धमकाया और भारत में जांच में शामिल होने से रोका

निहाल के खिलाफ दो आरोपों में कार्रवाई

मनी लॉन्ड्रिंग, आपराधिक साजिश

निहाल मोदी | नीरव मोदी

जल्द लाया जाएगा

भारत सरकार निहाल को भारत लाने की पूरी कोशिश कर रही है। ईडी और सीबीआई ने अमेरिका को प्रत्यर्पण अनुरोध भेजा है, जिसमें निहाल के खिलाफ सबूत पेश किए गए हैं। अगर कोर्ट निहल की जमानत खारिज करता है और प्रत्यर्पण को मंजूरी देता है, तो उसे भारत लाया जा सकता है। हालांकि यह प्रक्रिया लंबी हो सकती है।

हथियार डीलर संजय भंडारी भगोड़ा घोषित

दिल्ली की एक विशेष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर शनिवार को ब्रिटेन में रह रहे हथियार डीलर संजय भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया। ईडी के अनुसार, भंडारी वर्ष 2016 में भारत से ब्रिटेन भाग गया था। ब्रिटेन की एक अदालत ने भंडारी के प्रत्यर्पण के भारत के अनुरोध को हाल ही में ठुकरा दिया था। आयकर विभाग ने काला धन रोधी अधिनियम, 2015 के तहत भंडारी के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था, जिस पर संज्ञान लेते हुए ईडी ने फरवरी 2017 में उसके (भंडारी) और अन्य लोगों के खिलाफ धनशोधन का आपराधिक मामला दर्ज किया था।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि आपातकाल के दौरान संविधान संशोधन कर प्रस्तावना में जोड़े गए शब्द समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष के विलोपन को लेकर बहस होनी चाहिए। समर्थन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि 'संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया, जो संविधान निर्माताओं की बुद्धिमता के साथ विश्वासघात है। देश में वर्ष 1975 में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया था, वर्ष 1976 में 42वें संविधान संशोधन के जरिये संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी व धर्मनिरपेक्ष शब्द जोड़े गए थे। यूं संविधान में मूल अधिकार से नीति निर्देशक तत्व तक प्रकृति में समाजवादी व धर्मनिरपेक्षता की भावना उद्धृत है। संविधान सभा में चर्चा के दौरान इन दोनों शब्दों को लेकर डा. आंबेडकर का मानना था कि संविधान को एक ऐसे दस्तावेज के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, जो देश की भावी पीढ़ियों पर एक विशेष प्रकार का सामाजिक दर्शन या आर्थिक विचारधारा थोपता हो। पश्चिम का अंधानुकरण करते हुए धर्मनिरपेक्षता को संविधान की प्रस्तावना में सम्मिलित करना न्यायसंगत नहीं है। नवंबर 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को प्रस्तावना से हटाने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। आजकल में पेश है एक विश्लेषण...

आपातकाल में संविधान-संशोधन का औचित्य

विश्लेषण
प्रणय कुमार
शिक्षाविद एवं वरिष्ठ स्तंभकार

लोकसभा से 2 नवंबर 1976, राज्यसभा से 11 नवंबर, 1976 को 42वां संविधान संशोधन विधेयक पारित करा, 3 जनवरी 1977, को आनन-फानन में उसे लागू कर दिया गया। उस संशोधन के अन्तर्गत संविधान की मूल आत्मा यानी प्रस्तावना में परिवर्तन करते हुए 'धर्मनिरपेक्ष' व 'समाजवादी' शब्द बिना किसी चर्चा के जोड़ दिए गए। सामान्यतः प्रस्तावना को अपरिवर्तनीय माना जाता है, क्योंकि वह संविधान की नींव या आधार मानी जाती है। आएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले यदि संविधान की मूल भावना व आपातकाल की भूलों पर पुनर्विचार की बात करते हैं, तो उसे आलोचना नहीं, बल्कि विमर्श की स्वस्थ भारतीय परंपरा व आत्मावलोकन के रूप में देखा जाना चाहिए।

भारत न केवल विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, अपितु वह लोकतंत्र की जननी है। लोकतंत्र भारत की आत्मा है। वह आम भारतीयों की सांसों और संस्कारों में रचा-बसा है। भारत में लोकतांत्रिक मूल्यों एवं अवधारणाओं का विकास 1215 ई. में जारी किए गए इंग्लैंड के कानूनी परिपत्र मैग्ना कार्टा से नहीं, अपितु सहयोग, समन्वय एवं सह-अस्तित्व पर आधारित प्राचीन एवं सनातन सांस्कृतिक विचार-प्रवाह एवं जीवन-दर्शन से हुआ है। इस देश में लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली मात्र नहीं, बल्कि वह सहस्त्राब्दियों के अनुभव और इतिहास से सिंचित-निर्मित भेद में एकत्व और विरुद्धों में सामंजस्य देखने वाली जीवन-शैली व जीवन-दृष्टि है। इंग्लैंड अथवा अमेरिका जैसे पश्चिमी देशों की तुलना में भारत की लोकतांत्रिक जड़ें कहीं ज्यादा गहरी हैं।

इतनी गहरी कि उसने भिन्न-भिन्न मान्यताओं, विश्वासों, जीवन-पद्धत्तियों को न केवल स्वीकार किया, बल्कि उनकी विविधता में सौंदर्य देखने की अंतर्दृष्टि भी विकसित की। एक ऐसी अंतर्दृष्टि जो केवल सहिष्णुता में नहीं, सह-अस्तित्व में विश्वास रखती है। सहिष्णुता में जबरन या किसी विवशता में एक-दूसरे को सहने की भावना व्यक्त होती है, जबकि सह-अस्तित्व में पारस्परिक समझ से विकसित स्वीकार की भावना परिलक्षित होती है। सह-अस्तित्व एवं वैविध्य में एकत्व देखने वाली यही अंतर्दृष्टि सनातन भारत की मौलिक विशेषता एवं सहस्त्राब्दियों से चली आ रही समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है। इस अविच्छिन्न एवं अविरल लोकतांत्रिक धारा को निरकुंश सत्ता द्वारा केवल एक बार अवरुद्ध करने की चेष्टा की गई, वह भी स्वतंत्र भारत में। परंतु लोकतंत्र में गहरी आस्था रखने वाले भारतीय जन-मन ने उसे सिरे से खारिज़ कर दिया।

हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। एक ऐसा फैसला, जो भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 'न भूतो, न भविष्यति' की प्रकृति का था। 1971 के आम चुनाव में रायबरेली से इंदिरा गांधी के विरुद्ध चुनाव लड़ने वाले समाजवादी नेता राजनारायण ने उन पर सरकारी तंत्र व संसाधनों का व्यापक पैमाने पर दुरुपयोग करने तथा भ्रष्ट तरीके से चुनाव जीतने का आरोप लगाया। उपलब्ध साक्ष्यों एवं विधिक दलीलों के आधार पर न्यायालय ने इसे सही पाया। न्यायालय ने यह पाया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा चुनाव जीतने के लिए चुनाव आचार संहिता और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन किया गया है। सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करने के कारण 12 जून 1975 को धारा 123 (7) के तहत इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इंदिरा गांधी के निर्वाचन को रद कर दिया और उन्हें अगले 6 वर्षों तक चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया। इस फैसले के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय से भी उन्हें राहत नहीं मिली। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश वीआर कृष्ण अय्यर ने इंदिरा गांधी की सदस्यता तो बरकरार रखी, लेकिन संसद में बहस करने तथा वोट देने के अधिकार से उन्हें वंचित कर दिया।

इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल थोपा

लोकतांत्रिक परंपराओं और नैतिकता का तकाज़ा तो यह था कि इंदिरा गांधी को अपने पद से त्यागपत्र देकर न्यायालय के निर्णय का सम्मान करना चाहिए था, परंतु उन्होंने लोकतंत्र का गला घोंटते हुए 25 जून, 1975 को देश पर आपातकाल थोप दिया। आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के लिए कलंक का एक ऐसा काला दौर रहा, जिसमें संवैधानिक नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाई गईं। सब प्रकार के मौलिक अधिकारों को निरस्त कर दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता छीन ली गई, शासन ने निरंकुशता की सारी हदें लांघते हुए न केवल राजनीतिक विरोधियों पर, बल्कि आम जनमानस पर भी अन्याय-अत्याचार के भयानक कहर बरपाए, अभिव्यक्ति की आजादी तो दूर, जीने तक की स्वतंत्रता संकट में पड़ गई। आपातकाल का विरोध करने वाले कई शख्सियतों को सरकारी उत्पीड़न व अत्याचार के कारण प्राण गंवाने पड़े। कर्नाटक की सुप्रसिद्ध अभिनेत्री स्नेहलता रेड्डी तथा संघ के तत्कालीन अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख पांडुरंगपंत क्षीरसागर भी उनमें से एक थे। प्रसिद्ध समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडिस के भाई लॉरेंस फर्नांडिस को पुलिस ने कैद में इतनी यातनाएं दीं कि अगले कई महीने तक वे चलने-फिरने के काबिल नहीं रहे। हजारों-लाखों लोग अकारण जेल में ठूंस दिए गए, उनकी संख्या इतनी अधिक थी कि विद्यालयों-विश्वविद्यालयों एवं सरकारी भवनों तक को जेल की अस्थाई काल-कोठरी में तब्दील करना पड़ा।

संविधान में मनमाने परिवर्तन किए गए

विरोधी विचारधारा वाली तमिलनाडु और गुजरात की सरकारें बर्खास्त कर दी गईं। भारत की सदियों पुरानी परंपरा और संविधान-सभा की सम्मति व निष्कर्ष के विरुद्ध जाकर संविधान में मनमाने परिवर्तन कर दिए गए। येन-केन-प्रकारेण सत्ता में बने रहने के लिए लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा का कार्यकाल 5 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष का कर दिया गया। न्यायालयों के अधिकार सीमित कर दिए गए। विपक्ष विहीन संसद में लोकसभा से 2 नवंबर 1976, राज्यसभा से 11 नवंबर, 1976 को 42वां संविधान संशोधन विधेयक पारित करा, 3 जनवरी 1977, को आनन-फानन में उसे लागू कर दिया गया।

यहां तक कि उस संशोधन के अन्तर्गत संविधान की मूल आत्मा यानी प्रस्तावना में परिवर्तन करते हुए 'धर्मनिरपेक्ष' व 'समाजवादी' शब्द बिना किसी चर्चा के जोड़ दिए गए। सामान्यतः प्रस्तावना को अपरिवर्तनीय माना जाता है, क्योंकि वह संविधान की नींव या आधार मानी जाती है। उल्लेखनीय है कि संविधान-सभा (1946-10949) की बैठकों में 'धर्मनिरपेक्ष (सेकुलर)' और 'समाजवादी' शब्द को सम्मिलित करने को लेकर पर्याप्त चर्चा हुई थी।

संविधान-सभा के सदस्य खुशाल तालाक्षी शाह यानी केटी शाह ने प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' व 'समाजवादी' शब्द जोड़ने का संशोधन रखा था। उन्होंने नवंबर और दिसंबर 1948 सहित तीन बार इन शब्दों को प्रस्तावना में शामिल करने की वकालत की। उनकी मांग थी कि अनुच्छेद 1 में यह उल्लखित हो कि 'भारत एक धर्मनिरपेक्ष, संघीय व समाजवादी राज्यों का संघ है।' परंतु संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर एवं संविधान-सभा के अन्य अनेक सदस्यों ने ठोस तर्कों व दृष्टांतों के आधार पर न केवल इसे अस्वीकृत कर दिया, अपितु इसे अनावश्यक एवं भारतीय परंपरा-संस्कृति के प्रतिकूल बताया।

संविधान-संशोधन के प्रस्ताव का विरोध

डॉ. आंबेडकर का मानना था कि संविधान को एक ऐसे दस्तावेज के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, जो देश की भावी पीढ़ियों पर एक विशेष प्रकार का सामाजिक दर्शन या आर्थिक विचारधारा थोपता हो। उन्होंने केटी शाह के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'राज्य की नीति क्या होनी चाहिए, समाज को उसके सामाजिक और आर्थिक पक्ष में कैसे संगठित किया जाना चाहिए, ये ऐसे मामले हैं, जिनका निर्णय लोगों को समय और परिस्थितियों के अनुसार स्वयं करना चाहिए।' उनके अनुसार, भारत के संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद जैसी विचारधारा को संहिताबद्ध कर देने से भविष्य की पीढ़ियों द्वारा अपना रास्ता स्वयं चुनने की स्वतंत्रता बाधित और प्रतिबंधित होगी, जो एक जीवंत, गतिशील एवं उत्तरदायी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अनुचित एवं अव्यावहारिक है। उन्होंने 'समाजवादी' शब्द की अप्रासंगिकता सिद्ध करते हुए कहा था कि राज्य के नीति निदेशक तत्त्व में समानता, शोषणमुक्त और श्रम को सम्मान देने वाले प्रावधानों की प्रचुरता है। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 31 की ओर संकेत करते हुए कहा कि इसमें धन के संकेंद्रण को रोकने और समान काम के लिए समान वेतन की रूपरेखा दी गई है, जो प्रकारांतर से एक समाजवादी प्रावधान ही है।

'समाजवाद' और 'धर्मनिरपेक्षता' का मुद्दा

उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा था, 'यदि ये निर्देशक सिद्धांत.......अपनी दिशा और विषयवस्तु में समाजवादी नहीं हैं तो मैं यह नहीं समझ पा रहा हूँ कि समाजवाद और क्या हो सकता है! 'समाजवाद' की तरह ही संविधान-सभा के अधिकतम सदस्य 'धर्मनिरपेक्षता' को प्रस्तावना में सम्मिलित किए जाने के पक्ष में नहीं थे। डॉ. आंबेडकर, अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर, सी राजगोपालाचारी, स्वयं जवाहरलाल नेहरू जैसे तमाम सदस्य इसके विरुद्ध थे। डॉ. आंबेडकर का कहना था कि धर्मनिरपेक्षता के विचारों को विभिन्न अनुच्छेदों में लागू किया गया है, जो धार्मिक स्वतंत्रता और राज्य के किसी विशेष धर्म के साथ गैर-संरेखण (नॉन एलाइनमेंट) से संबंधित थे।

मसलन अनुच्छेद 19, अनुच्छेद 16 आदि धर्म के आधार पर किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव को प्रतिबंधित करते हैं। जवाहरलाल नेहरू समेत संविधान-सभा के अधिकतम सदस्यों में इस बात को लेकर आम सहमति थी कि धर्मनिरपेक्षता (सेकुलरिज्म) पश्चिम या यूरोप से आयातित विचार है, जो मुख्य रूप से वहां की धार्मिक सत्ता (चर्च) व राज्यसत्ता (स्टेट) के बीच हुए शक्ति-संघर्ष की कोख से उपजा है। भारत में इन दोनों सत्ताओं के मध्य संघर्ष का कोई इतिहास नहीं मिलता।

आपातकाल की भूलों पर पुनर्विचार की बात

भारत की सनातन परंपरा में धर्म - किसी पंथ, संप्रदाय, मजहब या रिलीजन से परे - एक सार्वभौमिक व उदार अवधारणा है। धर्म का अर्थ है - मनुष्यता के लिए धारण करने योग्य तत्त्व। जबकि अब्राहमिक मत (ईसाई, इस्लाम, यहूदी) मज़हब या रिलीजन की उस परिभाषा में बंधे हैं, जहां केवल एक ग्रंथ, एक पैगंबर, एक सत्य की बात होती है और अन्य को अस्वीकार किया जाता है। यह सोच संघर्ष, श्रेष्ठताबोध और असहिष्णुता को जन्म देती है। पश्चिम का अंधानुकरण करते हुए धर्मनिरपेक्षता को संविधान की प्रस्तावना में सम्मिलित करना न्यायसंगत नहीं है। अतः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले यदि संविधान की मूल भावना व आपातकाल की भूलों पर पुनर्विचार की बात करते हैं, तो उसे आलोचना नहीं, बल्कि विमर्श की स्वस्थ भारतीय परंपरा व आत्मावलोकन के रूप में देखा जाना चाहिए। भारतीय लोकतंत्र में बहस की पूरी गुंजाइश है, इसका सवागत होना चाहिए।

समाजवादी-धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा हो

विमर्श
प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार व साहित्यकार

आपातकाल में जब भारतीय लोकतंत्र कारागारों में बंधक था, तब 1976 में संविधान की प्रस्तावना में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत बदलाव किया गया, जिसमें 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्द जोड़ दिए गए थे। अब इन शब्दों को विलोपित करने की मांग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उठा दी है। केंद्र सरकार से इन शब्दों की समीक्षा करने का आह्वान संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने किया है। इस मांग के समर्थन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुर मिलाते हुए कहा कि 'संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया, जो संविधान निर्माताओं की बुद्धिमता के साथ विश्वासघात का संकेत है, जो शब्द जोड़े गए, वे नासूर थे और उथल-पुथल पैदा कर सकते हैं। यह बदलाव हजारों वर्षों से इस देश की सभ्यतागत संपदा और ज्ञान को कमतर आंकने के साथ सनातन की भावना का अपमान भी है। प्रस्तावना संविधान का बीज होती है। इसी के आधार पर संविधान की मूल भावना विकसित होती है। भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। अतएव यह बदलाव न्याय का उपहास है।

सनातन संस्कृति और सभ्यता

भारतीय समाज के बहुलतावादी धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप को ध्यान में रखते हुए संवैधानिक गणराज्य की नींव रखी थी। इसीलिए मूल संविधान में भारतीय परंपरा, संस्कृति, आध्यात्म जैसे ऊर्जावान तत्वों का समावेश संभव हुआ। तब संविधान निर्माताओं ने सोचा था कि भारत की संस्कृति, संस्कार और सभ्यतामूलक इतिहास के प्रवाह को भी विभिन्न छवियों के द्वारा स्थान मिलना चाहिए। तब उस समय के प्रसिद्ध चित्रकार नंदलाल बोस से आग्रह कर हजारों वर्षों की सांस्कृतिक सभ्यता के चित्रों की संविधान में जीवंत प्रस्तुति संभव हुई। इस क्रम में मोहनजोदड़ों के चित्रों से लेकर वैदिक युग के गुरुकुल हैं। मौलिक अधिकार के अध्याय में प्रभु राम, सीता और लक्ष्मण का चित्र है। चूंकि राम मौलिक अधिकारों की रक्षा के साथ रामराज्य के प्रतीक हैं। इसलिए उनका चित्र तार्किक है। राज्य के नीति-निदेशक तत्व अध्याय में भगवान कृष्ण द्वारा गीता का उपदेश दिए जाने का चित्र है। यह चित्र एक हताश योद्धा को अपने कर्तव्य पालन के प्रति इंगित करता है। भगवान बुद्ध, महावीर, सम्राट विक्रमादित्य और नालंदा विश्वविद्यालय की चर्चा है। शिव के नटराज नृत्य की छवि प्रदर्शित है। इन चित्रों को छापना इसलिए संभव हुआ, क्योंकि संविधान निर्माताओं ने लोकतांत्रिक गणतंत्र के साथ भारतीय सनातन संस्कृति और सभ्यता को जानने पर जोर दिया था। क्या आज के परिप्रेक्ष्य में इन चित्रों का संविधान में प्रदर्शन संभव था?

मूल संविधान की प्रस्तावना

दरअसल स्वतंत्रता के कुछ वर्ष बाद से केवल हिंदू और हिंदुओं से जुड़े प्रतिरोध को धर्मनिरपेक्षता मान लेने की परंपरा सी चल निकली थी। जबकि वास्तविकता तो यह है कि मूल संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' और

'समाजवाद' शब्द थे ही नहीं। ये शब्द तो आपातकाल के दौरान 42वां संविधान संशोधन लाकर 'समाजवादी धर्मनिरपेक्ष संविधान अधिनियम 1976' के माध्यम से जोड़े गए थे। आपातकाल के बाद जब जनता दल की केंद्र में सरकार बनी तो यह सरकार 43वां संशोधन विधेयक लाकर सेक्युलरिज्म मसलन धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या स्पष्ट करना चाहती थी, प्रस्तावित प्रारूप में इसे स्पष्ट करते हुए वाक्य जोड़ा गया था, 'गणतंत्र शब्द जिसका विशेषण 'धर्मनिरपेक्ष' है का अर्थ है, ऐसा गणतंत्र जिसमें सब धर्मों के लिए समान आदर हो,' लेकिन लोकसभा से इस प्रस्ताव के पारित हो जाने के बावजूद कांग्रेस ने इसे राज्यसभा में गिरा दिया था। अब यह स्पष्ट उस समय के कांग्रेसी ही कह सकते हैं कि धर्मों का समान रूप से आदर करना धर्मनिरपेक्षता क्यों नहीं है? गोया, इसके लाक्षणिक महत्व को दरकिनार कर दिया गया। शायद ऐसा इसलिए किया गया जिससे देश में सांप्रदायिक सद्भाव स्थिर न होने पाए और सांप्रदायिकता बनाम धर्मनिरपेक्षता को अनंतकाल तक वोट की राजनीति के चलते तुष्टिकरण के उपायों के जरिए भुनाया जाता रहे। साथ ही इसका मनमाने ढंग से उपयोग व दुरुपयोग करने की छूट सत्ता-तंत्र को मिली रहे। दुर्भाग्य से हमारे यहां नरेंद्र मोदी सरकार के पहले तक परस्पर तालमेल खंडित होता रहा है। अलगाव और आतंकवाद की अवधारणाएं निरंतर देश की संप्रभुता व अखण्डता के समक्ष खतरा बनकर उभरती रही हैं। राष्ट्रवाद और भारत माता की जय को भी संकीर्ण और अल्प-धार्मिक दृष्टि से देखा जाता रहा है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में वामपंथी मानसिकता के चलते जिस तरह से देश के हजार टुकड़े करने के नारे लगते रहे और उन्हें अभियक्ति की आजादी के परिप्रेक्ष्य में संवैधानिक ठहराने की कोशिशें हुईं, उस संदर्भ में लगता है कि धर्मनिरपेक्षता और अभिव्यक्ति की आजादी के मायने राष्ट्रद्रोह को उकसाने और उन्हें संरक्षित करने के उपाय ही साबित हुए हैं। अतएव इस तरह की विकृतियों को आधार देने वाले संविधान के अनुच्छेदों में बदलाव जरूरी है। भारतीय संविधान जिस नागरिकता को मान्यता देता है, वह एक भ्रम है। सच्चाई यह है कि हमारी नागरिकता भी खासतौर से अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक समुदायों में बंटी हुई है। लिहाजा इसका चरित्र उत्तरोत्तर सांप्रदायिक होता रहा है। हिंदु, मुसलमान और ईसाई भारतीय नागरिक होने का दंभ बढ़ता है। जबकि नागरिकता केवल देशीय मसलन भारतीय होनी चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है,क्योंकि भारत में 4635 समुदाय हैं, जिनमें से 78 प्रतिशत समुदायों की न सिर्फ भाषाई एवं सांस्कृतिक बल्कि सामाजिक श्रेणियां भी हैं। इन समुदायों में 19.4 प्रतिशत धार्मिक अल्पसंख्यक हैं। गोया, धर्मनिरपेक्षता शब्द को विलोपित किया जाना जरूरी है। वर्तमान में हमारे यहां धर्मनिरपेक्ष शब्द का प्रयोग अंग्रेजी के शब्द 'सेक्युलर' के अर्थ में हो रहा है। अंग्रेजी के ऑक्सफोर्ड शब्दकोश में इसका अर्थ 'ईश्वर' विरोधी दिया है।

संविधान में धर्म की भी व्याख्या नहीं

भारत और इस्लामिक देश ईश्वर विरोधी कतई नहीं हैं। ज्यादातर क्रिश्चियन देश भी ईसाई धर्मावलंबी हैं। हां, बौद्ध धर्मावलंबी चीन और जापान जरूर ऐसे देश हैं, जो धार्मिक आस्था से पहले राष्ट्रप्रेम को प्रमुखता देते हैं। हमारे संविधान की मुश्किल यह भी है कि उसमें धर्म की भी व्याख्या नहीं हुई है। नतीजतन धर्मनिरपेक्षता की व्याख्या को किसी एक इबारत में बांधना असंभव है। इसीलिए श्रीमद्भागवत गीता में जब यक्ष धर्म को जानने की दृष्टि से प्रश्न करते हैं तो धर्मराज युधिष्ठिर का उत्तर होता है, 'तर्क कहीं स्थिर नहीं हैं, श्रुतियां भी भिन्न-भिन्न हैं। अतएव धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी जैसे शब्दों को संविधान की प्रस्तावना से विलोपित करके उसे मूल स्वरूप में लाने की जरूरत है।

मूल प्रस्तावना को बहाल करने की मंशा

दो टूक
रवि शंकर
लेखक व पत्रकार

इमरजेंसी के बाद से ही गाहे-बगाहे यह बात उठती रही है कि संविधान की प्रस्तावना को उसके मूल रूप में स्थापित किया जाए। प्रस्तावना को मूल रूप में स्थापित करने का अर्थ यह है कि उसमें से 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्द हटाया जाए। भारतीय जनता पार्टी व संघ की ओर से समय-समय पर यह मुद्दा उठाया जाता है और इससे ऐसा प्रतीत होता है कि बीजेपी संविधान सभा द्वारा अंगीकार की गई मूल प्रस्तावना को वापस बहाल करने की स्पष्ट मंशा रखती है। इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने के अवसर पर एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने फिर से यह प्रसंग छेड़ा है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान संविधान में जोड़े गए समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्द को हटाए जाने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने फिर से एक नए विवाद को जन्म दे दिया। होसबाले ने कहा है कि कांग्रेस को 50 साल पहले इंदिरा गांधी सरकार की ओर से लगाए गए आपातकाल के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और पंथनिरपेक्ष जैसे शब्द जोड़े गए थे। इन्हें हटाने के लिए भी बाद में प्रयास नहीं हुए, इसलिए इस पर चर्चा होनी चाहिए कि क्या इन शब्दों को रहना चाहिए या नहीं। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने जो संविधान बनाया, उनकी प्रस्तावना में ये दोनों शब्द नहीं थे। होसबाले के इस बयान का आरएसएस और बीजेपी के कुछ नेताओं ने भी समर्थन किया है।

दोनों शब्दों से आपत्ति क्यों

दरअसल, संविधान में समाजवादी और धर्मनिरपेक्षता शब्द को शामिल करने के साथ ही इस पर विवाद शुरू हो गया था। इसके विरोधियों का मानना है कि संविधान के दर्शन में एक तरह से पहले से ही समाजवादी और धर्मनिरपेक्षता का स्पष्ट उल्लेख हुए बिना न्याय, समानता, स्वाधीनता और भाईचारे का विचार निहित है। कांग्रेस के आलोचक चिंता व्यक्त करते रहे हैं कि संविधान में अलग से इन शब्दों को शामिल किए जाने से इनका दुरुपयोग या फिर गलत व्याख्या की जा सकती है। कांग्रेस के विरोध वाली पार्टियां हमेशा इसे कांग्रेस के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करती रही हैं। अहम सवाल यह भी उठता है कि यदि इन दोनों शब्दों से इतनी आपत्ति थी तो इन्हें 1977 में आई जनता पार्टी की सरकार ने क्यों नहीं बदल दिया। उस वक्त 42वें संशोधन की तमाम चीजों को बदल दिया गया था। जानकारों का कहना है कि तत्कालीन मोरारजी देसाई की सरकार के कुछ सहयोगियों ने ही उस वक्त इन्हें हटाने से मना किया था क्योंकि उनके मुताबिक, इससे राजनीतिक रूप से काफी नुकसान होने की आशंका थी।

कोर्ट ने रद कर दी थी याचिका

खैर, आरएसएस नेता की ओर से यह मांग तब आई है जब नवंबर 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को प्रस्तावना से हटाने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि ये शब्द

संविधान की मूल संरचना का हिस्सा हैं और इन्हें हटाना संविधान की भावना के खिलाफ होगा। यही नहीं, इन्हें हटाने के लिए संविधान में विशेष बहुमत की जरूरत होगी जो मौजूदा सत्तारूढ़ पार्टी के पास नहीं है। विपक्षी दलों का कहना है कि यही सब करने के लिए तो बीजेपी 'चार सौ पार' करने का मंसूबा पाले हुए थी, पिछले लोकसभा चुनाव में। हालांकि चार सौ पार हो जाते, तब भी ऐसा करना संभव नहीं था क्योंकि सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि ये शब्द संविधान के मूल ढांचे का भाग हैं। बात सिर्फ बहुमत तक की नहीं है। दरअसल, ये अपनी विचारधारा के पक्ष में जनमत बनाने की कोशिश की है। राम मंदिर का मामला देखिए। उन्हें पता था कि कहने से नहीं बन पाएगा, फिर भी 1989 से ही कहते चले आ रहे थे और फिर बन गया। तो उन्हें पता है कि आज नहीं तो कभी तो आएगी दो तिहाई बहुमत और जब तक नहीं आएगी, तब तक इसके जरिए बहुमत पाने की कोशिशें जारी रहेंगी।

अपनी विचारधारा मजबूत करने के लिए जनमत बनाने की कोशिश होती रहेगी। वैसे तो बीजेपी के लोग खुद को भी समाजवादी मानते हैं कि पार्टी की स्थापना ही 'गांधीवादी समाजवाद' के मूल्यों पर की गई थी लेकिन बीजेपी समाजवाद से संबंधित राजनीतिक पार्टियों से खुद को अलग दिखाना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट में इस संबंध में याचिकाएं खारिज होने के बावजूद यह बहस चलती रही कि इन शब्दों को हटाया जाना चाहिए, लेकिन यह मांग तक ही सीमित रही, इससे आगे कोई संवैधानिक प्रक्रिया नहीं चली। हालांकि कहा ये जाता है कि ये शब्द हटाए जाएं या ना हटाए जाएं लेकिन हिन्दू राष्ट्र बनाने की राह में प्रस्तावना में निहित ये दोनों शब्द सबसे बड़ा रोड़ा हैं, खासकर पंथनरिपेक्ष। इसीलिए बार-बार इनकी चर्चा होती रहती है। संविधान को लेकर आरएसएस और बीजेपी की सोच चाहे जो रही हो लेकिन 2014 के बाद से ही बीजेपी संविधान से जुड़े मुद्दों पर बहुत सोच-समझकर बात करती है क्योंकि संविधान से जुड़े मुद्दे अक्सर उसके लिए राजनीतिक तौर पर नुकसानदायक साबित होते हैं। हाल ही में 2024 के लोकसभा चुनाव में उसके कुछ नेताओं ने संविधान बदलने की बातें कहकर विपक्ष को मौका दे दिया और बीजेपी उम्मीद से 160 सीटें नीचे चली आई।

2015 के बिहार विधानसभा चुनाव के वक्त आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का 'आरक्षण की समीक्षा' वाला बयान बीजेपी भला कैसे भूल सकती है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बार-बार 'संविधान का रक्षक और सम्मानकर्ता' होने का सबूत देना पड़ता है। ऐसे में संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए 'समाजवाद' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्दों को हटाने की बहस की मांग कहां तक पहुंचेगी, यह कहना फिलहाल मुश्किल है। पिछले कुछ सालों में कई बार इन दोनों ही शब्दों को संविधान से हटाने की भी मांग की जा चुकी है। 'समाजवाद' और 'धर्मनिरपेक्षता' जैसे शब्दों को संविधान से हटाने की चर्चा समय-समय पर उठती रही है। संघ के महासचिव के बयान के बाद टकराव जाहिर है फिर से शुरू हो गया है। संघ के शब्दों में भारत का संविधान कभी भी 'मनुस्मृति से प्रेरित नहीं था।

नए संविधान की बात

आरएसएस और बीजेपी बार-बार एक नए संविधान की बात करती आ रही हैं। यह तो साल 2024 में नरेंद्र मोदी के लोकसभा चुनाव प्रचार का मुद्दा भी था। लेकिन अब जब इस पर संवैधानिक पदों पर बैठे लोग खुलकर बोलने लगे हैं, तो यह बहस सिर्फ वैचारिक नहीं, बल्कि राजनीतिक रणभूमि बनती जा रही है। इस बयान के बाद अब निगाहें संसद के आगामी सत्र और राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया पर टिकी हैं। क्या यह सिर्फ एक विचारधारा की अभिव्यक्ति है या किसी बड़ी संवैधानिक पहल की प्रस्तावना-इसका जवाब आने वाले दिनों में और स्पष्ट होगा।

तरकश

संजय के. दीक्षित

लालफीताशाही का नमूना

छत्तीसगढ़ में डॉयल 112 की गाड़ियां डेढ़-डेढ़, दो-दो लाख किलोमीटर चलकर अंतिम समय में पहुंच गई है। वहीं, अधिकांश थानों की गाड़ियां कंडम हो चुकी हैं। मगर इसका दूसरा स्याह पहलू यह है कि रायपुर से लगे अमलेश्वर बटालियन में 600 से अधिक नई बोलेरो गाड़ियां दो साल से रखे-रखे सड़ रही हैं। वजह यह कि 365 बोलेरो खरीद तो ली गई मगर डॉयल 112 सर्विस को ऑपरेट करने के लिए वेंडर फायनल नहीं हो पाया। तब तक थानों की गाड़ियों को रिप्लेस करने के लिए 300 नई बोलेरो और आ गईं। पीएचक्यू के अधिकारियों ने एक्स्ट्रा दिमाग लगाते हुए तय किया कि थानों के लिए आई गाड़ियों को डॉयल 112 के लिए रख लिया जाए और डॉयल 112 के नाम से दो साल पहले ली गई 370 बोलेरो को थानों को दे दिया जाए। पीएचक्यू के अफसर चाहते तो ये काम खुद ही कर सकते थे...इसके लिए किसी से पूछने की जरूरत नहीं थी। मगर पीएचक्यू ने अपना भार टालने के लिए मंत्रालय को लिख मारा। अब स्थिति यह है कि महीनों से नोटशीट किधर घूम रही है, ये बताने कोई तैयार नहीं। किन गाड़ियों को थाने को दिया जाए और किसे डॉयल 112 को, जब तक यह वीराट फैसला होगा, तब तक उन गाड़ियों की स्थिति क्या होगी, आप समझ सकते हैं। इसे ही कहते हैं लालफीताशाही...जनता की गाढ़ी कमाई का 50-100 करोड़ स्वाहा भी हो जाए तो क्या फर्क पड़ता है।

रायपुर टॉप पर

किराये की गाड़ियां दौड़ाने के मामले में कवर्धा और राजनांदगांव के बाद रायपुर पुलिस अब टॉप पर आ गया है। रायपुर में हर महीने साढ़े छह सौ से सात सौ गाड़ियां किराये पर ली जा रही हैं। डीजीपी अशोक जुनेजा और खुफिया चीफ अमित कुमार की पुलिस अधीक्षकों की क्लास के बाद हालांकि, कुछ जिलों में किराये की गाड़ियों में कमी आई थी। मगर सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि कोई कप्तान बुरा नहीं बनना चाहता। दरअसल, पुलिस महकमे में किराये में चलने वाली 80 परसेंट से अधिक गाड़ियां पुलिस परिवारों की है। आरआई से लेकर मुंशी, दरोगा, डीएसपी सबकी दो-दो, चार-चार गाड़ियां कागजों में दौड़ रही है। वेतन से चार गुना, पांच गुना इंकम इन गाड़ियों से आ रहा। कुछ अफसरों ने तो बकायदा ट्रेव्लर्स कंपनी बना लिया है। अब आप समझ सकते हैं...एसपी आखिर अपने ही घर में कितने लोगों से बुरा बनें...आखिर पोलिसिंग का काम भी उन्हीं लोगों से लेना है। ऐसे में, वित्त को ही कुछ करना होगा। हालांकि, फायनेंस सिकरेट्री मुकेश बंसल ने कुछ महीने पहले वाहनों की गड़बड़ियों के मामले में पीएचक्यू से कैफियत मांगी थी। पता नहीं, क्या जवाब आया।

अफसरों की क्लास

सुशासन तिहार में मैदानी इलाकों का हकीकत जानने के बाद सीएम विष्णुदेव साय योजनाओं के क्रियान्वयन की वस्तुस्थिति परखने विभागों की समीक्षा कर रहे हैं। सीएम का रिव्यू इस बार जरा दबाकर हो रहा है। वैसे भी डेढ़ साल में सीएम अब अफसरों और विभागों को काफी समझ चुके हैं तो सीएम सचिवालय के अफसरों का भी होमवर्क तगड़ा है...सो, इधर-उधर होने पर टोक दिया जा रहा। इस रिव्यू की सबसे खास बात यह है कि विभागों के अफसर आंकड़ों की बाजीगरी नहीं दिखा पा रहे। क्योंकि, सीएमओ के पास पहले से डायरेक्ट्रेट से लेकर जिलों तक का पूरा डेटा आ चुका है।

एक्सटेंशन का रिकार्ड

चीफ सिकरेट्री अमिताभ जैन के नाम एक और रिकार्ड दर्ज हो गया। फर्स्ट एक्सटेंशन का। छत्तीसगढ़ में अभी तक किसी मुख्य सचिव का सेवा विस्तार नहीं हुआ था। मगर क्रीटिकल सिचुएशन में ही सही, अमिताभ को तीन महीने का एक्सटेंशन मिल गया। इससे पहले सुनील कुजूर और आरपी मंडल के एक्सटेंशन के लिए भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था। पर मंजूरी मिली नहीं। बहरहाल, अमिताभ के तीन महीने बढ़ने की वजह से उनका कार्यकाल अब चार साल 10 महीने हो जाएगा। संभवतः यह भी अपने आप में एक रिकार्ड होगा। नेट पर सर्च करने पर इतनी लंबी अवधि वाले किसी मुख्य सचिव का नाम मिला नहीं।

अगला चीफ सिकरेट्री

अब यह पब्लिक डोमेन में आ चुका है कि दिल्ली से आए एक फोन कॉल के बाद किस तरह सिचुएशन ने यूटर्न लिया और चीफ सिकरेट्री अमिताभ जैन को विदाई की बेला में तीन महीने का एक्सटेंशन मिल गया। मगर सवाल उठता है, तीन महीने बाद कौन? इस यक्ष प्रश्न का उत्तर देने की स्थिति में कोई नहीं है। कारण कि गेंद अब केंद्र के पाले में जा चुका है। हो सकता है, बदले हालात में भारत सरकार अब अमित अग्रवाल को डेपुटेशन ब्रेक कर छत्तीसगढ़ भेज दे। या फिर विकासशील को मनीला से वापिस बुला लिया जाए। चर्चाएं विकासशील को बुलाने की भी हैं। विकासशील इस समय एशियाई विकास बैंक मनीला में एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। विकासशील को फिलिपिंस से वापिस बुलाने वालों का तर्क यह है कि किसी भी आईएएस को पहले अपना कैडर देखना चाहिए, च्वाइस की सर्विस इसके बाद आती है। इन दोनों का अगर नही हुआ तो फिर मनोज पिंगुआ को सरकार आजमा सकती है। हालांकि, रेखाएं अगर सुब्रत साहू के हाथों में होगी तो फिर उन्हें कौन रोक पाएगा। हालांकि, कुल जमा सार यह है कि पहली बार में जब छत्तीसगढ़ के अफसरों को दरकिनार कर अगर अमिताभ को एक्सटेंशन दिया गया, तो उससे मैसेज तो यही निकला कि अब उपर से ही कोई आएगा।

इगो प्राब्लम और कोआर्डिनेशन

डॉक्टर डे के दिन रायपुर में एक ऐसी घटना हुई, जिसे होना नहीं था। और 25 साल में ऐसा कभी हुआ भी नहीं। असल में, कार्यक्रम के कोआर्डिनेशन में चूक हुई। कार्यक्रम हो रहा था मेडिकल कॉलेज में, मगर कमिश्नर मेडिकल एजुकेशन को पूछा नहीं गया। इसलिए, वे पहुंची भी नहीं। डॉक्टर डे के कार्यक्रम में कॉलेज के डीन नीचे कहीं कोने में बैठे हुए थे और जिनका उस कार्यक्रम से कोई नाता नहीं, वे नेता मंचासीन थे। बेशक, इसमें विरोधियों का हाथ रहा होगा, मगर इगो प्राब्लम और कोआर्डिनेशन की चूक से भी इंकार नहीं किया जा सकता।

हाल-बेहाल

पिछले पांच साल में कई स्वास्थ्य मंत्री, सिकरेट्री और डायरेक्टर की आंबेडकर अस्पताल का मुआयना करती फोटूएं मीडिया में आई होंगी, मगर किसी ने उन होनहारों के हॉस्टल का जायजा लेने की जरूरत नहीं समझी कि वे किस हाल में रह रहे हैं। सरकारी अस्पतालों के शौचालयों से ज्यादा बुरी स्थिति में मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल के शौचालय हैं। जाहिर है, मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट प्रदेश के क्रीम होते हैं, उसमें भी सूबे के सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज रायपुर के। याने क्रीम में क्रीम। उनका ये हाल तो बाकी मेडिकल कॉलेज का आप समझ सकते हैं...भगवान ही मालिक होंगे।

रमन-धर्मजीत की जोड़ी

वैसे तो विधानसभा उपाध्यक्ष की खास जरूरत पड़ती नहीं। सभापति के पैनल से काम चला लिया जाता है। मध्यप्रदेश में 2020 के बाद कोई उपाध्यक्ष नहीं बना है। छत्तीसगढ़ में फिर भी लगभग हर विधानसभा में उपाध्यक्ष रहे हैं। उपाध्यक्ष का पद पहले विपक्ष को दिया जाता था। अजीत जोगी सरकार के दौरान बीजेपी के बनवारी लाल अग्रवाल उपाध्यक्ष रहे। मगर किसी बात पर आवेश में आकर उन्होंने इस्तीफा दे दिया, उसके बाद यह पद विपक्ष से छीन गया। बहरहाल, इस छठवीं विधानसभा में अभी तक उपाध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हुई है। पलड़ा धर्मजीत सिंह का भारी लग रहा है। सतीश भैया के नाम से जाने जाने वाले धर्मजीत पहले भी विस उपाध्यक्ष रह चुके हैं। उनके साथ विडंबना यह रही कि जिस हाइट के वे हैं, सियासत में उन्हें वह मुकाम मिला नहीं। मध्यप्रदेश विधानसभा में उन्हें उत्कृष्ठ विधायक का सम्मान मिला था। उनके सामने जन्म लिए लोग आज डिप्टी सीएम और मंत्री हैं, मगर सतीश भैया विधायक से उपर नहीं पहुंच पाए। असल में, रेखाओं का खेल कहें कि उनकी राजनीति हमेशा उल्टी दिशा में बहती रही। जब दिग्विजय सिंह का राज था, तो वे विद्याचरण के खेमे में थे। अजीत जोगी उन्हें छोटे भाई कहते रहे मगर कुछ दिया नहीं। 2018 में जब कांग्रेस का राज आया तो वे अजीत जोगी के साथ रहे। कांग्रेस में अगर होते भी तो उन्हें कुछ मिलता नहीं, क्योंकि भूपेश बघेल के साथ उनके गुण मिलते नहीं। और अब बीजेपी में आए तो बीजेपी वाले उन्हें अपना मानने तैयार नहीं। अलबत्ता, बीजेपी में मारामारी के बीच धर्मजीत ने कोई बड़ी ख्वाहिश पाली नहीं होगी। वैसे, विस उपाध्यक्ष के लिए धर्मजीत से कोई बेस्ट कंडिडेट हो भी नहीं सकता। सबसे अनुभवी, प्रखर वक्ता। स्पीकर डॉ0 रमन सिंह के साथ जोड़ेगी जमेगी भी। दोनों की केमेस्टी पुरानी है। 98 में रमन सिंह के पास जब अचानक केंद्रीय राज्य मंत्री का शपथ लेने के लिए फोन आया तो उनके पास ठीकठाक कुर्ता नहीं था। रेडिमेड उस समय इतना प्रचलित नहीं हुआ था और न रमन सिंह के साइज का कुर्ता मिल पाता। रमन के डीलडौल के धर्मजीत सिंह वहां थे। उनके पास एक नया कुर्ता था। बताते हैं, रमन सिंह ने उसे पहन केंद्रीय राज्य मंत्री की शपथ ली थी।

अंत में दो सवाल आपसे

1. *साढ़े छह साल के लंबे कार्यकाल के बाद भी आईपीएस पवनदेव पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन से मुक्त क्यों नहीं हो पा रहे हैं?*
2. *सफेद हाथी बनता जा रहा चिप्स की क्या कोई उपयोगिता रह गई है?*

375 करोड़ के बजट पर बन रही यह फिल्म भारत की बड़ी फिल्मों में से एक

'कुली' में आमिर खान लेंगे रजनीकांत से सीधी टक्कर

मुंबई। आमिर खान फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया प्रदर्शन कर रही है। पिछले दिनों आमिर ने अपनी इस फिल्म की सफलता का जश्न भी मनाया। फिल्म की कहानी से लेकर आमिर के अभिनय तक ने दर्शकों को उनका मुरीद बना दिया है, वहीं खुद आमिर ने भी फिल्म की सफलता से राहत की सांस ली है। इसी बीच अब रजनीकांत की फिल्म 'कुली' से उनकी पहली झलक सामने आ गई है।

देखने लायक होगी आमिर और रजनीकांत की भिड़ंत

'कुली' में कई जबरदस्त एक्शन सीन देखने को मिलेंगे। इनमें से एक सीन रजनीकांत और आमिर के बीच होगा, जिसमें दोनों के बीच एक तगड़ा टकराव देखने को मिलेगा। फिल्म में आमिर का किरदार भले ही 15 मिनट का हो, लेकिन इस सीक्वेंस को शूट करने के लिए उन्होंने पूरे 10 दिन की शूटिंग की है, क्योंकि वो सब कुछ बेहतरीन तरीके से करना चाहते थे। दोनों के इस सीक्वेंस में जोरदार डायलॉग्स और झन्नाटेदार एक्शन देखने को मिलेगा।

'वॉर 2' से बॉक्स ऑफिस पर भिड़ेगी 'कुली'

'कुली' का सामना सिनेमाघरों में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की 'वॉर 2' से होगा। दरअसल, ये दोनों ही फिल्में इस साल 14 अगस्त को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। 'वॉर 2' के जरिए एनटीआर बॉलीवुड में अपनी शुरुआत कर रहे हैं, वहीं कियारा आडवाणी भी इसका हिस्सा हैं। यशराज के स्पाई यूनिवर्स की ये फिल्म ब्लॉकबस्टर फिल्म 'वॉर' का सीक्वल है। अब देखना होगा कि बॉक्स ऑफिस पर 'कुली' और 'वॉर 2' में कौन बाजी मारती है।

भयंकर ट्विस्ट लेकर आएगा आमिर का कैमियो

आमिर भले ही फिल्म में कैमियो कर रहे हों, लेकिन यह 'कुली' की कहानी में एक भयंकर ट्विस्ट लेकर आएगा, कुछ ऐसा, जिसे देख दर्शकों के होश उड़ जाएंगे। 375 करोड़ रुपये के बजट पर बन रही 'कुली' भारत की बड़ी फिल्मों में से एक है। फिल्म के निर्देशन की कमान लोकश कनगराज ने संभाली है। फिल्म को लेकर इतना उत्साह देखते हुए इसके इंटरनेशनल राइट्स भी 68 करोड़ रुपये में बिके हैं।

सिद्धांत संग धड़क-2 का ट्रेलर 11 को रिलीज

मुंबई। सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'धड़क 2' का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक हैं। खास बात यह है कि यह पहला मौका होगा, जब सिद्धांत और तृप्ति पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। 'धड़क 2' के निर्देशन की कमान शाजिया इकबाल ने संभाली है, वहीं करण जौहर फिल्म के निर्माता हैं। अब फिल्म 'धड़क 2' के ट्रेलर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ गई है।बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'धड़क 2' का ट्रेलर 11 जुलाई, 2025 को रिलीज किया जाएगा, जिसके लिए निर्माता मुंबई में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में तृप्ति, सिद्धांत, फिल्म निर्माता करण और निर्देशक शाजिया भी शामिल होंगे। बता दें कि अजय देवगन और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' का ट्रेलर भी 11 जुलाई, 2025 को ही मुंबई में एक कार्यक्रम में रिलीज किया जाएगा।

'सरजमीन' का दमदार ट्रेलर जारी इब्राहिम से भिड़ते दिखे पृथ्वीराज...

मुंबई। अभिनेत्री काजोल इन दिनों फिल्म 'मां' में नजर आ रही हैं, जिसमें वह अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए जमकर वाहवाही लूट रही हैं। अब काजोल जल्द ही फिल्म 'सरजमीन' में नजर आएंगी। इस फिल्म में सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, वहीं सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। अब निर्माताओं ने 'सरजमीन' का दमदार ट्रेलर जारी कर दिया है, जो जबरदस्त एक्शन और सस्पेंस से भरपूर है। 'सरजमीन' के ट्रेलर में सुकुमारन एक फौजी की भूमिका निभा रहे हैं, जो अपनी सरजमीन के लिए कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार हैं। उन्हें अपनी जान की परवाह नहीं है। वहीं फिल्म में काजोल उनकी पत्नी बनी हैं, जो हमेशा उनका साथ देती हैं। खलनायक के रूप में इब्राहिम ने भी प्रशंसकों का दिल जीत लिया है। ट्रेलर में इब्राहिम का धाकड़ अवतार दिख रहा है। फिल्म में उनका एक अनदेखा अवतार सामने आएगा। काजोल, इब्राहिम और सुकुमारन की तिकड़ी ने लोगों का दिल जीत लिया है। इस फिल्म का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

चाहे कुछ कर लूं नफरत ही मिलेगी

मुंबई। सोशल मीडिया स्टार और अभिनेत्री उर्फी जावेद अपने अतरंगी अंदाज को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। उधर उनका बेबाक रवैया भी खूब चर्चा में रहता है। फिलहाल वह करण जौहर के रिएलिटी शो 'द ट्रेटर्स' को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने सभी प्रतियोगियों को हराते हुए निकिता लूथर के साथ शो की ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। हालांकि, शो को जीतने के बाद उन्हें गालियां सुनने को मिल रही हैं। खुद उर्फी ने ये खुलासा किया है। उर्फी शो 'द ट्रेटर्स' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बेहतरीन गेम खेला और इस रियलिटी शो को जीत भी लिया, लेकिन कुछ लोगों से उर्फी की यह जीत बर्दाश्त नहीं हुई। दरअसल, वो लोग अपनी पसंद के प्रतियोगी को जीतते हुए देखना चाहते थे। ऐसे में उन्होंने उर्फी को सोशल मीडिया पर गालियां और धमकियां दीं।

सारा अली खान की पिछली पांच फिल्मों में एक भी नहीं हुई फ्लॉप

मुंबई। पिछले काफी समय से अभिनेत्री सारा अली खान फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनकी यह फिल्म आखिरकार 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी इस फिल्म को समीक्षकों के साथ-साथ दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। आइए हम आपको सारा की सिनेमाघरों में आईं पिछली 5 फिल्मों और बॉक्स ऑफिस पर उनके प्रदर्शन के बारे में बताते हैं।

'केदारनाथ' : सारा ने साल 2018 में आई फिल्म 'केदारनाथ' के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इसमें उनकी जोड़ी दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के साथ बनी थी, जिसे काफी पसंद किया गया। अभिषेक कपूर के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई। 50 करोड़ रुपये में बनी फिल्म 'केदारनाथ' ने दुनियाभर में 96 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। इस फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर देख सकते हैं।

'सिम्बा' : 'केदारनाथ' की सफलता के बाद सारा फिल्म 'सिम्बा' में नजर आई थीं, जिसके निर्देशक रोहित शेट्टी थे। सारा के साथ इस फिल्म में रणवीर सिंह और सोनू सूद ने भी मुख्य भूमिका निभाई है। साल 2018 में आई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस सुपरहिट साबित हुई। 'सिम्बा' को बनाने में केवल 90 करोड़ रुपये लगे थे और इस फिल्म ने दुनियाभर में 390 करोड़ रुपये का कारोबार किया। सारा की यह फिल्म भी जी5 पर उपलब्ध है।

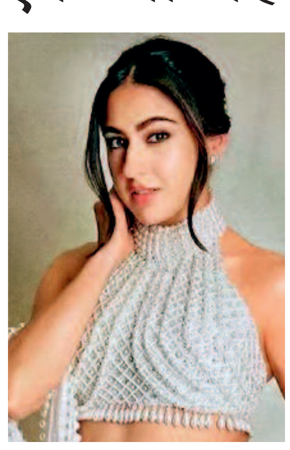

'लव आज कल' : साल 2020 में आई सारा की फिल्म 'लव आज कल' को काफी पसंद किया गया था। इसमें उनके जोड़ीदार कार्तिक आर्यन थे, वहीं रणदीप हुड्डा ने भी फिल्म में अहम भूमिका निभाई थी। इम्तियाज अली ने फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली थी। सारा की इस फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कमाई की। 50 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म 'लव आज कल' ने दुनियाभर में 117.27 करोड़ रुपये जुटाए थे। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर मौजूद है।

'जरा हटके जरा बचके' : लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' में सारा की जोड़ी पहली बार अभिनेता विक्की कौशल के साथ बनी थी। यह फिल्म 2 जून, 2023 को दर्शकों के बीच आई थी और यह बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई। 'जरा हटके जरा बचके' ने दुनियाभर में 116 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि इस फिल्म का बजट 35 करोड़ रुपये था। जियो हॉटस्टार पर यह फिल्म देखी जा सकती है।

'स्काई फोर्स' : सारा पिछली बार फिल्म 'स्काई फोर्स' में नजर आई थीं, जिसका निर्देशन संदीप केवलानी और अभिषेक अनिल कपूर ने मिलकर किया था। इस फिल्म में अक्षय कुमार, वीर पहाड़िया और निमरत कौर जैसे कलाकार भी नजर आए थे। यह फिल्म 24 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने ठीक-ठाक कमाई की थी। 'स्काई फोर्स' ने दुनियाभर में 149 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

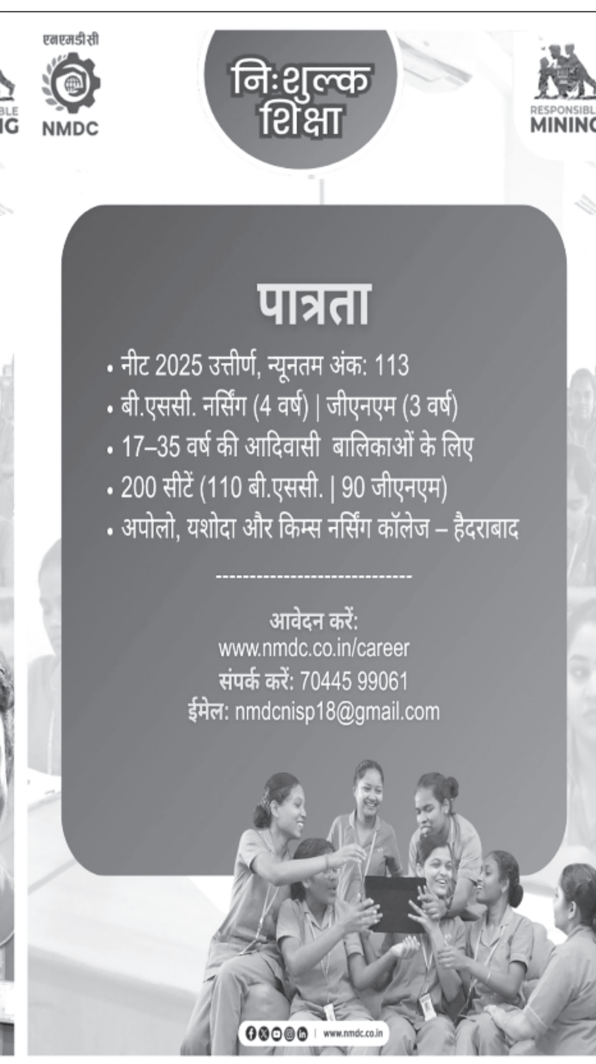

लंदन की सड़क पर 'बम बम' गाने पर किया डांस

लंदन। निक जोनस एक बार फिर से प्रियंका चोपड़ा के चाहने वालों का दिल जीतते नजर आ रहे हैं। उन्होंने एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया है जिसमें वो प्रियंका चोपड़ा की अपकमिंग फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' के लंदन प्रीमियर से ठीक पहले की है। सिंगर ने सोशल मीडिया पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके पीछे उनकी वाइफ छिपी है और जैसे ही वो कैमरे के सामने से हटते हैं, प्रियंका 'बम बम' गाने पर मटकने लगती हैं। अब एक बार फिर से लोगों ने इस कपल की तारीफ शुरू कर दी है। एक ने कहा- मैं इस कपल का फैन हूं। एक यूजर ने कहा- दोनों भी स्टनिंग। वहीं अन्य यूजर ने कहा- लेडीज, ऐसे ही मर्दों को पार्टनर बनाएं जो हमेशा उन्हें खुद से ऊपर रखें। एक और ने कहा- किसी भी बॉलीवुड कपल से अधिक खुश हैं ये दोनों। एक ने कहा- निक प्रियंका के चियरलीडर हैं। बताते चलें कि प्रियंका अपनी एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' की रिलीज के लिए तैयार हैं।

मालिक का गाना राज करेगा मालिक जारी

मुंबई। अभिनेता राजकुमार राव जल्द ही फिल्म 'मालिक' में नजर आएंगे। उनकी यह फिल्म 11 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म राजकुमार की जोड़ी पहली बार अभिनेत्री मानुषी छिल्लर के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। अब निर्माताओं ने फिल्म 'मालिक' का नया गाना 'राज करेगा मालिक' जारी कर दिया है। इस गाने के बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। 'राज करेगा मालिक' में राजकुमार का धांसू अवतार दिख रहा है, वहीं मानुषी जोरदार डांस करती नजर आ रही हैं। राजकुमार पहली बार गैंगस्टर बन बड़े पर्दे पर तहलका मचाने आ रहे हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान पुलकित ने संभाली है, वहीं फिल्म का निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

भारत सरकार एवं छत्तीसगढ शासन द्वारा संचालित

HDFC ERGO

मौसम – खरीफ 2025 फसल बीमा कराओ, सुरक्षा कवच पाओ!

अधिसुचित फसलें:
खरीफ: धान असिंचित, धान सिंचित, उड़द, मूंग, मूंगफली, कोदो, कुटुकी, मक्का, अरहर/तुअर, रागी, सोयाबीन

जरूरी दस्तावेज:
• नवीनतम आधार कार्ड कॉपी (पंजीयन केन्द्र पर दिखाने के लिए) • नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र (बी–1, पी–2) की कॉपी • बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर एकाउंट नंबर/आईएफएससी कोड/बैंक का पता साफ दिख रहा हो • फसल बुवाई प्रमाण–पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्वघोषणा पत्र • किसान का वैध मोबाईल नंबर • बटाईदार/कास्तकार/साझेदार किसानों के लिए फसल साझा/कास्तकार का घोषणा पत्र।

• किसान भाईयों से आग्रह है कि फसल बीमा की खरीफ मौसम के लिए अंतिम तिथि **31.07.2025** से पूर्व निकटतम राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ/लोक सेवा केन्द्र (CSC)/भारत सरकार की बीमा पोर्टल के माध्यम से फसल का बीमा करा सकते हैं।
• योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृषि अधिकारी/राजस्व अधिकारी/बैंक/CSC एवं एचडीएफसी क्षेत्रीय/जिला/तहसील कार्यालय से संपर्क करें।

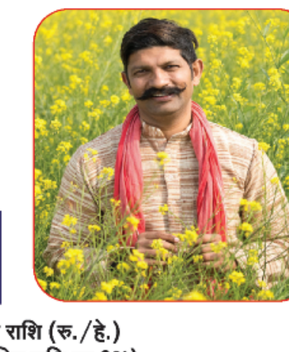

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना मौसम खरीफ 2025 के अन्तर्गत जिलावार/फसलवार बीमित राशि एवं कृषक द्वारा देय प्रीमियम राशि (रु./हे.)
(खरीफ 2025 मौसम के अन्तर्गत एचडीएफसी एर्गो को अधिकृत जिलों के अधिसूचित फसलों में बीमा के लिए देय प्रीमियम दर बीमित राशि का 2%)

स्थानीय आपदाएँ एवं फसल कटाई उपरान्त नुकसान होने पर 72 घंटों के भीतर अपनी फसल के नुकसान की सूचना यहाँ दें:
• राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ • लोक सेवा केन्द्र (CSC) • भारत सरकार की क्रॉप इंश्योरेंस ऐप। • जिला/विकसखण्ड/तहसील स्तर के कृषि/राजस्व कार्यालय • शिकायत निवारण पोर्टल टोल फ्री नम्बर 14447

टोल फ्री नंबर: 14447 ई–मेल: pmfbychhattisgarh@hdfcergo.com वेबसाइट: https://pmfby.gov.in/farmer

एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेन्स कंपनी लिमिटेड. आईआरडीएआई रजि. नं. 146, CIN: U66030MH2007PLC177117. पंजीकृत व कार्पोरेट कार्यालय: 6वीं मंज़िल, लीला बिजनेस पार्क, अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी (पू.), मुंबई – 400059. जोखिम घटकों, नियमों व शर्तों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया बिक्री के समापन से पूर्व सेल्स ब्रोशर/प्रॉसपैक्टस को पढ़ लें. यूआईएन: Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana - IRDAN125RP0003V01201617. UID: 17772.

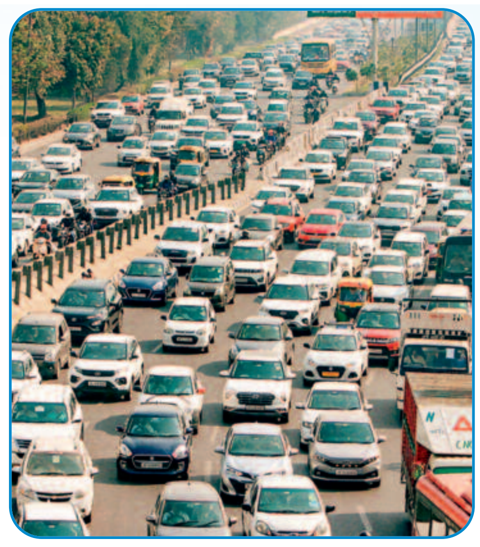

विशेषः विश्व जनसंख्या दिवस
11 जुलाई

पिछले दो-तीन दशकों में शहरी जनसंख्या के अनियंत्रित रूप से बढ़ने की वजह से लोगों का जीवन समस्याओं से घिरता जा रहा है। इससे साफ हवा-पानी की कमी, ट्रैफिक जाम, रहने के लिए असुविधाजनक आवास समेत कई तरह की परेशानियों के साथ लोग जीने के लिए बाध्य हैं। आने वाले वर्षों में उत्पन्न होने वाले गंभीर संकटों से बचने के लिए इन चुनौतियों पर गंभीरता से विचार करना होगा।

जीवन कठिन बना रही शहरों की बढ़ती जनसंख्या

कवर स्टोरी/शैलेंद्र सिंह

भारत में तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने लोगों के लिए आर्थिक अवसर तो पैदा किए हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि इससे लोगों के जीवन की गुणवत्ता में बहुत गिरावट आई है। यानी बढ़ते शहरीकरण ने शहरों में रहने वाले लोगों के जीवन को बहुत तकलीफदेह बना दिया है। ये पूरी दुनिया की समस्या नहीं बल्कि भारत और कुछ अन्य विकासशील देशों की ही है, जिसमें भारतीय उपमहाद्वीप में बांग्लादेश और पाकिस्तान भी शामिल हैं।

शहरों में नागरिक सुविधाओं की कमी

आजादी के बाद देश में तेजी से शहरीकरण बढ़ा और इस दौरान शहर, देश के आर्थिक अवसरों का केंद्र बन कर भी उभरे। लेकिन भारत में शहरों की तरफ गांवों से बहुत तेज पलायन हुआ, जिसने शहरों में जीवन जीने की स्थितियों को बहुत गहरे तक प्रभावित किया है। नागरिक सुविधाओं का देश के लगभग हर शहर में अभाव है। आज देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जो पूरी तरह साफ-सुथरा, खुला-खुला और नागरिक सुविधाओं से भरपूर हो। हर शहर में कुछ इलाके तो बहुत अच्छे हैं, लेकिन सभी शहरों के ज्यादातर हिस्से सुविधाओं की नजर से समस्याओं से ग्रस्त दिखते हैं। चाहे मुंबई हो, दिल्ली हो, बेंगलुरु हो या हैदराबाद। देश और दुनिया के ये बड़े-बड़े शहर आज बड़ी-बड़ी उपलब्धियों के गढ़ तो हैं, लेकिन इन बड़े शहरों में बहुसंख्यक लोग भीषण परेशानियों के बीच रह रहे हैं।

अनियोजित शहरीकरण

अपने देश में 80 के दशक के बाद से इतना तेज शहरीकरण हो रहा है कि देश का कोई भी शहर अपनी बढ़ने वाली जनसंख्या को ध्यान में रखकर नगर नियोजन का काम नहीं कर पा रहा है। हर शहर अगले 10 सालों तक जितनी जनसंख्या का अनुमान लगाकर नियोजन करता है, जनसंख्या हमेशा उससे दो से तीन गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि भारत के सभी बड़े शहर अनियोजित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। यहां तक कि कानपुर, लुधियाना, भोपाल, अमृतसर, कोल्हापुर और राजकोट जैसे मझौले शहर भी जनसंख्या के दबाव से इस कदर अव्यवस्थित हो गए हैं कि इनकी आधारभूत संरचना के मुकाबले कई गुना ज्यादा इन पर जनसंख्या का दबाव है। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगर लाख प्रयासों के बावजूद पिछले कई दशकों में अपने शहर की झुग्गी बस्तियां नहीं खत्म कर सके और न ही इन झुग्गी बस्तियों को साफ पानी, सीवर या बिजली की सुविधा दे सके हैं।

बढ़ते ट्रैफिक में फंसे शहर

आवास और बिजली, पानी की समस्या तो शहरों में है ही, लगभग सभी शहर आज सबसे बड़ी जिस समस्या से जूझ रहे हैं, वह है-सड़कों पर वाहनों की बेतहाशा वृद्धि। अंधाधुंध बढ़े वाहनों के कारण बेंगलुरु और मुंबई जैसे शहर तो थम से गए हैं। बेंगलुरु में पीक आवर्स में सड़कों पर यातायात बिल्कुल रेंगता है। 10 किलोमीटर की दूरी अकसर लोग कार से डेढ़ से दो घंटे में तय कर पाते हैं। यहां की सड़कें बिल्कुल चोक्ड हो गई हैं, उन पर क्षमता से 300 फीसदी से ज्यादा वाहन दौड़ रहे हैं। इसीलिए आज वहां की सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक की है। इससे भी खराब दशा मुंबई की है। मुंबई में पीक आवर्स में सड़क यातायात की रफ्तार 5 से 10 किलोमीटर प्रतिघंटा होती है। कमोवेश सभी शहरों का यही हाल है। यही वजह है कि आज हर एक घंटे में भारत के सिर्फ शहरों में 150 से लेकर 180 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं।

नागरिक सुविधाओं का अभाव

देश में बड़े शहर तेजी से फैल रहे हैं, जहां स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, कचरा प्रबंधन, सीवर और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं हर किसी के लिए नहीं हैं। सिर्फ कुछ लोगों के लिए ही हैं। शहरों की कुछ कालोनियों में ही नियमित रूप से साफ पानी आता है, सड़कें सपाट और चौड़ी हैं, स्कूल, अस्पताल आदि की सुविधाएं हैं। जबकि शहरों के बड़े हिस्से इन सुविधाओं से वंचित हैं। यही कारण है कि नागरिक सुविधाओं के नजरिए से देश के बड़े शहरों में पर्यावरणीय संकट भी विकट है। पिछले दो दशकों में लाखों की तादाद में पेड़ काटे गए हैं। बस्तियों के बीच मौजूद तालाब, नाले आदि सब पाट दिए गए हैं। शहरों के बीच से बहने वाली नदियों को सीवर में तब्दील कर दिया गया है। यही कारण है कि देश के बड़े शहर, वायु प्रदूषण, जल भराव, हीट वेव और घटते भू-जल स्तर की समस्याओं से दो चार हैं।

जीवन की गुणवत्ता में गिरावट और तनाव

देश के शहरों में आम लोगों का जीवन जिंदगी की गुणवत्ता से जंग कर रहा है। बहुसंख्यक शहरी लोगों के जीवन में मजबूत सामाजिक संबंध नहीं रहे। समय और जगह की कमी है। मानसिक बीमारियों का रेला है और खालीपन व असुरक्षा का लगातार घेरा बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण लोगों के आम जीवन में जबर्दस्त सामाजिक तनाव और असमानता व्याप्त है। कुल मिलाकर भारत में पिछले चार दशकों में जनसंख्या का जो तेज शहरीकरण हुआ है, उसके कारण हमारे शहरों की व्यवस्था को बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है। *

कोठरियों में रहते लोग

यूं तो हर शहर में कुछ चमचमाती हुई इमारतें होती हैं, कुछ बड़े-बड़े बंगले होते हैं। लेकिन शहरों का 70 से 75 फीसदी हिस्सा घरों का नहीं, कोठरियों या छोटे-छोटे दड़बों का जंगल बन गया है। मध्यम और निम्न वर्ग के लिए सस्ते घरों में गरिमामय आवास की कल्पना नहीं की जा सकती। मुंबई में तो 250 से 300 फीट के एक कमरे वाले फ्लैट लेना भी सपने जैसा हो चुका है, क्योंकि ये छोटे-छोटे दड़बे भी 40 से 50 लाख रुपए के मिलते हैं। भारत के लगभग सभी शहरों में प्राइवेट बिल्डर फ्लैट्स और कॉलोनियों की भरमार है, जहां रहने के लिए आवास को गरिमामय बनाने का कोई मापदंड नहीं है। यहां झुग्गियां, किराए के लिए मकान और अनधिकृत कॉलोनियों की अंतहीन रेंज हैं। दिल्ली में 80 से 90 लाख लोग अनधिकृत कॉलोनियों में और 30 से 35 लाख लोग झुग्गी बस्तियों में रहते हैं। जहां लोगों को न तो भावनात्मक सुरक्षा है और न ही मनोवैज्ञानिक निजता।

बदलाव / नरेंद्र शर्मा

इसमें संदेह नहीं कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में एआई की घुसपैठ बढ़ रही है। साहित्य, संगीत और कला में भी इसकी एंट्री हो चुकी है। लेकिन लाख कोशिश के बाद भी इससे निर्मित आर्ट प्रोडक्ट, हमारे मन को स्पर्श नहीं कर पाता है।

मन को नहीं छू पाता एआई का आर्ट प्रोडक्ट

आज पूरी दुनिया में इस आशंका का सवाल गहराता जा रहा है कि क्या एआई, कला से उसकी स्वाभाविक कल्पनाशीलता, मौलिकता और कलात्मकता छीन रही है? दरअसल, कला का मूल स्वभाव सृजन है। ऐसा सृजन, जो व्यक्ति की भावनाओं, संवेदनाओं, अनुभवों और कल्पनाओं से उपजता है। चित्रकला, संगीत, साहित्य, मूर्तिकला या रंगमंच। ये सभी विद्याएं मानवीय कल्पना शक्ति का विस्तार हैं। विविध रूपीय विस्तार। लेकिन अब एआई द्वारा कुछ ही सेकेंड में चित्र बनाए जा रहे हैं, कहानियां लिखी जा रही हैं, संगीत रचा जा रहा है, तो क्या ये सारी एआई से पैदा होने वाली कलाएं उस मानवीय कल्पनाशीलता की बराबरी करती हैं? यह सवाल इसलिए भी जरूरी है कि अगर वास्तव में ऐसा होता है तो लगता है कि आजतक के मानव विकास क्रम को मशीन यानी एआई ने एक झटके में अर्थहीन कर दिया है। लेकिन यह सोचना सही नहीं है।

भावनाहीन होते हैं एआई प्रोडक्टः एआई टूल हजारों पुराने चित्रों के डेटा के आधार पर नई पेंटिंग क्षणभर में बना दे रहे हैं। आप अगर इन एआई टूल्स से कहते हैं कि एक महिला जो समुद्र की लहरों से बनी है और जिसकी आंखों में तारे झिलमिला रहे हैं, ऐसी पेंटिंग बनाओ तो ये टूल्स एक क्षण में यह पेंटिंग्स बना करके हाजिर कर देंगे। लेकिन क्या ये पेंटिंग्स उस कलाकार की पेंटिंग जैसी होगी, जो समुद्र किनारे अपना पेंटिंग स्टैंड लगाए घंटों लहरों से आंखमिचौली करते हुए अपनी कल्पना में रंग भरता है। जी नहीं, बिल्कुल नहीं होगी। इस कलाकार की पेंटिंग्स में जो कलाकृति उभर कर आएगी, वह भावनाओं से संवाद करेगी। एआई की कल्पना ऐसा नहीं कर सकती। कलाकार की बनाई गई पेंटिंग संभावनाओं का आंकड़ा नहीं होगी, क्योंकि वह पहले से दुनिया में मौजूद किसी पेंटिंग की प्रतिकृति नहीं गढ़ रहा होगा, उसके मन में एक नई ही छवि मूर्तवत हो रही होगी, जो पहले नहीं होगी। जिसकी आंखों में कलाकार की भावनाएं, संवेदनाएं सब कुछ बोल रही होंगी। लेकिन एआई को यह सब नहीं करना। उसे अपने डाटा स्टोर में मौजूद आंकड़ों के मेल से एक नई फोटो कॉपी भर गढ़नी है। फर्क सिर्फ इतना होगा कि एआई किसी एक कलाकृति की बजाय बहुत सी कलाकृतियों को आपस में मिक्स करके उनसे एक नई कलाकृति निर्मित करने का भ्रम भर रचेगा। इसलिए कहा जा सकता है कि एआई कला का पुनरोत्पादन तो कर सकता है पर कला सृजन नहीं कर सकता। इसलिए एआई कलाकारों से उनकी कल्पनाशीलता नहीं छीन सकता।

अनुभूति को नहीं दे सकता शब्दः अब जीपीटी मॉडल हिंदी और अंग्रेजी में आदेश पर कविताएं लिख रहे हैं। मसलन, आप उनसे कहें एक प्रेम कविता लिखो, जिसमें बारिश भी हो, मन का उल्लास भी हो, तारे सितारे छूने की कल्पनाशीलता भी हो, तो वह शब्दों के उस ढांचे में जिसे कविता कहना कहीं से उचित नहीं होगा, में डाल तो देगा, लेकिन वे शब्द कभी दिल को नहीं छुएंगे। यह एक किस्म की मशीनी शब्द उत्पाद होगा। ऐसी कविता न कवि को खुशी देगी और न ही कविता सुनने वालों को कहीं से प्रेरित कर सकेगी। अगर यही प्रेम कविताएं होंगी, तो फिर कविता का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। इसलिए एआई कुछ भले कर लें या चाहे करता दिखे, लेकिन वह न तो इंसानी भावनाओं की नकल कर सकता है और न ही इंसानी अनुभूति को शब्द या कैनवास में उतार सकता है। एआई के लिए बारिश एक गतिविधि भर है और किसी कवि या कलाकार के लिए बारिश एक समूचा जीवन है, जीवन धड़कन है और उसकी एक-एक बूंद पर उसकी लाखों अनुभूतियों का बसेरा हो सकता है। कवि या कलाकार की रचना केवल शब्दों या रंगों का संगठन भर नहीं होगा, वो अनुभूति की एक जीवंत दुनिया होगी। इसलिए एआई कितनी भी तेज रफ्तारी से कला की प्रतिकृतियां रचने में चौंका रहा हो, पर कभी दिल और दिमाग को झंकृत नहीं कर पाएगी।

बनी रहेगी कला की जीवंतताः एआई के बारे में यही बात संगीत रचना, थिएटर और अभिनय आदि पर भी लागू होती है। एआई का कोई टूल किसी रंगमंच के अभिनेता की जगह नहीं ले सकता। एआई की सजगता, उसकी मशीनी चातुरी कभी किसी नाटक की स्क्रिप्ट की जगह नहीं ले सकती। एआई कला से या कलाकारों से उनकी कल्पनाशीलता या जीवंतता की अनुभूति कभी नहीं छीन सकती। *

जीवनशैली
भूपेंद्र भारतीय

सही नहीं हर बात पर साधे रहना चुप्पी

जिस तरह बेवजह और जरूरत से ज्यादा बोलना सही नहीं होता, उसी तरह जरूरत के समय ना बोलना या हमेशा चुप्पी साधे रहना भी नुकसानदेह होता है। इस मामले में सोच-समझकर एक संतुलन की जरूरत होती है।

मानव जीवन की सबसे सुंदर विशेषता है, उसे ईश्वर द्वारा मिली अभिव्यक्ति की शक्ति। अभिव्यक्ति को एक शक्ति ही माना जाना चाहिए, जो इस ब्रह्मांड में सिर्फ मानव को पूर्ण रूप में मिली है। लेकिन क्या हम अभिव्यक्ति की इस शक्ति का सही उपयोग कर पाते हैं? यह प्रश्न हमें स्वयं से पूछना चाहिए।

हो सकती हैं कई समस्याएंः सामान्य तौर पर अपनी बात कहना या फिर कुछ बोलना ही अभिव्यक्ति करना कहा जाता है। वहीं कुछ नहीं बोलना मतलब चुप रहना। हालांकि किसी मामले में चुप रहना भी अभिव्यक्ति का ही एक रूप माना जाता है, लेकिन जब जरूरत हो तब अपनी बात, विचार व्यक्त न करना, कई पारिवारिक और सामाजिक समस्याओं को जन्म दे सकता है। यही नहीं हमेशा चुप्पी साधे रखना मानसिक रोग की भी वजह बन सकती है। हर इंसान के जीवन में ऐसे अवसर अकसर आते रहते हैं, जब उसे चुप रहना पड़ता है। लेकिन क्या हमेशा चुप रहना, उसके आस-पास के परिवेश के लिए उचित होता है? यह प्रश्न ही यहां सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण है, जो चुप्पियों को जन्म देता है। ऐसी चुप्पियां हमें भारी नुकसान पहुंचाती हैं। हमें अंदर से धीरे-धीरे तोड़ती जाती हैं। हमें पल-पल कमजोर करती रहती हैं। सच्चाई यह है कि जरूरत से ज्यादा चुप्पियां, हमें प्रतिपल दीमक की तरह खोखला करती रहती हैं।

हमेशा ना रहें खामोशः प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'पंच परमेश्वर' का प्रसिद्ध कथन है, 'क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगे?' यह कथन उचित समय पर चुप्पियों को तोड़ने का बल देता है, वहीं यह संदेश भी देता है कि सही बात को बोलना ही चाहिए। भले ही छोटा-मोटा बिगाड़ हो जाए। लाख कोशिशों के बाद भी, एक न एक दिन कितनी भी बड़ी चुप्पी हो उसे तोड़ना ही पड़ता है, नहीं तो वह चुप्पी आपको तोड़ देगी।

हो सकते हैं महाविनाशः चुप्पी के कारण महाभारत जैसे युद्ध तक हो सकते हैं। दुर्योधन और दुःशासन के अनाचार के समय अगर भीष्म, द्रोणाचार्य और धृतराष्ट्र समेत दरबार में उपस्थित अन्य लोगों ने चुप्पी तोड़ दी होती, अनाचार को रोकने के लिए आवाज उठाई होती तो महाभारत कभी नहीं होता। इसी तरह धर्मराज युधिष्ठिर ने अपनी माता कुंती को महाभारत युद्ध के बाद कहा था, 'माता, कर्ण से जुड़ा सत्य आपने छुपाकर बहुत बड़ी गलती कर दी।'

चुप्पी साधने के कारणः चुप्पी साधने के अनेक कारण हो सकते हैं। हम डरते हैं कि हमारे बोलने से कोई नुकसान ना हो जाए। वह फिर मानव संबंधों का मामला हो या फिर सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक आदि से जुड़े मामले हों। हमारे सत्य बोलने से किसी को बुरा लग सकता है और हम अपने संबंधों को बिगाड़ना नहीं चाहते, किसी को नाराज नहीं करना चाहते। वास्तव में सत्य डरावना या फिर बुरा नहीं होता है। लेकिन हम सत्य की सुंदरता देख नहीं पाते। इसी सत्य की शक्ति के स्वरूप हजारी प्रसाद द्विवेदी अपने प्रसिद्ध उपन्यास 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में लिखते हैं, 'सत्य के लिए, किसी से भी न डरना, गुरु से भी नहीं, मंत्र से भी नहीं, लोक से भी नहीं, वेद से भी नहीं।' यह डर ही हमको बहुत सी बातें ना कहने के लिए विवश करता है कि चुप रहो। यह चुप रहना ही धीरे-धीरे चुप्पियों का बड़ा रूप ले लेता है और हमारे अंदर डर का एक मकड़जाल बन जाता है। हम यथार्थ से भागने लगते हैं।

बढ़ रही हैं जीवन में चुप्पियांः वर्तमान दौर में मोबाइल और इंटरनेट जैसी तकनीकी ने भी हमें चुप्पी और संवादहीनता की ओर बढ़ाया है। परिवार में हर कोई इन्हीं में व्यस्त रहता है। जहां संवाद नहीं वहां जीवन और समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। प्रसिद्ध संत तरुण सागर कहते हैं, 'समाज, परिवार और आपसी संबंधों से कभी संवाद बंद मत करो। जिस दिन आपने संबंधों में बोलना बंद किया, उस दिन से आपके संबंध धीरे-धीरे टूटना शुरू हो जाएंगे। इसलिए बोलना कभी बंद मत करना।' *

गजल
वसीम अहमद

करार आने लगा है

जो कुछ-कुछ एतबार आने लगा है
तो इस दिल को करार आने लगा है
जैसे-जैसे है उनसे अपनत्व जागा
मुसलसल उनपे प्यार आने लगा है
कि जब से घर में दर्पण आ गया है
उन्हें करना सिंगार आने लगा है
परस्पर दिल्लगी जब से बढ़ी है
तो रिश्तों में सुधार आने लगा है
हूं जब से उनको अपना मान बैठा
मेरे दिल को करार आने लगा है।
निगाहों को निगाहें पढ़ रही हैं
मुसलसल एतबार आने लगा है

व्यंग्य
सूर्यकुमार पांडेय

जिनका काम सूखी तनख्वाह से चल जाता हो, वे फिक्र न करें! किंतु जो सतत सेविंग में विश्वास रखते हैं, निलंबन उनके लिए राजकीय वरदान है। इसीलिए मूरख रोते हैं और ज्ञानी फरमाते हैं, काम विलंबित करो, निलंबित हो जाओ! फिर कोई और पार्ट टाइम कमाई वाला काम करो।

निलंबन में मजा है

वह सरकारी काम, काम नहीं होता, जो लंबित न रहे और वह सरकारी अफसर, अफसर नहीं, जो नौकरी में एक-दो बार निलंबित न रहे। सस्पेंड होना बुरा नहीं है। बुरा होता है, निलंबित होकर फटाफट बहाल हो जाना। निलंबित हुए बिना महंगाई भत्ता, नगर प्रतिकर भत्ता आदि बहुत सारे भत्ते मिल सकते हैं, मगर निलंबन भत्ता नसीब नहीं हो सकता।

जिनका काम सूखी तनख्वाह से चल जाता हो, वे फिक्र न करें! किंतु जो सतत सेविंग में विश्वास रखते हैं, निलंबन उनके लिए राजकीय वरदान है। इसीलिए मूरख रोते हैं और ज्ञानी फरमाते हैं, काम विलंबित करो, निलंबित हो जाओ! फिर कोई और पार्ट टाइम कमाई वाला काम करो। मेरे एक डॉक्टर मित्र हैं। अपने सीनियर अफसर से जान-बूझकर पंगा ले बैठे। सस्पेंड हो गए। अब शान से प्राइवेट प्रैक्टिस झाड़ रहे हैं। विभाग ने हर मुमकिन कोशिश की कि वह बहाल हो जाएं, वह खुद ही मुकर गए। सस्पेंशन रस का स्वाद उनके मुंह लग चुका है।

वह जानते हैं, सरकार दयालु है। एक-न-एक दिन पाई-पाई जोड़कर बुढ़ापे के वक्त उनकी चारपाई पर धर जाएगी। अब वह अपने उसी सस्पेंडक सीनियर अफसर को मासिक रूप से बंधी रकम पहुंचाते हैं। इसलिए नहीं कि बहाल हो जाएं, बल्कि इसलिए कि निलंबन बरकरार रहे। इस भांति दोनों सुखी और संपन्न हैं। डॉक्टर साहब की प्राइवेट प्रैक्टिस चल रही है, बड़े साहब की पब्लिक प्रैक्टिस। पारस्परिक सद्भावना सुदृढ़ है। जनसेवा और राजसेवा साथ-साथ चलायमान हैं।

मेरे एक और मित्र बड़े अफसर हैं। ऊंची पकड़ के चलते बरसों से एक ही जिले में अटके हुए हैं। उनके पास तरह-तरह के तिकड़मी डंडे हैं। पर वह पूरे जिले को एक ही डंडे से हांकते हैं। स्वभाव से मृदु हैं। अंदाज दोस्ताना है। मैं अकसर वार्तालाप की तलब उठने पर अपनी शामें जाया करने उनके सरकारी अजायब खाने पर पहुंच जाया करता हूं।

उस रोज गया, तो उनका चपरासी चौंकता हुआ बोला, 'अरे, आपको नहीं मालूम, अपने साहब तो हसबैंड होइ गए!'

अब चौंकने की बारी मेरी थी। मैं जानता था, साहब कुंआरे हैं। न सगाई, न न्यौता, न दावत!

यह साहब हसबैंड कब हो गए? दिमाग पर जोर डाला, तो समझ में आया कि यह साहब हसबैंड नहीं, सस्पेंड हो गए हैं। और सच भी यही है, हसबैंड ओर सस्पेंड होने में कोई खास फर्क नहीं होता। ये दोनों ही हो जाने के बाद आमदनी का एक हिस्सा किसी और की भेंट हो जाया करता है। तब कमाई के नए जरिए तलाशने ही पड़ जाते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी लघुकथाएं

अलका 'सोनी' की लघुकथाएं और कविताएं पत्र-पत्रिकाओं में छपती रहती हैं। सरल-सहज लहजे में वे जीवन की सूक्ष्म संवेदनाओं को अपने लेखन में व्यक्त करती हैं। हाल में छपकर आए उनके लघुकथा संग्रह 'हवा में बनती हैं नई जगहें' की लघुकथाओं में भी इसकी बानगी देखी जा सकती है। 'टूटा तारा' लघुकथा के जरिए लेखिका ने शहरी जीवनशैली की विडंबनाओं और उसके फलस्वरूप नई पीढ़ी की प्रकृति से बढ़ती दूरी को मार्मिक तरीके से उभारा है। इसी तरह 'जिंदगी का डिस्काउंट' लघुकथा में भी आधुनिक जीवनशैली में बिसरती जा रही खुशी और अपनेपन की परिभाषा पर प्रभावी तरीके से कटाक्ष किया गया है। 'पापा का कोना' लघुकथा भी बहुत हौले से हमारी निर्जीव होती जा रही संवेदना को स्पर्श करती है। इसमें नई पीढ़ी फादर्स डे मनाने के लिए इस कदर उत्साहित होती है कि उसे पुरानी पीढ़ी के अपने पिता ही सेलिब्रेशन में मिसफिट लगने लगते हैं और उनको किसी कोने में बैठने को कह दिया जाता है। कहने की जरूरत नहीं कि ये लघुकथाएं, हमें हमारे समय का प्रतिबिंब, बगैर किसी लाग-लपेट के दिखाने में सक्षम हैं। *

पुस्तकः हवा में बनती हैं नई जगहें (लघुकथा संग्रह), **लेखिकाः** अलका सोनी, **मूल्यः** 150 रुपए, **प्रकाशकः** मेधा बुक्स, दिल्ली

जैकेट के शेष

28 आबकारी अफसरों ....

पार्ट बी की शराब आपूर्ति कंपनियों के माध्यम से - पार्ट बी में देशी शराब आपूर्ति करने की जिम्मेदारी अदीप अंपायर से जुड़े अमित सिंह तथा अनुराग ट्रेडर्स से जुड़े अनुराग द्विवेदी, सत्येंद्र प्रकाश गर्ग,नवीन गुप्ता द्वारा की जाती थी। इन लोगों द्वारा बगैर बिल के या ओवर इनवाइस जारी कर शराब आपूर्ति की जाती थी। अदीप अंपायर की असल मालिक अरविंद सिंह की पत्नी पिंकी सिंह को बताया गया है।

तीन साल में 60 ....

मुंगेली, जांजगीर-चांपा, कोरबा, बेमेतरा तथा रायगढ़ जिले में पार्ट-बी के माध्यम से 60 लाख 50 हजार पेटी शराब पहुंचाई गई।

गिरपुंजे की शहादत ....

जा रही हैं। वहीं कोंटा थाना से मिली जानकारी अनुसार 7 लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया गया हैं।

मुठभेड़ में मारा ....

स्थल की सर्चिंग में एक वर्दीधारी पुरुष नक्सली का शव व हथियार बरामद किया गया है। आईजी ने कहा चूकिं अभी भी मुठभेड़ जारी है, इसलिए अभियान में शामिल जवानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अधिक जानकारी साझा नहीं की जा सकती। अभियान पूर्ण होने के बात विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

दीवार से टकराई एसयूवी ....

बेटी ऐश्वर्या (तीन), सचिन (22), गणेश (एक), कोमल (18), मधु (20) और कार चालक रवि (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि देवा (24) और हिमांशी (दो) का इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक देवा की हालत गंभीर है जबकि हिमांशी खतरे से बाहर है।

20 साल बाद ....

उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम हनुमान चालीसा, जय श्री राम के विरोधी नहीं हैं, लेकिन आपको मराठी से क्या दिक्कत है? मुंबई की ज़्यादातर जमीन अडानी ने हड़प ली है।

कार्यकाल की चिंता ....

चुनौती होती हैं। कहीं चट्टानों से टकराना है, कहीं आंधियों से टकराना है। मैं चुनौतियों से नहीं डरता।

0 आखिर दीपक बैज टकरा किससे रहे हैं, भाजपा से या फिर अपनी ही पार्टी के लोगों से, इसके संबंध में तो कुछ स्पष्ट कीजिए

00 मेरी लड़ाई अपनों से नहीं है। मैं अध्यक्ष हूं लेकिन उम्र में देखा जाए तो सीनियर नेताओं से कम हूं। छोटे भाई के रूप में अगर कोई मुझे डांट भी दे तो कोई परेशानी नहीं। मेरी लड़ाई सिर्फ भारतीय जनता पार्टी से है, वह भी मुद्दों के आधार पर है। विचारधारा और सिद्धांत के आधार पर है।

0 आपने कहा आपकी लड़ाई अपनों से नहीं है। छत्तीसगढ़ में अरसे बाद एक आदिवासी विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री बने हैं। विष्णुदेव साय कितने अपने लगते हैं दीपक बैज को?

00 जब भाजपा बहुमत में आई तब भी मैंने कहा था कि आदिवासी मुख्यमंत्री होना चाहिए। शपथ ग्रहण के बाद भी मैंने बधाई दी, लेकिन मैंने कहा कि जल जंगल जमीन और खनिज संसाधन को बचाकर रखना चाहिए। शपथ ग्रहण के दूसरे दिन हसदेव का जंगल कटने लगा। बैलाडीला के दो आयरन ओर बिक गए। कोरंडम की खदानें बिक गई। तमनार के कोल माइंस में पेड़ काटे जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय वैसे भी अपने आप को आदिवासी नहीं मानते। वे जनजातीय मुख्यमंत्री कहते हैं। आदिवासी दिवस के दिन समाज के कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए।

0 आप विष्णुदेव साय को मीडिया के माध्यम से ही बधाई देते हैं या कभी फोन भी करते हैं? या डर लगता है कि फोन पर बात करने को लोग अन्यथा तो नहीं ले लेंगे?

00 देखिए डरता तो मैं किसी से नहीं हूं। जहां मुझे लगता है मैं गलत हूं मुझे सिर झुकाने में भी समस्या नहीं है। जहां मुझे लगता है मैं गलत नहीं हूं तो फिर गोली खाने से भी नहीं डरता। अब तक तो एक बार एयरपोर्ट में ही मुख्यमंत्री से मुलाकात हुई है। मुलाकात होगी भी तो कोई दिक्कत नहीं है। राजनीति में मुद्दों की लड़ाई होती है।

0 क्या दीपक बैज को यह अखरता नहीं कि आप एक प्रमुख राजनीतिक दल के प्रदेश अध्यक्ष हैं। मुख्यमंत्री अपने दल के नेता हैं, डेढ़ साल में ढंग से बैठना भी न हो सका? ऐसी क्या दूरियां आ गई हैं?

00 दूरियां तो नहीं हैं। मैं कोई एके 47 तो लेकर नहीं घूम रहा हूं कि सामने आ जाएं तो गोली मार दूं। पर कभी ऐसा अवसर नहीं आया। अवसर कभी आएगा तो बैठेंगे। हमारी लड़ाई छत्तीसगढ़ के हित को लेकर मुद्दों को लेकर है। विचारधारा और सिद्धांतों की लड़ाई है, व्यक्तिगत लड़ाई तो है नहीं।

0 विष्णुदेव साय के मुख्यमंत्री रहते यह उम्मीद राष्ट्रीय स्तर पर बंधी कि बस्तर नक्सल मुक्त होने जा रहा है। नक्सल मोर्चे पर क्या वाकई सरकार निर्णायक युद्ध जीतने जा रही है?

00 यह पहली दफा नहीं है जब कोई डेडलाइन दिया गया हो। 2014 में केंद्र में भाजपा की सरकार बनी उसके बाद अलग अलग डेडलाइन दिए जाते रहे। अब 2026 की बात कही जा रही है। ठीक है अब 2026 में देखेंगे। हम सभी चाहते हैं कि बस्तर में शांति होना चाहिए। निर्दोष आदिवासी नहीं मारे जाएं, यह ध्यान रखना चाहिए। नक्सली सफाये की आड़ में कहीं हमारे खनिज संसाधनों की ओर तो नजर नहीं है। आज नक्सली तो साफ हुए नहीं, दो माइंस बिक गए। बीजापुर में कोरंडम के लिए बफर जोन है, वहां भी खनन की अनुमति दे दी गई।

0 अभी बस्तर में जो मारे जा रहे हैं वह नक्सली हैं या निर्दोष आदिवासी?

00 कुछ तो सही एनकाउंटर हुआ है. उससे हमें कोई दिक्कत नहीं है। 5 से 6 एनकाउंटर में निर्दोष आदिवासी भी मारे गए हैं। अभी आईटीआर में 7 नक्सलियों को मारने का सरकार ने दावा किया। 6 नक्सली थे, एक रसोइए को मार दिया गया। हर महीने उसके खाते में पैसा जमा हो रहा था। गांव से लेकर गए और मार दिए। नक्सली घोषित कर दिए। हमारा विरोध इसी बात को लेकर है। आप ओरिजिनल टारगेट कीजिए कौन रोका है, लेकिन नक्सलियों की आड़ में निर्दोष आदिवासियों को मारेंगे वह हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

0 आपको इस बात पर ऐतराज है कि नारायणपुर में अगर टीचर नहीं हैं और राजनांदगांव में सरप्लस हैं तो वहां नहीं भेजा जाना चाहिए?

00 टीचर भेजे जाने पर हमें कोई आपत्ति नहीं हैं, लेकिन दुश्मनी के नाम पर नहीं भेजे जाने चाहिए। युक्तियुक्तकरण के अनुसार अगर कहीं टीचर्स की कमी थी तो आसपास के जिलों से भी पूर्ति की जा सकती थी। कांग्रेस की सरकार में हमने तीन सौ स्कूलों को प्रारंभ किया था। पहले भी तो वहां पढ़ाई चल रही थी। शिक्षकों के 58 हजार पोस्ट खाली हैं, क्यों भर्ती नहीं की जा रही? सरकार युवाओं को नौकरी देना नहीं चाहती, इसलिए स्कूल बंद कर रहे हैं।

0 आप विष्णुदेव साय सरकार को सही रास्ता दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। क्या ऐसी ही कोशिश कांग्रेस की सरकार में भी आपने की थी?

00 बिल्कुल.. हमारी सरकार में तो बंद स्कूलों को फिर से शुरु किया गया। दंतेवाड़ा, नारायणपुर में स्कूल खोला गया। मैं ये भी बता देता हूं कि जो 10 हजार स्कूल भाजपा के शासन में बंद हुआ, उन्हें भी हम दोबारा शुरु करेंगे।

0 आप आगे तो बढ़ रहे हैं, लेकिन सबक ले रहे हैं कि नहीं 6 पदयात्राएं की आपने तो क्या निकला? उस समय की कोई गलतियां निकलकर आई कि नहीं?

00 अगर हमसे कोई कमियां रही तो उसे ठीक करेंगे। कमियों को दूर किया जाएगा।

0 लोग आपको आपका संगठन तो बनाने नहीं दे रहे हैं, ठीक कैसे करेंगे?

00 एक साथ हमें पूरे संगठन को नहीं बदलना है। अगर कहीं काम ठीक नहीं हो रहा है, तो उसे ठीक करना है। जो अच्छा काम कर रहे हैं, उन्हें काम करने देना चाहिए। जहां लगता है कि दूसरे को अवसर देना चाहिए, वहां अवसर दे रहे हैं। आने वाले समय में भी परफॉर्मेंस के आधार पर अवसर देना है, तो देंगे। हमारा दरवाजा तो सबके लिए हमेशा खुला हुआ है।

0 ये कैसा दरवाजा खोल रहे हैं आप कि खबर छपती है दीपक बैज का मोबाइल तक चोरी हो जाता है?

00 फोन चोरी हो गया तो हो गया। इस राज्य में सवाल तो यही है कि राजीव भवन जैसे स्थान में भी असामाजिक तत्व हमारी मीटिंग में आकर फोन चोरी कर ले जाते हैं। यही तो हम बोल रहे हैं कि भाजपा के राज में असामाजिक तत्वों का मनोबल बढ़ा हुआ है। खुलेआम बैंक लूटे जा रहे हैं। खुलेआम चेन स्नेचिंग हो रहा है, चाकू मारे जा रहे हैं।

0 मोबाइल चोरी होने से कितना परेशान हुए दीपक बैज? ऐसा तो नहीं कि पार्टी की अंदरूनी राजनीति में किसी ने आपका मोबाइल पार करा दिया?

00 मोबाइल में मुझे कांटेक्ट नंबर और फोटोज की चिंता थी। कुछ यादगार तस्वीरें थी। हमारे राजनीतिक कार्यक्रमों के फोटो थे। भाजपा के लोग मुझसे ज्यादा परेशान हुए तो मैंने कहा कि मेरे पास एक और मोबाइल है। अगर कोई देखना चाहे तो ले जाए, बशर्ते वह भी अपना फोन हमारे पास छोड़ जाए।

0 खड़गेजी के दौरे से दीपक बैज अपने लिए क्या उम्मीद बांध पा रहे हैं?

00 खड़गेजी के आने से छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पक्ष में एक अच्छा माहौल बनेगा। खड़गेजी का कार्यक्रम ऐतिहासिक रहेगा। बस्तर से लेकर सरगुजा तक लोग इसमें शामिल होंगे। राज्य सरकार की नाकामियों के मुद्दों को जनता तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। हमारी ताकत बढ़ेगी। हमारे भीतर नई ऊर्जा का संचार होगा।

0 विधानसभा में हार के बाद से आपके हटने की चर्चा होती है। क्या खड़गे जी का दौरा यह विश्वास दिला पाएगा कि 12 जुलाई 2026 तक दीपक बैज का कार्यकाल है। तब तक तो सोचिए भी मत।

00 मुझे मेरे कार्यकाल की कोई चिंता नहीं है। न कभी था, न है, न आगे रहेगा। सरकार की नाकामियों को लेकर लड़ाई लड़ना ही मेरा मकसद है। बस्तर के एक आदिवासी युवा को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। यह हमारे लिए एक चुनौती भी है। हमारी कोशिश है कि पार्टी की उम्मीदों पर हम खरे उतरें।

0 खड़गे जी तो आ ही रहे हैं। जेपी नड्डा भी आ रहे हैं। बड़ा अद्भुत संयोग है। छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय नेताओं के लिए कितना महत्वपूर्ण हो गया है। दोनों पार्टियों के राष्ट्रीय अध्यक्ष एक ही दिन यहां आ रहे हैं।

00 यह संयोग नहीं है। इसे संयोग बनाया गया है। हमारा कार्यक्रम तो लगभग 15 दिन पहले से फिक्स हो गया था। हमारे कार्यक्रम के जवाब में भाजपा ने चिंतन शिविर रखा है। मजबूरी में उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष बुलाना पड़ा है। भाजपा घबराई हुई है। इसीलिए तो भीड़ को लेकर भी लगातार टिप्पणी कर रहे हैं। मैंने तो कहा एक-एक मंत्री को एक-एक गेट पर लगा तो गिनते रहेंगे हमारे कार्यक्रम में कितने लोग आ रहे हैं। जैसे जैसे 7 तारीख नजदीक आ रहा है, भाजपा के नेताओं का बीपी बढ़ता जा रहा है।

0 खड़गे जी के जाने के बाद दीपक बैज क्या करेंगे? उतना ही पसीना बहाएंगे? बस्तर से बाहर निकलकर आगे भी पदयात्रा करेंगे? क्या इरादा है?

00 प्रदेश में 250 किलोमीटर से अधिक पदयात्रा हो चुकी है। बलौदाबाजार से लेकर बिलासपुर और मुंगेली से लेकर बस्तर तक पदयात्राएं हुई। आने वाले समय में वृहत रूप से अन्य जिलों में भी पदयात्राओं की हमने तैयारी की है। बारिश के बाद अन्य जिलों में भी न्याय यात्राओं की शुरुआत होगी। अगले तीन साल सतत रूप से यात्राएं चलती रहेंगी।

सात साल पहले....

मारी। खेमका के परिवार के सदस्यों के अनुसार, उनके बेटे की भी छह वर्ष पहले हाजीपुर में अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। बिहार की राजधानी पटना के बड़े उद्योगपति गोपाल खेमका की शुक्रवार रात 11:45 बजे सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद से राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। बड़ा सवाल यह है कि उद्योगपति के बेटे की हत्या 7 साल पहले हुई थी। आखिर बेटे की हत्या के बाद पिता के मर्डर की घटना में क्या कोई कनेक्शन है? खेमका के कुछ रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मी घटना के करीब दो घंटे बाद मौके पर पहुंचे। बयान में कहा गया, नीतीश ने संबंधित अधिकारियों को खेमका की हत्या के मामले की जांच जल्द से जल्द पूरी करने का निर्देश दिया।

2018 में की गई ....

गुंजन के ड्राइवर को लगी थी, जबकि दो गोलियां गुंजन खेमका को लगी थीं। गुंजन की कार में मौके पर ही मौत हो गई थी। इस वारदात के बाद पुलिस ने मस्तू सिंह नामक अपराधी को गिरफ्तार भी किया था। उसे जेल भेजा। आरोपी मस्तू के जेल से बाहर आने के बाद उसकी भी हत्या कर दी गई थी। ऐसे में बड़ा सवाल है कि एक ही परिवार के दो लोगों की हत्या के पीछे कोई गहरी साजिश है? बहरहाल, इस हत्याकांड के बाद से परिजनों में काफी गुस्सा है।

राशिफल

मेष — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ सन्तोषजनक रहेगा।

वृष — रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। मानसिक शान्ति रहेगी।

मिथुन — नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। यात्रा पर जाना पड़ सकता है। खर्चों से परेशान हो सकते हैं। परिश्रम की अधिकता रहेगी। मांगलिक कार्य होंगे।

कर्क — कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। सेहत का ध्यान रखें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कुटुम्ब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। परिश्रम अधिक होगा।

सिंह — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। धार्मिक संगीत के प्रति रुचि हो सकती है।

कन्या — मित्रों का सहयोग मिल सकता है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। मन अशान्त रहेगा। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

तुला — पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

वृश्चिक — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा। वस्त्रों आदि के प्रति रुझान बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी।

धनु — किसी पुराने मित्र से पुन:सम्पर्क हो सकता हैं। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। स्वास्थ्य विकार रहेंगे।

मकर — नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती हैं।

कुंभ — स्थान परिवर्तन भी सम्भव है। खर्च बढ़ेंगे। मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु अपनी भावनाओं को वश में रखें। क्रोध की तीव्रता में कमी आएगी।

मीन — कारोबार में विस्तार के लिए निवेश कर सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। माता से भी धन प्राप्ति हो सकती है। धन की स्थिति में सुधार होगा। मान सम्मान बढ़ेगा।

पेज एक के शेष

14 हाथियों के दल ने मैनपाट...

शिविर के आसपास मंडरा रहा है। एक दो नहीं बल्कि पूरे चौदह हाथियों का दल पिछले तीन-चार महीनों से मैनपाट में डेरा जमाए बैठा है।

नड्डा विशेष विमान से अंबिकापुर ...

केंद्रीय मंत्री अमित शाह आएंगे। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं के भी सत्र होंगे। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने पहली बार छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के पूरे मंत्रिमंडल, विधायकों और सांसदों के लिए एक तीन दिनों के प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया है। इस प्रशिक्षण वर्ग में जहां भाजपा की रीति-नीति पर बात होगी, वहीं विधायकों को यह मार्गदर्शन दिया जाएगा कि वे अपना प्रदर्शन कैसे और बेहतर कर सकते हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव में बहुत विधायक नए चुनकर आए हैं। इनको इस मार्गदर्शन का लाभ मिलेगा। अंतिम दिन जिला पंचायत के अध्यक्ष और महापौर भी प्रशिक्षण वर्ग का हिस्सा बनेंगे।

तिब्बती मोनेस्ट्री में रहेंगे सभी : प्रशिक्षण वर्ग चूंकि आवासीय होता है, इसलिए मैनपाट में तिब्बती मोनेस्ट्री को इसके लिए चुना गया है। वहां पर सारी तैयारी कर ली गई है। यहां प्रशिक्षण लेने वाले सभी 54 विधायक, 11 सांसदों के साथ ही अन्य कुछ लोग रहेंगे। यहां पर जहां रहने के लिए 120 कमरे हैं। वहां प्रशिक्षण वर्ग के लिए एक बड़ा हाल भी है, जहां पर प्रशिक्षण वर्ग होगा। सभी होटल रिसोर्ट बुकः चूंकि तीन दिनों तक पूरी भाजपा सरकार मैनपाट में रहने वाली हैं तो ऐसे में मुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधायकों और सांसदों के साथ रहने वाला स्टाफ, सुरक्षा अधिकारी भी रहेंगे। इनके रहने की भी व्यवस्था की गई है। इसके लिए मैनपाट के ही निजी होटल और रिसोर्ट को बुक किया गया है। करीब पांच सौ से ज्यादा लोगों के रहने की व्यवस्था की गई है।

सांप से भी खतरनाक ...

गली-मोहल्ले से लेकर व्यस्त सड़कों में भी उनके झुंड लोगों को अपना शिकार बनाने के लिए मौके की तलाश में रहते हैं। इनका हमला अनायास होता है जिससे इनके काटने के अलावा राहगीर दूसरी तरह की घटनाओं के शिकार भी हो जाते है। पिछले महीने से डॉग बाइट की घटनाओं में काफी इजाफा हुआ है और सरकारी अस्पतालों में रोजाना मरीज एंटी रैबीज वैक्सीन की आस लेकर पहुंच रहे हैं।

डीएसपी की नीली बत्ती ..

जिसका वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हुआ।

बड़ी संख्या में म्यामां शरणार्थी पहुंचे मिजोरम : आइजोल। म्यांमा में दो विरोधी गुटों के बीच भीषण गोलीबारी के बाद मिजोरम के चंफाई जिले में शनिवार को बड़ी संख्या में शरणार्थी पहुंचे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक म्यांमा के खावमावी में लोकतंत्र समर्थक दो समूहों चिन नेशनल डिफेंस फोर्स और चिनलैंड डिफेंस फोर्स (सीडीएफ)-हुआलंगोरम के बीच गोलीबारी हुई, जिसके कारण स्थानीय लोगों को मिजोरम के चंफाई के जोखावथर गांव में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
'मिनी रत्न कम्पनी'
(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)

सूचना

एसईसीएल द्वारा सामग्रियों, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद के लिए जारी निविदाऐं एसईसीएल की वेबसाईट http://www.secl-cil.in, कोल इंण्डिया के ई-प्रोक्यूमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in और सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीदी का कार्य किया जाता है। एसईसीएल के माईनिंग सर्विसेस की निविदायें भी अब जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।

कार्यालय नगर पंचायत कुरूद, जिला-धमतरी (छ.ग.)
पता-पुराना बाजार चौंक - कुरूद, फोन - 7705-223149, फैक्स-7705-223535, Email-kurudnp@gmail.com

क्रमांक /1714/ लो.नि.वि./ ऑ.नि.आ.सू./2025-26 कुरूद, दिनांक 04/07/2025

-:: ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना ::-

नगर पंचायत कुरूद अंतर्गत वार्ड क्रमांक 15 नवीन नगर पंचायत कार्यालय निर्माण कार्य लागत राशि 168.30 लाख रू. टेण्डर सिस्टम नंबर 171602 हेतु छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार/ फर्म हेतु आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसमें Bid Due Date 25.07.2025 सायं 5.30 बजे एवं Physical Doc Submission End Date 28.07.2025 सायं 5.30 बजे निर्धारित है। उपरोक्त निविदा की नियम एवं शर्ते, अमानत राशि, निविदा प्रपत्र शुल्क, समयावधि एवं निविदा संबंधित दस्तावेज व कार्य से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय के लोक निर्माण शाखा से प्राप्त की जा सकती है, साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट uad.cg.gov.in एवं ई-प्रोक्युरमेंट पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in/ से भी डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत कुरूद
जिला- धमतरी (छ.ग.)

ईश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि ग्राम बरबसपुर, बड़गांव, बिरकोनी एवं घोड़ारी तहसील व जिला महासमुंद में खनिज एवं राजस्व विभाग द्वारा खनिज रेत के अवैध भण्डारण में कार्यवाही करते हुये अवैध रूप से भण्डारित रेत को जप्त किया गया है। उक्त जप्त रेत निजी भूमि एवं शासकीय भूमि में भण्डारित किया गया है। निजी भूमि स्वामीयों को जारी नोटिस में प्रायः देखा जा रहा है कि उक्त रेत का भण्डारण भूमि स्वामी द्वारा नहीं किया गया है एवं अज्ञात व्यक्ति द्वारा बिना अनुमति के भण्डारण किया जाना बताया जा रहा है।

अतः ग्राम बरबसपुर, बड़गांव बिरकोनी एवं घोड़ारी तहसील व जिला महासमुंद तहसील व जिला महासमुंद में निजी भूमि तथा शासकीय भूमि में भण्डारित रेत के संबंध में दावा-आपत्ति इस सूचना प्रकाशन के 03 दिवस भीतर कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) महासमुंद में कार्यलयीन समय 10.00 बजे से 5.30 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है।

निर्धारित समय-सीमा समाप्ति के पश्चात किसी भी प्रकार का दावा आपत्ति मान्य नहीं होगा।

खनि अधिकारी
जिला - महासमुंद

G-252602015/1

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सरायकेला

पत्रांक 759 / सरायकेला, दिनांक 03.07.2025

:: शुद्धि पत्र ::

इस कार्यालय के पत्रांक 690, दिनांक 18.06.2025 के द्वारा आमंत्रित निविदा (e-Procurement) notice no. RDD/SD/SKELLA/03/2025-26 को अपरिहार्य कारण से निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है, जिसका PR. No. 355446 (Rural Development) 25-26(D) हैं।

क्र०सं०		संशोधित तिथि
3	ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	दिनांक 10.07.2025 से दिनांक 17.07.2025 अपराहन 05:00 बजे तक
5	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 19.07.2025 अपराहन 02:00 बजे तक

अन्य शर्त्ते पूर्ववत् रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सरायकेला

PR 356622 (Rural Development)25-26*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, सिमडेगा

ई-प्रोक्योरमेंट सूचना
(प्रथम आमंत्रण)

ई-टेन्डर रेफरेंस नं०-प०नि०वि० / सिमडेगा / 02 / 2025-26 दिनांक-05.07.2025

1.	कार्य का नाम	पथ प्रमण्डल सिमडेगा अंतर्गत "सिमडेगा-सेवई-किंकेल-कुरडेग-कुटमाकछार-छत्तीसगढ़ सीमा तक पथ (MDR-044) (कुल लंबाई 63.20कि.मी.)का राईडिंग क्वालिटी में सुधार (IRQP) कार्य।
2.	प्राक्कलित राशि (रूपया में)	रूपया 38,00,34,800.00 (अड़तीस करोड़ चौंतीस हजार आठ सौ) मात्र।
3.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	08 (आठ) माह।
4.	बेबसाईड पर निविदा प्रकाशन की तिथि	17.07.2025 को पूर्वाह्न 10.30 बजे से।
5	ऑनलाईन निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	28.07.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक।
6.	ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय	30.07.2025 को अपराह्न 12.30 बजे तक।
7.	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, सिमडेगा-835223
8.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	82358-16924
9.	ई-प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	0651-2401010

नोट :- 1. प्राक्कलित राशि घट-बढ़ सकती है।
2. विशेष जानकारी के लिये http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
3. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-शुल्क भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी जवाबदेही आपकी होगी।

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, सिमडेगा

PR 356590 (Simdega) 25-26 (D)

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
SOIL INVESTIGATION DIVISION,
ADVANCE PLANNING, ROAD CONSTRUCTION
DEPARTMENT,RANCHI
NirupanBhawan,3rd Floor,Room No. 401,56-Set,
Doranda,Ranchi-834002

e-Procurement (Very Short Tender Notice)
Letter of Invitation (LOI) No.-17/2025-26 2nd Call
e-Tender Ref No:-RCD/SID/AP/RAN/17/2025-26 Date:- 03.07.2025

1	Name Of Work	Consultancy Services for Preparation of Detailed Project Report for widening & Strengthening/Reconstruction of Road from Bandhdih Tracker Stand to Surajmore including replacement/New Proposal of Culverts, Bridges, ROB's, RUB's, Complete Land Acquisition Plan including Ownership details all complete as per latest guidelines, Resettlement and Rehabilitation Proposal, Forest Diversion Proposal and Utility Shifting Proposal in details etc. as required by the Department (If any) under Bokaro District in the State of Jharkhand. (Tetative Length 07.00 K.m.) *Empanelled consultant with RCD under category-I vide letter No. 3063(S) WE Dated 22.08.2022are allowed to Bid.
2	Tentative Length	07.00 K.m
3	Period of Completion of Work	30 Days
4	Cost of Tender documents	Rs 5,000/- (Five Thousand) only. Non refundable Fee.Tender fee will be recived through online mode only. The quotationershave to deposit a fixed amount of Rs 15,000 as Earnest Money. As per the Departmental Letter no-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit be received in online mode only through e-procurement (http://jharkhandtenders.gov.in) by internet banking/NEFT/RTGS facility as per Standard Operating sistim Procedure (SOP) issued by Information Technology & eGovernance Department, Government ofJharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023.
5	Mode of Bid Submission	e-tendering(http://jharkhandtenders.gov.in)
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	07.07.2025,10:30 AM
7	Last Date/Time of Bid Submission	14.07.2025 12:00PM
8	Last Date/Time of Submission of Tender Fee & EMD	14.07.2025 12:00PM
9	Date and Time of Bid opening	15.07.2025 12:30 PM
10	Bid validity	120 days
11	Bid Submission Address	Chief Engineer(Communication),Road Construction Department,1st Floor, Engineer Hostel No.-2, Dhurwa, Ranchi-834004
12	Designation and Contact no. of Tender inviting Officer	Executive Engineer, Soil Investigation Division,Advance PlanningRCD, Ranchi Mob- 9905660677.
13	PR No.-	355123 Road (2025-26) : D

Note:-Only e-Tender shall be accepted.

Sd./-
(Ravi Shankar Pravakar), Executive Engineer,
Soil Investigation Division, Advance Planning,
Road Construction Department,Ranchi

PR 356604
Road(25-26)#D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
SOIL INVESTIGATION DIVISION,
ADVANCE PLANNING, ROAD CONSTRUCTION
DEPARTMENT,RANCHI
Nirupan Bhawan,3rd Floor, Room No. 401,56-Set,
Doranda, Ranchi-834002

e-Procurement (Very Short Tender Notice)
Letter of Invitation (LOI) No.-15/2025-26, 2nd Call
e-Tender Ref No:-RCD/SID/AP/RAN/15/2025-26 Date:- 03.07.2025

1	Name Of Work	Consultancy Services for Preparation of Detailed Project Report for widening & Strengthening/Reconstruction of Road from Manpur to Bengal border via Bhojdih including replacement/New Proposal of Culverts, Bridges, ROB's, RUB's, Complete Land Acquisition Plan including Ownership details all complete as per latest guidelines, Resettlement and Rehabilitation Proposal, Forest Diversion Proposal and Utility Shifting Proposal in details etc. as required by the Department (If any) under Bokaro Districtin the State of Jharkhand. *Empanelled consultant with RCD under category-I vide letter No. 3063(S) WE Dated 22.08.2022are allowed to Bid.
2	Tentative Length	08.00 K.m
3	Period of Completion of Work	30 Days
4	Cost of Tender documents	Rs 5,000/- (Five Thousand) only. Non refundable Fee.Tender fee will be recived through online mode only. The quotationershave to deposit a fixed amount of Rs 15,000 as Earnest Money. As per the Departmental Letter no-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit be received in online mode only through e-procurement (http://jharkhandtenders.govin) by internet banking/NEFT/RTGS facility as per Standard Operating sistim Procedure (SOP) issued by Information Technology & eGovernance Department, Government of Jharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023.
5	Mode of Bid Submission	e-tendering(http://jharkhandtenders.gov.in)
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	07.07.2025,10:30 AM
7	Last Date/Time of Bid Submission	14.07.2025 12:00PM
8	Last Date/Time of Submission of Tender Fee & EMD	14.07.2025 12:00PM
9	Date and Time of Bid opening	15.07.2025 12:30 PM
10	Bid validity	120 days
11	Bid Submission Address	Chief Engineer(Communication),Road Construction Department,1st Floor, Engineer Hostel No.-2, Dhurwa, Ranchi-834004
12	Designation and Contact no. of Tender inviting Officer	Executive Engineer, Soil Investigation Division,Advance PlanningRCD, Ranchi Mob- 9905660677.
13	PR No.-	355141 Road (2025-26)#D

Note:-Only e-Tender shall be accepted.

Sd./-
(Ravi Shankar Pravakar), Executive Engineer,
Soil Investigation Division, Advance Planning,
Road Construction Department,Ranchi

PR 356610 Road
(25-26)#D

शब्द पहेली - 5919

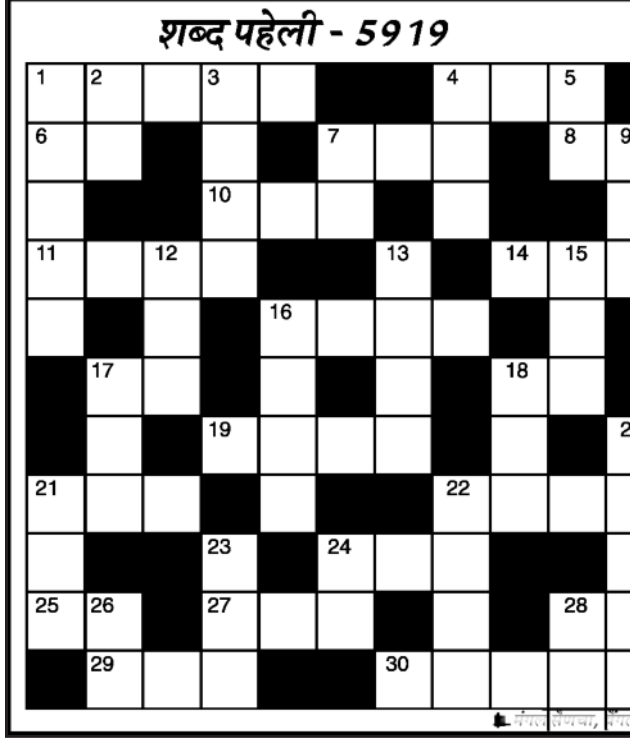

बाएँ से दाए-
1. हाईकमान-5
4. बुशर्ट, शर्ट-3
6. लाख, गोंद-2
7. प्रतिज्ञा-3
8. मां का भाई-2
10. धनवान, रईस-3
11. मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14. जिज्ञासा, उत्साह-3
16. अनगिनत-4
17. वर्ष, बरस-2
18. लय, स्वर-2
19. गदर, बलवा-4
21. ईर्ष्या-3
22. गरुर, घमंड-4
24. राजा, सम्राट-3
25. पानी से सराबोर-2
27. व्यर्थ, फिजूल-3
28. चतुर्थ, चौथा-2
29. बहने का भाव-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. आरामदायी-5
2. एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3. सेवा शुल्क-4
4. अभिव्यक्ति-3
5. बचत, जोड़-2
7. वहम-2
9. स्वामी-3
12. प्रवेश-3
13. धरोहर, थाती-4
15. तरंग, हिलोर-3
16. निरंकुश, मुंहजोर-4
17. किनारा, तट
18. कामधेनू, सुगंध-3
20. नुकसानदेह-5
21. दुनिया, जग-3
22. कहासुनी-4
23. चयन-3
24. चट्टान, शिला (अंग्रेजी-2)
26. ईश्वर, भगवान-2
28. प्रेम, लगन-2

शब्द पहेली -5918 का हल

सूडोकु नवताल - 5929

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

सूडोकु नवताल - 5928 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

MANGAL SENACHA, BANGALORE

पीपीएफ में निवेश से भी जुटा सकते हैं 1.50 करोड़, ट्रिपल 5 का फॉर्मूला आएगा काम

28 की उम्र में पीपीएफ अकाउंट शुरू करना और इसे 58 साल तक बनाए रखने का मतलब है कि आपने 15 साल की मैच्योरिटी के बाद 3 बार 5 साल के लिए यानी ट्रिपल 5 का फॉर्मूला अपनाकर इसमें निवेश जारी रखा।

केंद्र सरकार ने निवेशकों खासतौर से सैलरीड क्लास के बीच पॉपुलर स्मॉल सेविंग्स पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। जुलाई से सितंबर 2025 तक के लिए पीपीएफ पर 7.1 फीसदी सालाना ब्याज मिलता रहेगा। पीपीएफ की मैच्योरिटी 15 साल होती है, यानी यह लंबी अवधि के निवेश पर फोकस करने वाली स्कीम है। फाइनेंशियल एडवाइजर भी इसे लंबी अवधि के लिए सुरक्षित स्कीम मानते हैं। इस स्कीम के जरिए आप कितना फंड जुटा सकते हैं। क्या 1 करोड़ या 1.50 करोड़। इसका जवाब है आपके द्वारा होल्ड किए जाने वाली अवधि। पब्लिक प्रोविडेंट फंड एक ऐसी सरकारी स्कीम है, जिसे लंबी अवधि की निवेश के लिए डिजाइन किया गया है। अगर इस सरकारी स्कीम में लंबी अवधि तक या पूरे नौकरी पीरियड तक निवेश बनाए रहें तो रिटायरमेंट पर यह सरप्राइज दे सकता है। अब सवाल है कि मैच्योरिटी 15 साल की है तो इसे 25 साल या 30 साल तक होल्ड करना कैसे संभव है। ऐसा संभव है, इसे संभव बनाता है इस स्कीम में एक्सटेंशन से जुड़ा नियम।

पीपीएफ में निवेश के नियम

पीपीएफ की मैच्योरिटी वैसे तो 15 साल की है, लेकिन निवेशक चाहें तो इसे एक बार में 5 साल - 5 साल के लिए कितनी बार भी आगे बढ़ा सकते हैं। इस तरह से यह स्कीम पूरी नौकरी पीरियड में भी बनाए रखी जा सकती है। अगर आप एक्सटेंशन से जुड़े इस नियम का सही से फायदा उठाते हैं तो आपका भविष्य वित्तीय रूप से बहुत हद तक सुरक्षित हो सकता है। हमने यहां 28 साल से 58 साल तक यानी नौकरी के 30 साल निवेश पर कैलकुलेशन दिया है।

28 से 58 साल तक निवेश

28 की उम्र में पीपीएफ अकाउंट शुरू करना और इसे 58 साल तक बनाए रखने का मतलब है कि आपने 15 साल की मैच्योरिटी के बाद 3 बार 5 साल के लिए यानी ट्रिपल 5 का फॉर्मूला अपनाकर इसमें निवेश जारी रखा।

इसे ऐसे समझें

- एक फाइनेंशियल ईयर में जमा : 1.50 लाख रुपये
- ब्याज दर : 7.1 फीसदी सालाना
- 15 साल में कुल जमा : 22,50,000
- 15 साल बाद कुल फंड : 40,68,209
- 3 बार एक्सटेंड करने पर
- 30 साल में कुल जमा : 45,00,000
- 30 साल बाद कुल फंड : 1,54,50,911
- ब्याज का फायदा : 1,09,50,911 रुपये

पीपीएफ को एक्सटेंड करने पर क्या हैं फायदे?

यह बचत स्कीम एक्सटेंड करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपने रिटायरमेंट तक इसके जरिए एक बड़ा कॉर्पस जो 1.50 करोड़ रुपये भी हो सकता है, तैयार कर सकते हैं। वहीं ईपीएफ अकाउंट से भी आपको रिटायरमेंट पर अच्छा खासा फंड मिलेगा। ऐसे में आपका बुढ़ापा पूरी तरह से टेंशन फ्री हो जाएगा।

क्लोजिंग बैलेंस पर 89,000 रुपये मंथली इनकम

यहां आपने 30 साल तक निवेश कर, रिटायरमेंट तक 1.50 करोड़ फंड जुटा लिया। अब इसी फंड से मंथली कमाई करना चाहते हैं तो इसे फिर एक्सटेंड कर फायदा उठा सकते हैं. अगर आप स्कीम को बिना कुछ निवेश किए 5 साल के लिए एक्सटेंड किया है तो आपको क्लोजिंग बैलेंस पर सालाना ब्याज मिलेगा। वहीं हर साल एक बार आप पूरी रकम का कितना फीसदी भी निकाल सकते हैं। यह 100 फीसदी तक हो सकता है। यहां 1.50 करोड़ रुपये के क्लोजिंग बैलेंस पर 7.1 फीसदी सालाना ब्याज मिलेगा। यह एक साल में 10,65,000 रुपये होगा. आप एक साल में एक बार में इस पूरी ब्याज की रकम को निकाल सकते हैं। इसे 12 महीनों में बांट दें तो करीब 88,750 रुपये महीना होगा. वहीं इस निकासी पर कोई टैक्स भी नहीं लगेगा।

क्या है पीपीएफ

- पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड) एक प्रकार की बचत योजना है जो भारत सरकार द्वारा संचालित की जाती है। यह योजना व्यक्तियों को अपने भविष्य के लिए बचत करने और कर लाभ प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।
- लंबी अवधि की बचतः पीपीएफ एक लंबी अवधि की बचत योजना है जिसमें निवेश की अवधि 15 वर्ष होती है।
- कर लाभः पीपीएफ में निवेश करने से आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर लाभ प्राप्त होता है।
- निश्चित ब्याज दरः पीपीएफ पर ब्याज दर सरकार द्वारा निर्धारित की जाती है और यह दरें समय-समय पर बदलती रहती हैं।
- सुरक्षित निवेशः पीपीएफ एक सुरक्षित निवेश विकल्प है क्योंकि इसमें सरकार का समर्थन होता है।

बिजनेस साइट

तोड़-फोड़ सेल की धमाकेदार वापसी, श्री शिवम में फैशन का महासेल शुरू

रायपुर। मध्यभारत के सबसे बड़े और भरोसेमंद फैमिली फैशन स्टोर श्री शिवम में एक बार फिर फैशन प्रेमियों के लिए साल की सबसे बड़ी और चर्चित 'तोड़-फोड़ सेल' लौट आई है। यह मेगा सेल हर साल की तरह इस बार भी शानदार ऑफर्स और बेमिसाल डील्स के साथ ग्राहकों के लिए एक बेहतरीन खरीदारी का अनुभव लेकर आई है। हर उम्र और हर स्टाइल के फैशन शौकीनों के लिए इसमें कुछ न कुछ खास है। इस बार की तोड़-फोड़ सेल में बाय 1 गेट 1 फ्री, बाय 2 गेट 2 फ्री और 50% तक की छूट जैसी लुभावनी स्कीमें ग्राहकों को जबरदस्त तरीके से आकर्षित कर रही हैं। त्योहारों की रौनक हो या किसी खास फैमिली फंक्शन की तैयारी श्री शिवम की यह सेल हर मौके को और खास बना रही है। महिलाओं के लिए साड़ी, कुर्ती, लहंगा, ड्रेस मटेरियल और रेडीमेड सूट्स पर विशेष छूट दी जा रही है, जबकि पुरुषों के लिए पार्टी वियर, कोट सूट, शेरवानी और टक्सीडो में कई ब्रांडेड विकल्पों पर धमाकेदार ऑफर्स हैं। बच्चों के लिए किड्स वियर की ट्रेंडी और ब्रांडेड रेंज भी इस सेल का प्रमुख आकर्षण है।

हर उम्र और हर स्टाइल के फैशन शौकीनों के लिए कुछ खास

ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए श्री शिवम ने स्पाईकर, मुफ्ती, पूमा, जैक एंड जोन्स, ब्लैक-बेरी और रेयमंड जैसे नेशनल और इंटरनेशनल टॉप ब्रांड्स को भी इस सेल का हिस्सा बनाया है। कुल मिलाकर, श्री शिवम की यह तोड़-फोड़ सेल फैशन और बजट का बेहतरीन संगम है, जिसे फैशनप्रेमी किसी भी हाल में मिस नहीं करना चाहेंगे।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सज्जन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

श्रीराम किंकर मेडीकल इंस्टीट्यूट
डॉ. नवनीत जैन एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001 फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

डॉ. मनोज अग्रवाला एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

शाश्वत हॉस्पिटल
Dr. Vikas Mishra Ophthalmologist & Phasco Surgon M.B.B.S., M.S. (Ophthalmology)
चश्में से आजादी
मोतियाबिंद का ऑपरेशन (बिना टांके) फेको पद्धति द्वारा।
मोतियाबिंद का ऑपरेशन बिना इंजेक्शन (टॉपीकल फेको)।
अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर।
अत्याधुनिक तकनीक द्वारा चश्में की जांच।
टिम्बर भवन के सामने, मेन रोड, देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.), फोन : 0771-4060303, मो. 9753119900, www.shashwthospital.com

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड
अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 14000/- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- कंप्यूटर ऑपरेटर 3 वेतन योग्यतनुसार (आवास फ्री PF +ESIC) संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक सिलतरा रायपुर, छत्तीसगढ. 7747000019, 7746000016, (RO-074)

टीचर
Wanted Teachers- 2025- 26 to Jeevan Jyoti E.M.H.S. Arang, Interview we want Teachers form class I to Xth standard should bring your resume, original certificates and copies at 10:00 am. on Thursday, Friday and Saturday for an interview :- 03/07/25, 04/07/25, 05/07/25 Principal mobile - 9446508172. (RO-6821)

टेलीकॉलर/एक्जीक्यूटिव
आवश्यकता है- जॉब जॉब जॉब- कलेक्शन एजेंसी में काम करने हेतु महिला और पुरुष की आवश्यकता है। पद टेलीकॉलर (महिला) - 3 पद, फील्ड एक्जीक्यूटिव (पुरुष) - 15 से 20 पद सैलरी 8000-20000/- संपर्क - 8718965956 (RO-5035)

ऑफिस कार्य
आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है। सैलरी 5,000 से 20,000 कमाने का अवसर पता- खम्हारडीह पुलिस स्टेशन के पास न्यू सेल्स टैक्स कॉलोनी रायपुर संपर्क करें - 9343467254, 7470490884. (RO-6822)

घरेलू कार्य
आवश्यकता है- घर के कार्य करने हेतु एक महिला/ लड़की / लड़के की आवश्यकता है (रहने की सुविधा उपलब्ध), संपर्क: टाटीबंध रायपुर +91 93291 09448 (RO-3884)

सेल्समैन/ऑपरेटर
आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु लड़के, सेल्समेन, सेल्सगर्ल, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राईवर-1 सभी रायपुर लोकल निवासी अनिवार्य, अनुभवी को प्राथमिकता, संपर्क:- विरदीचंद मानकलाल कंकालीपारा, रायपुर संपर्क समय 10:30 से 9:00, मो. 9425522577, 9425522576.(RO-147)

टेलीकालिंग/ऑफिस कार्य
आवश्यकता है- टेलीकॉलिंग ऑफिस कार्य हेतु लड़की एवं महिलाओं की आवश्यकता है, सैलेरी 5,000+ कमीशन+ बोनस से कमाए 15 से 20,000 पता सुपेला भिलाई नियर महिंद्रा शोरूम श्री राम चौक संपर्क -72178-68971, 79991-74186 (आरो न.-783)

सहायक/सहायिका
आवश्यकता है- रामकृष्ण मिशन विवेकानंद आश्रम, पॉलिक्लीनिक में सहायक व सहायिका की आवश्यकता है- समय प्रातः 8:00 से 12:00 बजे तक वेतन- योग्यता अनुसार (RO-6824)

आवश्यकता
आवश्यकता है- दवा कंपनी में कार्य करने हेतु दसवीं एवं बारहवीं पढ़े लिखे लड़कियों की आवश्यकता है। मिलने का समय 5 से 7 बजे। संपर्क:- डॉ. एच. सी. अग्रवाल मो.- 94255-55659, 96177- 89223 (आरो-7189)

सेल्समैन/ड्रायवर
आवश्यकता है- चाय पत्ती की फैक्ट्री में 12वीं पास लड़कों जो सेल्समेन काम कर सके एवं ड्राइवर की भी आवश्यकता है संपर्क करें नियर एसबीआई एटीएम आकृति बिहार अमलीडीह रायपुर 7469980000, 0771-4075490.(RO-6819)

आवश्यकता है- महाराष्ट्र मसाला उद्योग में कार्य करने (1) सेल्समैन कमीशन + बेसिक (2) Tally Accountant कम Billing ऑपरेटर 2 पद (3) टाटा यस एवं आपे ड्रायवर ऑलराउंडर (4) दुकान हेल्पर लड़के - लड़कियां संपर्क 94255-17056, 94252-12631 (RO-0031)

सेल्स/ मार्केटिंग
आवश्यकता है- सेल्स मार्केटिंग हेतु सेल्समैन की आवश्यकता है जो इंडस्ट्रियल फील्ड में कार्य किये हो कम्पनीयों, फैक्ट्रियों से ऑर्डर निकाल सके, वर्क टारगेट बेसिक सैलरी 20000/- से 25000/- महीना, बायोडाटा व्हाट्सएप करें:- 8777261838 (RO-163)

मैरिज पैलेस कार्य
आवश्यकता है- गोविन्द मैरिज पैलेस मै कार्य हेतु पद :- 1. मैनेजर, 2. क्लिनिक स्टाफ , 3. सिक्योरिटी गार्ड , 4. गर्ल्स ऑफिस वर्क ,गर्ल्स / बॉय की आवश्यकता है। इंटरव्यू - 9/7/25 पता : कुरुद रूंगटा कॉलेज रोड भिलाई-97558-86622, 93006-61769 (आरो न.-782)

ऑफिस कलर्क
शीघ्र आवश्यकता है- ऑफिस कलर्क - ऑफिस एवं कंप्यूटर कार्य मे निपुर्ण - स्नातक पास* भृत्य (peon) महिला - 5वी पास इच्छुक संपर्क करें, स्थानीय को प्राथमिकता उदय इंग्लिश मीडियम स्कूल छावनी - भिलाई - 74709-84997 (आरो न.-781)

अन्य
आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के-लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या- 725 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (27500+62500) पढ़ाई (8वी से स्नातक) रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (धीरेंद्र कुमार)- 7392890179. (RO-1004)

Finance फायनेंस
फाइनेंस- सुंदरम फाइनेंस द्वारा पाएं घर बैठे लोन आसान किस्तों पर समूह लोन, बिजनेस लोन, आधार लोन, पर्सनल लोन, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रॉपर्टी लोन 2% वार्षिक ब्याज 30% छूट हेल्पलाइन- 8127684826, हेड ऑफिस - 9889062539 (RO-156)

Astrology ज्योतिष
छत्तीसगढ़िया ज्योतिष - काली माता की शक्तिशाली चमत्कारी पुजा अवइया चार महिना (चौमास) भारी कष्टदायक हे आर्थिक मानसिक शारीरिक आदि समाधान बर निःशुल्क संपर्क करव मो. 8461886239 (RO-6825)

Services सर्विसेस
LOAN AVAILABLE- Home loan, Personal loan, Pensions loan for Government employee in Banking working 07 day only, with all National Bank services. Contact:- Mr Nitin Savdekar Sr Auditor A/63/Karmchari Nagar, Sikola bhatta Durg Mob:- 94091-88678, 83194-50882 (आरो नं.-7188)

Property प्रापर्टी
प्लाट
प्लाट बेचना है- रायपुर के प्राइम लोकेशन कालीबाड़ी चौक के पास हनुमान नगर में 1500 वर्ग फीट का आवासीय प्लाट बेचना है। केवल वास्तविक खरीददार ही संपर्क करें 8319455052 (RO-7224)

कृषि भूमि
बेचना है- कृषि भूमि अतिशीघ्र बेचना है ग्राम- रामपुर तहसील- दाढ़ी जिला- बेमेतरा (छ.ग.) में। सम्पर्क करें- 8817731165. (RO-bsp)

For Rent किराया
किराये से देना है- रामकृष्ण मिशन विवेकानंद आश्रम, जी. ई. मेन रोड में 2 हॉल 4600 Sqft. प्रथम तल व द्वितीय तल में पानी व शौचालय की सुविधा सहित उपलब्ध है। इच्छुक व्यक्ति आश्रम कार्यालय में संपर्क करें- समय प्रातः 9:00 से 11:30 दोपहर 3:00 से 5:30 संपर्क नंबर 7000879998 (RO-6823)

किराये से देना है- 33x80 लगभग 2600 फिट कमर्शियल हॉल किराया से देना है रिंग रोड ब्रिज कुशालपुर चौक से लगा हुआ। पर्याप्त पार्किंग सुविधा संपर्क- 7223922385. (RO-414)

किराए से- भावना नगर (शंकर नगर) सागर हॉस्पिटल के पास, मेन रोड पर वर्किंग वूमन और स्टूडेंट के लिए सर्व सुविधा युक्त AC/ नॉन AC, PG रूम हेतु संपर्क करें मोबाइल :- 9302309266. (RO-159)

सब कुछ है यहां
पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

वैवाहिकी
वर चाहिए
वर चाहिए
तैलिक साहू कन्या M.S. (E.N.T.) जन्म 1995/5'-3" गौर वर्ण, इन्दौर/ इटारसी (म.प्र.) निवासी हेतु डॉक्टर या उच्च/ समकक्ष योग्य वर चाहिये
बायोडाटा व्हाट्सएप पर भेजें
-सम्पर्क करें- 9425136008

वधु चाहिए
वधू चाहिए
सरयूपारीय ब्राह्मण 31 वर्ष, 5'-11" भारद्वाज गोत्र, मध्य नाड़ी, अधिकारी इफको, बरेली (उ.प्र.) हेतु सुन्दर, सुशील, टेक्नीकली क्वालीफाईड सरयूपारीय/ कन्यकुब्ज ब्राह्मण वधु चाहिए।
कृपया फोटो, बायोडाटा व्हाट्सएप पर भेजें।
सम्पर्क करें- 9479271820 6265112290

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.
COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

खबर संक्षेप

हम्पी की निगाह कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के क्वालीफाई पर

बातुमी (जॉर्जिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी को फिडे विश्व महिला शतरंज कप में चौथी वरीयता दी गई है और वह खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगी। इस प्रतियोगिता में पहले तीन स्थान पर रहने वाली खिलाड़ी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगी। चीन की लेई टिंगजी, जिनर झू और झोंगयी टैन शीर्ष तीन वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। हम्पी के साथ वे एशियाई चुनौती का नेतृत्व करेंगे। इस प्रतियोगिता में पिछले कुछ समय से एशियाई खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिल रहा है। कैंडिडेट्स में विजेता को अगली विश्व चैंपियनशिप में चीन की मौजूदा महिला चैंपियन वेनजुन जू को चुनौती देने का अधिकार मिलेगा। इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक रेटिंग वाली 21 खिलाड़ियों को वरीयता दी गई है।

चेल्सी क्लब विश्व कप के सेमीफाइनल में

फिलाडेल्फिया। चेल्सी ने मालो गुस्टो के 83वें मिनट में लगाए गए शॉट पर आत्मघाती गोल होने से पाल्मेरास को 2-1 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बना ली।

कोल पामर ने मैच में 16वें मिनट में गोल करके चेल्सी को बढ़त दिला दी, लेकिन 18 वर्षीय एस्टेवाओ ने 53वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया। शॉर्ट कॉर्नर किक के बाद गुस्टो का शॉट डिफेंडर अगस्टिन गिया और गोलकीपर वेवर्टन से टकराकर गोल में चला गया, जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। फीफा ने इसे वेवर्टन का आत्मघाती गोल करार दिया।

विश्व मुक्केबाजी कप: 5 मुक्केबाज पहुंचे फाइनल में

अस्ताना। मीनाक्षी, साक्षी, पूजा रानी, हितेश गुलिया और जुगनू ने शनिवार को शानदार जीत दर्ज करते हुए विश्व मुक्केबाजी कप में अपने भार वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया।कजाखस्तान में भारतीय मुक्केबाजी दल ने अब 11 पोडियम स्थान सुनिश्चित कर लिए हैं, जिसमें रविवार को छह स्वर्ण पदक मुकाबले शामिल हैं।अभिनाश जामवाल (पुरुष 65 किग्रा) आज ही सेमीफाइनल खेलेंगे, जिससे भारत एक और स्वर्ण पदक की दौड़ में होगा। मीनाक्षी ने 48 किग्रा सेमीफाइनल में तुर्की की नर्सलेन याल्गेटकिन को 5-0 से हराकर भारत की जीत की शुरुआत की। इसके बाद साक्षी ने उज्बेकिस्तान की फेरुजा काजाकोवा पर दबदबा बनाया और समान अंतर की जीत से 54 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंची। ओलंपियन पूजा रानी ने 80 किग्रा वर्ग में तुर्की की एलिफ गुनेरी को पीछे छोड़ते हुए 3-2 के फैसले के साथ फाइनल में प्रवेश किया।

सूर्यवंशी का तूफानी शतक, भारत ने इंग्लैंड को 55 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडिया अंडर-19 टीम ने वनडे सीरीज पर कब्जा जमाया। इंग्लैंड अंडर-19 को चौथे वनडे मैच में 55 रन से हराया दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए वैभव सूर्यवंशी (143) और विहान मल्होत्रा (129) के शतकीय पारियों की बदौलत 50 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 363 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की अंडर-19 टीम रॉकी फ्लिंटॉफ के शतक के बावजूद 308 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ ही भारत ने 3-1 के साथ पांच वनडे मैच की सीरीज अपने नाम कर ली। आखिरी वनडे मैच खेला जाना अभी बाकी है।

अर्धशतक सिर्फ 24 गेंदों पर पूरा किया

वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे वनडे मैच में अपना अर्धशतक सिर्फ 24 गेंदों पर पूरा किया और इसके बाद उन्होंने अपना शतक 52 गेंदों पर लगाया। अपनी शतकीय पारी के दौरान वैभव के बल्ले से 8 छक्के और 10 चौके निकले। वैभव यूथ वनडे में भारत की तरफ से सबसे तेज शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में वैभव 86 रन पर आउट हो गए थे और शतक से चूक गए थे, लेकिन चौथे मैच में उन्होंने इस कसर को पूरी कर ली और अपना शतक पूरा कर लिया। 14 साल के वैभव का यूथ वनडे मैचों में ये करियर का पहला शतक रहा। वैभव ने इस मैच में 78 गेंदों पर 143 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 10 छक्के और 13 चौके लगाए। इस पारी के दौरान उनका स्ट्राइक रेट 183.33 का रहा।

बाउंड्री से बनाए 112 रन

इस मैच में वैभव ने दूसरे विकेट के लिए विहान मलहोत्रा के साथ मिलकर 219 रन की शानदार साझेदारी की और टीम इंडिया की स्थिति को बेहद मजबूत बना दिया। वैभव ने 143 रन की पारी के दौरान बाउंड्री के जरिए 112 रन बनाए। उन्होंने इंग्लिश गेंदबाजों की जमकर कुटाई की और हर तरफ बाउंड्री लगाए। वैभव ने इस वनडे सीरीज के पहले मैच में 19 गेंदों पर 48 रन जबकि दूसरे मैच में 34 गेंदों पर 45 रन की पारी खेली थी। इसके बाद उन्होंने तीसरे वनडे मैच में 31 गेंदों पर 86 रन बनाए जबकि चौथे मैच में उन्होंने 78 गेंदों पर 143 रन ठोक डाले।

टीम इंडिया का बांग्लादेश दौरा टला, बीसीसीआई ने की पुष्टि

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम अगस्त 2025 में बांग्लादेश में सीमित ओवरों की सीरीज के लिए नहीं जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने इसकी पुष्टि कर दी है। बांग्लादेश दौरे को रिशेड्यूल करने का फैसला किया गया है। टीम इंडिया का बांग्लादेश दौरा टल गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को यह कंफर्म कर दिया। पिछले कई दिनों से अगस्त 2025 में होने वाले बांग्लादेश दौरे को लेकर स्थगित करने की संभावना जताई जताई जा रही थी, जिसपर अब मुहर लग चुकी है। बताया जा रहा है कि पड़ोसी देश में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव ने भी दौरे को स्थगित करने में भूमिका निभाई। भारत और बांग्लादेश के बीच तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज होने थी। बीसीसीआई और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अब सीमित ओवरों की सीरीज को सितंबर 2026 में आयोजित करने का निर्णय लिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा, "बीसीबी और बीसीसीआई ने अगस्त 2025 में बांग्लादेश और भारत के बीच होने वाली तीन वनडे और तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज को सितंबर 2026 तक के लिए टालने पर आपसी सहमति जताई है।

टेस्ट : चौथे दिन दूसरी पारी 6 विकेट पर 427 रन पर घोषित की

भारत ने दिया 608 रन का लक्ष्य, इंग्लैंड के 3 विकेट पर 72 रन, गिल ने रचा इतिहास

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

भारत ने शनिवार को यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन दूसरी पारी छह विकेट पर 427 रन बनाकर घोषित की और इंग्लैंड को जीत के लिए 608 रन का लक्ष्य दिया, जिसने स्टंप तक 3 विकेट गंवाकर 72 रन बना लिए। स्टंप तक ओली पोप 24 और हैरी ब्रुक 15 रन बनाकर खेल रहे थे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल (161 रन) ने दूसरी पारी में भी शतक जड़ा। गिल के शतक के अलावा केएल राहुल (55 रन), उप कप्तान ऋषभ पंत (65 रन) और रविंद्र जडेजा (नाबाद 69 रन) ने अर्धशतक जमाए। भारत ने सुबह दूसरी पारी में 1 विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरू किया। भारत के पहली पारी में 587 रन के जवाब में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 407 रन पर सिमट गई थी।

एक टेस्ट में भारत के लिए सर्वाधिक स्कोर

346* - शुभमन गिल बनाम इंग्लैंड, एजबेस्टन, 2025
344 - गावस्कर बनाम वेस्टइंडीज, पोर्ट ऑफ स्पेन, 1971
340 - लक्ष्मण बनाम ऑस्ट्रेलिया, कोलकाता, 2001
330 - सौरव गांगुली बनाम पाकिस्तान, बेंगलुरु, 2007
319 - वीरेंद्र सहवाग बनाम द.अफ्रीका, चेन्नई, 2008
309 - वीरेंद्र सहवाग बनाम पाक, मुल्तान, 2004

शुभमन ने हासिल की कई उपलब्धियां

- शुभमन गिल ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन के दम पर कई उपलब्धियां अपने नाम की। इसमें एक यह है कि वह टेस्ट मैच की दोनों पारियां मिलाकर सर्वाधिक रन बनाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में ब्रायन लारा, कुमार संगकारा और मार्क टेलर को पीछे छोड़ दिया है।
- गिल ने इस टेस्ट की दोनों पारियां मिलाकर 430 रन बनाए हैं। इस मामले में अब ग्राहम गूच ही गिल से आगे हैं। उन्होंने 1990 में लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ खेले गए टेस्ट की दोनों पारियां मिलाकर कुल 456 रन बनाए थे। मार्क टेलर ने पाकिस्तान के खिलाफ 1998 में 426, संगाकारा ने 2014 में बांग्लादेश के खिलाफ 424 और लारा ने 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ दोनों पारी मिलाकर 400 रन बनाए थे।
- गिल ने बर्मिंघम में खेले जा रहे इस टेस्ट मैच की दोनों पारियां मिलाकर कुल 11 छक्के लगाए, जो किसी एक टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाज की ओर से लगाए गए तीसरे सर्वाधिक छक्के हैं। इस मामले में गिल से आगे रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल हैं। रोहित ने 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 13 छक्के लगाए थे, जबकि यशस्वी ने 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ 12 छक्के लगाए थे।

एनसी क्लासिक

नीरज चोपड़ा ने फेंका 86.18 मी भाला, खिताब किया अपने नाम

- पेरिस डायमंड लीग और पोलैंड के ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक में खिताब जीता था
- कीनिया के जूलियस येगो दूसरे स्थान पर और श्रीलंका के रुमेश पथिरगे ने किया तीसरा स्थान हासिल

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा ने शनिवार को विश्व स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी और उसमें प्रतिस्पर्धा करने के अपने सपने को साकार करते हुए 'एनसी क्लासिक' का खिताब जीत लिया। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 27 साल के चोपड़ा ने अपने माता-पिता की मौजूदगी में श्री कांतीरवा स्टेडियम में अपने तीसरे प्रयास में 86.18 मीटर की दूरी के साथ खिताब अपने नाम किया। चोपड़ा का यह लगातार तीसरा खिताब है। उन्होंने इससे पहले उन्होंने पेरिस डायमंड लीग (20 जून) और पोलैंड के ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक (24 जून) में खिताब जीता था।

स्पर्धा में शीर्ष अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक खिलाड़ियों ने लिया था भाग

कीनिया के 2025 विश्व चैंपियन जूलियस येगो 84.51 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि श्रीलंका के रुमेश पथिरगे (84.34 मीटर) ने तीसरा स्थान हासिल किया। चोपड़ा ने इस प्रतियोगिता को जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से आयोजित किया गया था। इसे भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने मंजूरी दी थी। नीरज चोपड़ा क्लासिक प्रतियोगिता में 12 भाला फेंक खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें सात शीर्ष अंतरराष्ट्रीय भाला फेंकने वाले खिलाड़ी शामिल थे। इसमें चोपड़ा सहित पांच भारतीय खिलाड़ियों ने भी चुनौती पेश की।

विंबलडन: सबालेंका ने राडुकानु को हराया यूएस ओपन चैंपियन के सफर को रोका

एजेंसी ▶▶| लंदन

शीर्ष रैंकिंग वाली एरीना सबालेंका ने विंबलडन में स्थानीय दावेदार एम्मा राडुकानु के शानदार सफर को विंबलडन में 7-6(6) 6-4 की जीत के साथ रोक दिया। ऑल इंग्लैंड क्लब में दो बार की सेमीफाइनलिस्ट सबालेंका ने दोनों सेटों में 2021 यूएस ओपन चैंपियन के खिलाफ जोरदार वापसी की। राडुकानु 18 साल की उम्र में यूएस ओपन में एक क्वालीफायर के रूप में अपने खिताब के बाद से अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेल रही थीं। राडुकानु 74 मिनट के पहले सेट में एक समय 4-2 से आगे थी लेकिन सबालेंका ने अगले 12 में से 11 अंक हासिल कर 5-4 की बढ़त बना ली।

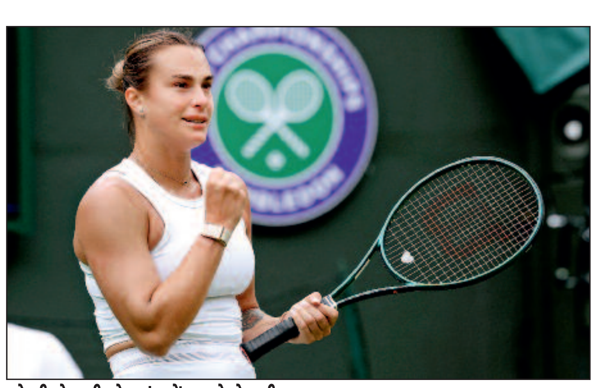

क्रेजीकोवा तीसरे राउंड में नवारो से हारी

लंदन। गत विंबलडन चैंपियन बारबोरा क्रेजीकोवा शनिवार को तीसरे दौर में 10वीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो से 2-6, 6-3, 6-4 से हार गईं। नवारो ने जब तीसरे सेट में क्रेजीकोवा पर 3-2 की बढ़त हासिल की तब क्रेजीकोवा दबाव में बिखरने लगी। उन्होंने इसके बाद चिकित्सा ली और रक्तचाप की जांच करवाई। मेडिकल जांच के उन्होंने अपने कोच से बात की। जब खेल फिर से शुरू हुआ तो भी क्रेजीकोवा की परेशानी कम नहीं हुई। वह लगातार अपने घुटनों पर हाथ रखकर थकान के असर को कम करने की कोशिश कर रही थी।

श्रीकांत सेमीफाइनल में, चेन को दी मात

मकैलगरी। भारत के किदाम्बी श्रीकांत ने अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीय चोऊ टिएन चेन पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व चैंपियनशिप के पूर्व रजत पदक विजेता और इस साल मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचने वाले श्रीकांत ने 43 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चेन को 21-18, 21-9 से हराया। वर्तमान में विश्व में 49वें स्थान पर काबिज श्रीकांत का फाइनल में जगह बनाने के लिए अब जापान के तीसरे वरीय केंटा निशिमोटो से मुकाबला होगा। इससे पहले 2022 विश्व जूनियर चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता एस. शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम ने 79 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल में निशिमोटो से 15-21 21-5 17-21 से हारने से पहले उनके सामने कड़ी चुनौती पेश की।

महिला क्रिकेट टी20: हरमनप्रीत आखिरी गेंद नहीं लगा पाई सिक्स

इंग्लैंड ने रोमांचक जीत से रोका भारत का विजय अभियान

एजेंसी ▶▶| लंदन।

भारत की बल्लेबाजी अंतिम क्षणों में लड़खड़ा गई, जिससे इंग्लैंड ने तीसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पांच रन से करीबी जीत दर्ज करके पांच मैच की श्रृंखला को जीवंत रखा। किया ओवल में खेले गए मैच में इंग्लैंड बल्लेबाजी के पतन और खराब क्षेत्ररक्षण के बावजूद भारत को जीत की हैट्रिक लगाने और श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने से रोकने में सफल रहा।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। सोफिया डंकले (75) और डैनी व्याट-हॉज (66) ने पहले विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी करके उसे शानदार शुरुआत दिलाई, लेकिन इंग्लैंड ने 25 गेंदों में 31 रन के अंदर नौ विकेट गंवा दिए और इस तरह से आखिर में नौ विकेट पर 171 रन बनाए।

बना वर्ल्ड रिकॉर्ड, इंग्लैंड के 25 गेंदों पर गिरे 9 विकेट

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय वुमेंस टीम को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20I में भले ही 5 रन से हार का सामना करना पड़ा हो, मगर इस मैच में भारतीय गेंदबाज एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बना गए। इंग्लैंड ने तेजी से रन बनाने के प्रयास में 25 गेंदों में 9 विकेट गंवा दिए और भारत के नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया। 15.1 ओवर में जहां इंग्लैंड का स्कोर बिना किसी विकेट के 137 रन था, वहीं 19.2 ओवर में टीम ने 168 के स्कोर पर 9 विकेट गंवा दिए। इस दौरान तीन इंग्लिश बैटर खाता भी नहीं खोल पाईं, वहीं कुल 7 बैटर सिंगल डिजिट पर आउट हुईं। अनुराधा रेड्डी और दीप्ति शर्मा ने इस दौरान 3-3 विकेट चटकाए। पुरुष क्रिकेट में भी आज तक किसी फॉर्मेट में कोई टीम इतनी कम गेंदों में 25 विकेट नहीं चटका पाई है।

Dr. Juneja's
पेट सफा
Natural Laxative Granules & Tablets
कब्ज़ गैस एसिडिटी
अगर आप भी कब्ज़, गैस, एसिडिटी जैसी समस्या से परेशान है तो आज ही लीजिए, पेट सफा ग्रेन्यूल्स/टैबलेट्स । यह मुंह में चिपकता नहीं । सोने से पहले खाएं और आराम पाएं ।
Provides Effective Relief
Balances Digestive Health
Ayurvedic Proprietary Medicine
Clinically Tested*
Divisa
24x7 Helpline: 91197 88888 | www.petsaffa.com
Available at all medical & general stores

आखिर क्या है ऐसा खास इस पत्थर में, नीलामी में 34 करोड़ रुपए में बिकने की उम्मीद

नई दिल्ली। पृथ्वी पर मंगल ग्रह की एक चट्टान पाई गई थी, जिसे नीलाम किया जाने वाला है। यह मंगल ग्रह की सबसे बड़ी चट्टान है, जिसका नाम एनडब्ल्यूए 16788 उल्कापिंड है। इस महीने के अंत तक इस नायाब उल्कापिंड की नीलामी का आयोजन करवाया जाएगा। इसका आयोजन सोथबी नामक नीलामीघर द्वारा करवाया जा रहा है। यह उन लोगों के लिए अहम है, जो मंगल ग्रह के विषय में शोध करना चाहते हैं या अंतरिक्ष से जुड़ी चीजों में दिलचस्पी रखते हैं।

कब और कहां खोजी गई थी यह चट्टान?

आपको जानकर हैरानी होगी कि इस चट्टान का वजन 24 किलो है। इसे नवंबर 2023 में नाइजर के सुदूर अगाडेज क्षेत्र में एक वैज्ञानिक ने खोजा था। यह मंगल ग्रह से गिरे ज्यादातर उल्कापिंडों की तुलना में विशाल है, जो आमतौर पर छोटे टुकड़े होते हैं। एनडब्ल्यूए 16788 के आंतरिक विश्लेषण से पता चला है कि यह एक क्षुद्रग्रह के प्रभाव से मंगल की सतह से उड़ गया था और धरती पर आ गिरा था।

न्यूयॉर्क में होने वाली है यह ऐतिहासिक नीलामी

एनडब्ल्यूए 16788 की नीलामी 16 जुलाई को सोथबी के न्यूयॉर्क स्थित कार्यालय में होने वाली है। यह 'प्राकृतिक इतिहास बिक्री' का हिस्सा होगा और इसे अब तक का सबसे दुर्लभ उल्कापिंड बताया जा रहा है। इस चट्टान की अनुमानित कीमत 17 से 34 करोड़ रुपये के बीच तय की गई है। सोथबी ने एनडब्ल्यूए 16788 को एक 'स्मारकीय नमूना' बताया है, जो पृथ्वी पर अब तक पाए गए मंगल ग्रह के अन्य टुकड़ों से लगभग 70 प्रतिशत बड़ा है।

यह चट्टान क्यों है इतनी अहम?

अब तक पृथ्वी पर मंगल ग्रह के केवल 400 उल्कापिंड खोजे गए हैं, यही कारण है कि इसकी नीलामी इतनी अहम है। सोथबी के विज्ञान और प्राकृतिक इतिहास के उपाध्यक्ष कैसंड्रा हैटन ने इसे असाधारण महत्व की खोज बताया है। यह चट्टान लाल रंग की है और इसकी सतह पर कांच जैसी परतें भी दिखाई देती हैं। सोथबी ने कहा, मंगल ग्रह के टुकड़े अविश्वसनीय रूप से दुर्लभ हैं। 77,000 उल्कापिंडों में से केवल 400 ही मंगल ग्रह के हैं।

इस नीलामी से खुश नहीं हैं वैज्ञानिक

एक ओर जहां कुछ लोग इस उल्कापिंड की नीलामी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं, कुछ विशेषज्ञों ने इस दुर्लभ चट्टान की नीलामी पर नाराजगी जताई है। स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में जीवाश्म विज्ञान और विकास के प्रोफेसर स्टीव ब्रुसेट ने कहा कि यह शर्म की बात होगी अगर उल्कापिंड सार्वजनिक अध्ययन और आनंद के लिए संग्रहालय में प्रदर्शित होने के बजाय किसी कुलीन वर्ग की तिजोरी में समा जाए।

ब्रूनोई के राजा से कम नहीं इंदौर का व्यक्ति, 24 कैरेट सोने से सजाया है घर का कोना-कोना

नई दिल्ली। सोना एक ऐसी धातु है, जिसे लक्जरी से जोड़ा जाता है। इससे बने जेवर पहनकर लोग शाही लुक पा लेते हैं। हालांकि, क्या हो अगर किसी का पूरा घर ही सोने से सजा हो? सुनकर हैरानी होती है बता दें सोने के महल, हवाई जहाज, नाव सहित सोने के जूते तक पहनने के शौकीन ब्रूनोई के सुलतान का नाम है लेकिन इंदौर के एक व्यक्ति ने अपने घर का कोना-कोना सोने से सजाया है। उनके घर के फर्नीचर से लेकर स्विच बोर्ड तक, सभी 24 कैरेट सोने से बने हुए हैं। आइए इस अनोखे घर के बारे में विस्तार से जानते हैं।

इंस्टाग्राम पर वायरल हुआ सोने के घर का वीडियो

इंस्टाग्राम कंटेंट क्रिएटर प्रियम सारस्वत आलीशान घरों के वीडियो साझा करते रहते हैं। हालांकि, इस बार उन्होंने जो

वीडियो पोस्ट किया, उसे देखकर लोगों के होश उड़ गए। प्रियम इंदौर स्थित शाही घर में प्रवेश करते हैं, जो पूरी तरह से सोने से सजा है। इस घर को देखकर ऐसा लगता है कि मानो किसी राजा के महल में पहुंच गए हों। प्रियम का यह वीडियो सोशल मीडिया पर छा गया है और लोग इसे खूब पसंद कर रहे हैं।

महंगी व पुरानी गाड़ियों का संग्रह भी उड़ा देगा होश

इस वीडियो को अब तक एक करोड़ लोगों ने देखा है, जिसकी शुरुआत में प्रियम घर के मालिक से प्रवेश की अनुमति मांगते हैं। जैसे ही दरवाजा खुलता है, सबसे पहले उन्हें एक गौशाला दिखाई जाती है। घर के मालिक मानते हैं कि गाय पालने से सकारात्मकता आती है। इसके बाद उनका अद्भुत कार का संग्रह दिखाई देता है। कई शानदार गाड़ियां इस घर की पार्किंग की शोभा बढ़ाती हैं।

इस आलीशान घर में हैं 10 बैडरूम

इसके बाद प्रियम घर के मुख्य एरिया की ओर बढ़ते हैं, जिसमें बॉलीवुड फिल्मों से प्रेरित सीढ़ियां दिखाई देती हैं। घर के मालिक की अमीरी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पूरे घर में सोने की कई मूर्तियां नजर आती हैं। घर के मंदिर में भगवान सोने के सिंहासन पर विराजमान हैं। मालिक बताते हैं कि उनके आलीशान बंगले में 10 बैडरूम हैं, हर कमरे में बालकनी हैं।

चारों और दिखाई देता है सोना ही सोना

जब प्रियम घर के अंदर पहुंचते हैं तो उन्हें चारों तरफ सोना दिखाई देता है। वह पूछते हैं, बहुत सारा सोना दिखाई दे रहा है। इस पर मालिक जवाब देते हैं, सब असली 24 कैरेट सोना है। इस घर में कमरे की दीवारों पर बने खंबे, फर्नीचर, छत, सजावट का सामान और यहां तक की स्विच बोर्ड तक सोने के ही लगाए गए हैं। आप सुनकर हैरान हो जाएंगे कि हाथ धोने वाला सिंक भी सोने का ही बना है।

क्रिस्टीज की गहनों वाली भव्य नीलामी ने तोड़े सभी रिकार्ड, हुई 759 करोड़ की कमाई

न्यूयार्क । आपने वह कहावत तो सुनी होगी की 'हीरे महिलाओं के सबसे अच्छे दोस्त होते हैं।' अगर वे खूबसूरत गहनों में जड़े हों तो उनकी अहमियत और बढ़ जाती है। यह बात हाल ही में हुई एक नीलामी से साबित हो गई है, जिसने जेवरों की नीलामी के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दरअसल, क्रिस्टीज नीलामीघर ने जेवरों की सबसे बड़ी नीलामी आयोजित की थी, जिसके जरिए रिकॉर्ड तोड़ कमाई की गई है। चलिए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

न्यूयॉर्क में आयोजित हुई ऐतिहासिक नीलामी

प्रसिद्ध नीलामीघर क्रिस्टीज ने आभूषण जगत में नए मानक स्थापित करते हुए इतिहास रच डाला है। यह नीलामी न्यूयॉर्क में आयोजित करवाई गई थी और इसे 'मैग्निफिसेंट ज्वेल्स ऑक्शन' नाम दिया गया था। हैरानी की बात यह है कि गहनों की इस नीलामी के जरिए क्रिस्टीज ने 759 करोड़ रुपये की भारी कमाई कर डाली है। इसके दौरान कई प्राकृतिक हीरों और रत्नों से सजे आभूषण बेचे गए थे।

गुलाबी हीरे के जरिए हुई 121 करोड़ की कमाई

इस नीलामी में मुगल साम्राज्य के कई आभूषण बेचे गए, जिनकी कीमत करोड़ों में लगी। हालांकि, इसका मुख्य आकर्षण गुलाबी रंग का एक हीरा रहा, जिसका नाम 'मैरी-थेरेसे पिंक डायमंड' है।

दुनियाभर के लोग रहे इस नीलामी का हिस्सा

इस नीलामी में केवल अमेरिका से ही नहीं, बल्कि दुनिया के कोने-कोने से लोग शामिल हुए थे। नीलामी शुरू होने से पहले ही लोगों के उत्साह से कमरा गूंज उठा था। जैसे ही नीलामी शुरू हुई, सभी ने बढ़-चढ़कर बोली लगाना शुरू कर दिया। कई लोग तो मोबाइल पर कॉल करके या ऑनलाइन भी बोली लगा रहे थे। इस नीलामी में जितने भी आभूषण उपलब्ध थे वे सभी आसानी से बिक गए थे।

अन्य आभूषणों की करोड़ों में लगी कीमत

इस नीलामी का दूसरा सबसे नायाब सितारा था 'ब्लू बेल' हीरा, जो 392.52 कैरेट वजन का सीलोन नीलम था। इसका सुंदर रंग और आकार देखकर लोग आकर्षित हुए और आखिर में यह 97 करोड़ रुपये में बेचा गया। इसके अलावा, एक 66.74 कैरेट का गोल हीरा 32 करोड़, एक 25 कैरेट का नाशपाती के आकार का हीरा वाला सॉलिटेयर पेंडेंट 20 करोड़ और हीरे की बालियों की एक जोड़ी लगभग 12 करोड़ रुपये में नीलाम हुई।

कमर, जांघ, ऑर्म, वक्ष स्थल

शरीर के अन्य हिस्सों का लेज़र द्वारा लाइपोसक्शन
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स माल के पास, रायपुर (छ.ग.)
9827143060/8871003060
छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
Ajay Advt.

DELHI IAS ACADEMY RAIPUR
Your Dream Our Duty..
"आपका सपना... हमारा संकल्प!"
P2I BATCH (PRELIMS TO INTERVIEW)
8 JULY
3 Year फाउंडेशन बैच
NEW BATCH
P2I बैच की मुख्य विशेषताएं एवं लाभ
• उत्तर लेखन कौशल में दक्षता के लिए विशेष अभ्यास
• निबंध लेखन और प्रस्तुति कौशल को निखारने पर विशेष फोकस
• वन टू वन मेंटरशिप से इंटरएक्टिव गाइडेंस
• परीक्षा-उन्मुख पाठ्यक्रम और अध्ययन सामग्री
• विषयवार टेस्ट के माध्यम से प्रगति पर नज़र
• समय प्रबंधन और शब्द सीमा के लिए रणनीतियाँ
• नियमित डाउट क्लीयरिंग और इंटरेक्टिव सेशन्स
3-वर्षीय फाउंडेशन बैच की मुख्य विशेषताएं एवं लाभ
• कक्षा 6वीं से 12वीं तक की NCERT की सम्पूर्ण तैयारी
• अनुभवी फैकल्टी द्वारा मार्गदर्शन, बुक्स और PDF मटेरियल सहित
• CSAT (मैथ्स व रीजनिंग) की विशेष तैयारी
• CGPSC मेन्स उत्तर लेखन अभ्यास व नियमित प्रीलिम्स टेस्ट
• SSC, बैंकिंग व रेलवे परीक्षाओं की नींव तैयार
• CGPSC सिलेबस से समन्वयित ठोस शैक्षणिक आधार
Khanna
7880111266, 7880111566, 7880111766
2nd Floor, Vandana Bajaj Showroom
Opposite Rajkumar College, G.E. Road Raipur

कब्ज का काल
कब्ज नाल
आप ने बहुत से कब्जीयत की दवा ली परंतु बात नहीं बनी स्नेह कब्जनाल चूर्ण के पहले खुराक से पेट खुश तो आप भी खुश पेट के संपूर्ण रोगों के लिए आर्शीवाद यह नये-पुराने चिपके हुए मल को शोधन कर आँतों को साफ रखता है। बवासीर को ठीक करता है।
पेशाब से जाने वाले चिपचिपे पदार्थ को तुरंत रोकता है।
सभी मेडिकल व जनरल स्टोर में उपलब्ध
एक बार अवश्य प्रयोग करें
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
Mob.: 93032-42200

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
ट्रॉमा केयर यूनिट
पॉली ट्रॉमा
मिनिमली इन्वेसिव ट्रॉमा सर्जरी
कूल्हे एवं कमर के फ्रेक्चर
पुराने ना जुड़े/टेढ़े-मेढ़े जुड़े फ्रेक्चर
हड्डियों से मवाद रिसना
ICU एवं क्रिटिकल केयर टीम की सेवा सहित
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
डॉ. विकास गोयल Hematology & Hemato-Oncology
डॉ. अनिकेत ठोके Chemotherapy Specialist
बोन मैरो ट्रांसप्लांट, कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी, व पैलिएटिव केयर हेतु कुशल टीम
डॉ. सिद्धार्थ तुरकर Medical Oncology
डॉ. अविनाश तिवारी Pain and Palliative Medicine Specialist
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389905010, 0771 4081010

BALCO Medical Centre
बालको मेडिकल सेंटर
मध्यभारत का अत्याधुनिक व विश्वसनीय कैंसर हॉस्पिटल
NABH व NABL से मान्यता प्राप्त
• सभी प्रकार की कैंसर सर्जरी
• पैट, स्पैक्ट स्कैन, HDT, LDT थेरेपी
• अत्याधुनिक टू-बीम लिनक एवं हैलीऑन मशीन द्वारा रेडिएशन थेरेपी व ब्रैकिथेरेपी की सुविधा
• कीमोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी, इम्युनोथेरेपी
• रक्त-सम्बन्धी सभी बीमारियाँ एवं बोन मेरो ट्रांसप्लांट
• आधुनिक रेडियोलॉजी, लेबोरेटरी एवं ब्लड सेंटर
आयुष्मान भारत योजना से निःशुल्क ईलाज एवं सभी PSUs व बीमा कम्पनियों से अनुबंधित
सिटी सेंटर - बीएमसी कैंसर डेकेयर- कलर्स मॉल के बाजू, धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.) 9201966330
मेन हॉस्पिटल - सेक्टर 36, नया रायपुर, छ.ग. 8282823333/4444

मित्तल हॉस्पिटल रायपुर - भिलाई
कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार
आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध
रायपुर में VARIAN HALCYON
भिलाई में VARIAN UNIQUE
आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से निःशुल्क रेडिएशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था
• रेडियो थैरेपी • कीमोथेरेपी • कैंसर सर्जरी • मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी
रायपुर अवंति बाई चौक, पंडरी 9343079151, 91313 99570
भिलाई टी.आई. मॉल के पास 7722880844, 0788-2294440
Deepak Ad/101

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com